20 जुलाई, 2020 * वर्ष-29, पृष्ठ संख्या 60, अंक-7

राजस्थान सुजस

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

Rajiv@75

कोरोना जागरूकता अभियान

सावन में शिव

चम्पा शर्मा

छाया : राकेश शर्मा 'राजदीप'

सावन प्रकृति से जुड़ा माह है। शिव की आराधना से जुड़ा पर्व-मास। आषाढ़ पूरा होते-होते चारों ओर हरियाली छा जाती है और सावन में प्रकृति अपने पूरे निखार पर होती है। गांव-गांव अमराई, पीपल, नीम, बड़ पर पड़े झूलों पर झूलती किशोरियां। वर्षा की बूंदों के साथ ही लोकगीतों के उनके समवेत स्वर। पूरा परिवेश संगीतमय हो उठता है।

मान्यता है कि देवशयनी एकादशी से जब विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं, तब सृष्टि के संचालन का भार भगवान् शिव पर आ जाता है और सावन के आराध्य देव शिव बन जाते हैं। कथा यह भी है कि सावन में समुद्र मंथन के बाद जो हलाहल विष निकला, उसे शिव ने पीकर सृष्टि की रक्षा की थी। विष पीने से उनका कंठ नीला हो गया। विष के प्रभाव को कम करने के लिए सभी देवी-देवताओं ने उन्हें जल अर्पित किया। इसीलिए सावन में शिवलिंग पर जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक और रुद्राभिषेक का विशेष महत्त्व माना जाता है। सावन के हर सोमवार रुद्राभिषेक के बाद बेल पत्र, शमी पत्र, कुश तथा दूब आदि से शिव का पूजन करते हैं। सावन से शिव का रिश्ता यह भी है कि देवी सती ने महादेव को हर जन्म में पाने के लिए सावन के महीने में निराहार रहकर कठोर तपस्या की और उन्हें प्रसन्न कर उनसे विवाह किया था।

छाया : अशोक गुप्ता

सावन की चतुर्दशी के दिन शिव का गंगा जल से अभिषेक होता हैं। इसे सावन शिवरात्रि कहते हैं। एक तरह से यह जल-यात्रा का पर्व है। जल-संचय का पर्व है, जो समूचे पर्यावरण और प्राणियों के लिए आवश्यक है।

सावन में ही तीज आती है। श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन जयपुर में शक्ति स्वरूपा पार्वती यानी तीजमाता की सवारी बड़े लवाजमे के साथ धूमधाम से निकाली जाती है। इसे देखने दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। इस दिन कन्याएं और सुहागिनें शिव समान पति पाने के लिए गौरी व्रत रखती हैं। शिवप्रिया पार्वती की पूजा करती हैं। सावन का एक और बड़ा पर्व रक्षाबंधन है, जो श्रावण की पूर्णिमा को आता है। सावन के अन्य लोक-पर्वों में सावन मंगलवार, नागपंचमी, कामिका और पुत्रदा एकादशी और सावन अमावस्या हैं।●

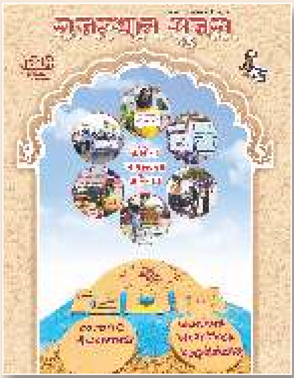

प्रधान सम्पादक
महेन्द्र सोनी, आईएएस
आयुक्त, सूचना एवं जनसम्पर्क

सम्पादक
डॉ. राजेश कुमार व्यास

उप सम्पादक
आशाराम खटीक

कला
विनोद कुमार शर्मा

आवरण छाया
सुजस

राजस्थान सुजस में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं एवं आंकड़े परिवर्तनशील हैं। आवश्यक नहीं कि शासन उनसे सहमत हो। सुजस में प्रकाशित सामग्री का विभाग किसी भी रूप में उपयोग कर सकेगा।

ग्राफिक डिजाइनिंग
पॉपुलर प्रिन्टर्स, जयपुर

सम्पर्क
सम्पादक
राजस्थान सुजस (मासिक)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग
सचिवालय परिसर
जयपुर - 302 005

e-mail :
publication.dipr@rajasthan.gov.in
editorsujas@gmail.com

Website :
www.dipr.rajasthan.gov.in

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान का मासिक

वर्ष : 29 अंक : 07 — 20 जुलाई, 2020

इस अंक में

गांधीमय बनेगा राजस्थान

06 ....

प्रदर्शनी से जिलेवासी.........

35 ....

''मैं सतर्क हूँ''.........

48 ....

मानवीय मूल्यों से ही पैदा होगा आत्मविश्वास... 05
शनिवार को 'नो बैग डे' पर विद्यालयों में.... 07
जागरूकता ही कोरोना के खिलाफ सबसे बड़ा... 08
कोरोना के बढ़ते संक्रमण से घबराएं नहीं.... 09
मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना... 10
मुख्यमंत्री ने किया बाल अधिकार आयोग... 10
जनसंख्या नियंत्रण के लिए 'हम दो-हमारा एक'.. 11
संक्रमण रोकने में स्वच्छताकर्मी निभा रहे.... 12
प्रदेश के अन्य चिकित्सा संस्थानों में भी शुरु... 13
पं. जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी... 13
जागरूकता से जुड़ी गतिविधियाँ निरंतर जारी... 14
सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क, सेनिटाइजर सूत्र से... 15
जनचेतना अभियान से आत्मविश्वास की.... 16
अतुलनीय प्रयास..... 19
स्थानीय भाषा बनी प्रचार-प्रसार का माध्यम... 20
लोकमाध्यमों से कोरोना बचाव जागरूकता..... 22
सामूहिक प्रयासों से मिली अभियान को सफलता..24
कोरोना भगाजो रे..... 26
सैंडआर्ट से जागरूकता संदेश......... 27
सफल रहा कोरोना जागरूकता अभियान.... 28
जागरूकता अभियान ने दिखाई सुरक्षित..... 30
सोशल मीडिया से जन-जन तक पहुंचाया संदेश..32
जागरूकता पाठशालाओं से वातावरण निर्माण... 34
स्वास्थ्य के प्रति जागरूक दिखे लोग..... 36
नुक्कड़ नाटको से गाँव-ढ़ाणी में दिया संदेश.... 37
जागरूकता नवाचारों से सफलता की राह..... 40
विकास के राष्ट्रीय नक्शे पर जालौर............. 41
कोरोना पर करेंगे वार........................... 42
जागरूकता अभियान लाया आमजन के व्यवहार...43
कोरोना जागरूकता के लिए प्रचार रथ और....... 44
कलक्टर ने चलाई साइकिल एवं ई-रिक्शा.... 46
सोशल मीडिया बना जन-जागरूकता का माध्यम..50
गुरुद्वारें से चर्च तक कोरोना जागरूकता संदेश.....52
उपखण्ड एवं पंचायत समिति पर सैल्फी.......... 54
कोरोना रक्षक दलों से जागरूकता............. 56
कोरोना से बचाव में कारगर होम्योपैथी.......... 58

राजस्थान सुजस के आगामी अंक के लिए मौलिक, अप्रकाशित सामग्री भिजवायें। कृपया अपने आलेख एवं फोटोग्राफ सम्पादक को e-mail : editorsujas@gmail.com पर अथवा डाक से भेजें।

अभिनव अभियान

.... 18

गांव-गांव रंगोली से जागरण..

.... 38

मेंहदी, रंगोली बनी......

.... 57

जागरूकता अभियान में राजस्थान अग्रणी

राजस्थान देश का वह पहला राज्य है जहां मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की पहल पर कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम एवं इससे बचाव के लिए प्रदेशभर में अभूतपूर्व अभियान चलाया गया। पहले यह अभियान 21 जून से 30 जून, 2020 की अवधि के लिए था परन्तु बाद में बढ़ती जनभागीदारी के चलते इसे 7 जुलाई तक किया गया। विशेष जागरूकता अभियान की गतिविधियों को निरंतर जारी रखे जाने का निर्णय लिया गया है। जिलों में आमजन को कोरोना से बचाव के लिए जागरूक किए जाने के लिए सूचना केन्द्रों पर विशेष प्रदर्शनी लगायी गयी है। इसे भी निरंतर जारी रखे जाने का निर्णय लिया गया है। कोविड-19 महामारी के संक्रमण को फैलने से रोकने के साथ-साथ इससे होने वाली जनहानि को न्यूनतम रखे जाने के लिए जन जागरूकता अभियान ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी है। अभियान में स्वत:प्रेरणा से बढ़ती जन भागीदारी इसका सबसे बड़ा प्रमाण है।

यह सही है, कोरोना से बचाव और उसकी रोकथाम के लिए चलाए गए जागरूकता अभियान की अवधि भले ही समाप्त हो गई है लेकिन कोरोना से बचाव के लिए जागृति की जरूरत आज भी है और आने वाले लम्बे समय तक रहेगी। इसीलिए जागरूकता अभियान से जुड़ी गतिविधियों को हम सभी को निरंतर जारी रखना चाहिए।

यह सुखद है कि कोरोना जागृति अभियान में प्रदेशभर में जिलों से लेकर ग्राम स्तर तक सभी ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी है। जिलों में सोशल मीडिया के साथ-साथ स्थानीय लोक कलाकारों द्वारा स्थानीय भाषा में ही कोरोना संक्रमण से बचाव, हस्ताक्षर अभियान, डिजिटल चित्र प्रतियोगिता, सैन्ड आर्ट द्वारा कोविड-19 के प्रति आम जनता को जागरूक बनाने के लिए किये गये नवाचारों से अभियान जन-जन तक पहुंचा। यह हमारी बड़ी सफलता है कि इस अभियान से प्रेरित होकर अब दूसरे राज्यों और स्थानों पर भी इसी तरह के अभियान, गतिविधियों को प्रारंभ किया गया है। कोरोना जागरूकता अभियान की देशभर में पहल राजस्थान से ही हुई है। गांव-ढ़ाणी तक जागरूकता संदेश पहुंचा और इस अभियान से ही कोरोना बचाव के संदेश को लोगों ने निरंतर अपनाया है। यही अभियान की बड़ी सफलता है।

मौजूदा समय में कोरोना नियंत्रण के लिए भीलवाड़ा मॉडल, जयपुर मॉडल और राजस्थान मॉडल की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई है। हम सभी को चाहिए कि दो गज की दूरी बनाए रखें, मुंह पर मास्क पहनें, बार-बार हाथ धोने को आदत में डालें और सार्वजनिक स्थलों पर नहीं थूकने के लिए लोगों को लगातार प्रेरित करते रहें। 'सुजस' के इस अंक में कोरोना जागरूकता अभियान पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

महेन्द्र सोनी
आई.ए.एस.
आयुक्त, सूचना एवं जनसम्पर्क

मानवीय मूल्यों से ही पैदा होगा आत्मविश्वास

राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा है कि युवा देश के विकास का केन्द्र बिन्दु है। युवाओं को मानवीय मूल्यों की शिक्षा देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मानवीय मूल्यों के आत्मसात् से ही व्यक्ति में आत्मविश्वास पैदा होता है। श्री मिश्र ने कहा कि आत्मविश्वास ही कोरोना जैसी महामारी को मात दे सकता है। शिक्षा ने यदि किसी व्यक्ति के आत्मविश्वास को जगा दिया तो उस व्यक्ति को जीवन में हर कदम पर विजय हासिल होगी।

श्री मिश्र राजभवन में वीडियो कॉन्फ्रेन्स के माध्यम से कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे। तकनीकी शिक्षा में मानवीय मूल्यों का समावेश विषयक कार्यशाला का आयोजन बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। राज्यपाल ने कहा कि मानवीय मूल्य व्यापक होते हैं। इनमें संवेदनशीलता, सदाचरण, सकारात्मक व्यवहार व सोच जैसे गुण समाहित होते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि मनुष्य के जीवन में प्रत्यक्ष रूप से आत्मसात् करने वाले गुण ही मानवीय मूल्य होते हैं। मानवीय मूल्यों से पाप और पुण्य का विश्लेषण करने का ज्ञान भी व्यक्ति में पैदा होता है। श्री मिश्र ने कहा कि भारतीय मूल्य संस्कारमय त्याग पर आधारित है। समाज के लिए आवश्यक है कि 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना का वातावरण बनाया जाये। उन्होंने कहा कि संस्कार का प्राथमिक स्थल परिवार है और उसके बाद विद्यालय से संस्कार मिलते हैं। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षण संस्थानों का स्वरूप संस्कारमय होना चाहिए ताकि युवा पीढ़ी का सर्वांगीण विकास हो सके।

कार्यशाला में ए.आई.सी.टी.ई. के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि मानवीय मूल्यों में जीवन की समस्याओं के समाधान के मार्ग हैं। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर राष्ट्र का रास्ता गांव से ही आरम्भ होता है। बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति श्री एच. डी. चारण ने कार्यशाला की जानकारी दी। कार्यशाला का संचालन डॉ. अलका स्वामी ने किया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव श्री सुबीर कुमार और प्रमुख विशेषाधिकारी श्री गोविन्द राम जायसवाल भी मौजूद थे।

राज्यपाल को बाल विजन डॉक्यूमेन्ट भेंट

राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा है कि स्वस्थ एवं सुरक्षित बचपन ही ऊर्जावान व्यक्तित्व का निर्माण करता है। श्री मिश्र का मानना है कि बच्चों का सर्वांगीण विकास ही राष्ट्र के विकास का मूल आधार है।

श्री मिश्र को राजभवन में राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती संगीता बेनीवाल द्वारा बालकों के विजन मिशन का डॉक्यूमेन्ट भेंट किया गया।

गांधीजी के 150वीं जयन्ती वर्ष के कार्यक्रम अब वर्ष 2021 तक

गांधीमय बनेगा राजस्थान

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनकी 150वीं जयन्ती वर्ष के कार्यक्रमों को एक वर्ष और बढ़ाकर 2 अक्टूबर, 2021 तक जारी रखने का निर्णय लिया है। साथ ही, ग्राम स्तर पर साक्षरता मिशन के तहत शुरू किए गए महात्मा गांधी वाचनालयों और पुस्तकालयों को फिर से खोलने और इनमें गांधीजी से जुड़ा साहित्य उपलब्ध कराने का भी निर्णय लिया है। श्री गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से महात्मा गांधी के 150वीं जयन्ती वर्ष के आयोजनों के लिए गठित राज्य स्तरीय समिति की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुए इस सम्बन्ध में घोषणा की। उन्होंने कहा कि हम गांधीवादी चिन्तकों, विचारकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ ही आमजन के सहयोग से राजस्थान प्रदेश को गांधीमय बनाएंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए समर्पित कार्यकर्ताओं और विशेषज्ञों की एक टीम तैयार की जाएगी जो पूर्णकालिक यह कार्य कर सके।

स्कूलों में होंगी गांधीवादी विचारकों की विशेष कक्षाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधीजी अपने आप में एक बड़ा विषय है और आज के समय में उनके विचारों की प्रासंगिकता अधिक बढ़ गई है। गांधीजी के विचार लोगों तक पहुंचाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम करने की आवश्यकता है। हम प्रयास करेंगे कि नई पीढ़ी को बचपन से ही गांधी दर्शन के बारे में जानकारी मिले और वे इससे प्रेरणा ले सकें। उन्होंने कहा कि इसके लिए स्कूलों में गांधीवादी विचारकों और विशेषज्ञों की विशेष कक्षाएं आयोजित कराई जाएंगी।

शान्ति एवं अहिंसा प्रकोष्ठ बनेगा विभाग

श्री गहलोत ने कहा कि गांधीजी के सत्य, अहिंसा और शान्ति के सिद्धान्तों को राज्य सरकार की कार्यप्रणाली में समाहित करने एवं इनका व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए राज्य सरकार ने प्रदेश में शान्ति एवं अहिंसा प्रकोष्ठ का गठन किया है। राजस्थान देश में एकमात्र राज्य है, जिसने इस तरह का प्रकोष्ठ स्थापित किया है। हम इसे और मजबूत बनाने के लिए प्रकोष्ठ को राज्य सरकार के एक विभाग के रूप में स्थापित करेंगे।

जन–जन तक पहुंचेगा गांधी दर्शन और विचार

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के दौर में सोशल मीडिया और सूचना तकनीक का बहुत महत्त्व है। ऐसे में गांधीजी के विचारों को किताबों के साथ-साथ सोशल मीडिया माध्यमों से सुगमता-पूर्वक प्रसारित किया जाए। उन्होंने कहा कि गांधीजी के जीवन दर्शन, उनकी जीवनी और वाङ्मय को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रचारित-प्रसारित किया जाए।

स्व. राजीव गांधी के जयन्ती वर्ष कार्यक्रम भी एक साल तक होंगे

श्री गहलोत ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री राजीव गांधी देश को 21वीं सदी में ले जाने का सपना रखते थे। उनके प्रयासों से आज देश सूचना क्रान्ति के क्षेत्र में दुनिया भर में अग्रणी बन चुका है। उन्होंने कहा कि श्री राजीव गांधी ने पंचायती राज एवं स्थानीय निकायों के सशक्तीकरण तथा युवाओं को वोट का अधिकार दिलाने के लिए संविधान संशोधन और कम्प्यूटर क्रांति जैसे दूरदर्शिता पूर्ण निर्णय लिए। देश के विकास में उनके योगदान को याद करने और नई पीढ़ी को उनके विचारों और विजन के बारे में अवगत कराने के लिए प्रदेश में उनके 75वीं जयन्ती वर्ष के कार्यक्रम भी एक और साल तक जारी रहेंगे।

कला, साहित्य एवं संस्कृति मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने कहा कि महात्मा गांधी के 150वीं जयन्ती वर्ष के कार्यक्रमों को कोरोना महामारी के बावजूद सूचना तकनीक माध्यमों का उपयोग कर जारी रखा गया। आगे भी विभिन्न संस्थाओं और विशेषज्ञों के सुझावों के आधार पर इन कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से आयोजित किया जाता रहेगा।

शिक्षा राज्यमंत्री श्री गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि प्रदेश के स्कूलों में बच्चों को गांधी साहित्य उपलब्ध कराया गया है तथा पहली गांधी विचार संस्कार परीक्षा आयोजित कराई गई है। इस विषय में दूसरी परीक्षा जल्द आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि 11वीं और 12वीं कक्षा के पाठ्यक्रम में 'स्वतंत्रता आंदोलन के बाद का स्वर्णिम भारत' पुस्तकें लागू की गई हैं, जिनमें विद्यार्थियों को गांधीजी के साथ-साथ अन्य महापुरुषों के योगदान के बारे में पढ़ाया जाएगा।

प्रमुख गांधीवादी चिन्तक एवं विचारक श्री एस.एन. सुब्बाराव ने कहा कि महात्मा गांधी के जीवन दर्शन को आत्मसात् कर हम नशा मुक्त, बेईमानी मुक्त, हिंसा मुक्त और बेकारी मुक्त भारत की ओर आगे बढ़े। उन्होंने इस दिशा में राजस्थान सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि गांधीजी के सिद्धान्तों के अनुरूप भारत को बदलने की मुहिम राजस्थान से प्रारंभ हो। बैठक में गांधीवादी विचारकों श्री कुमार प्रशान्त और श्री पी.पी. राजगोपाल, स्वतंत्रता सेनानी श्री रामेश्वर चौधरी सहित प्रदेश की विभिन्न जिला गांधी दर्शन समितियों के पदाधिकारियों एवं गांधीवादी कार्यकर्त्ताओं ने विचार व्यक्त किए।

कला, साहित्य एवं संस्कृति विभाग की शासन सचिव श्रीमती मुग्धा सिन्हा ने गांधीजी के 150वीं जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य में अब तक प्रदेश में आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी दी और आगामी कार्यक्रमों के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण दिया। बैठक के अन्त में ललित कला अकादमी की ओर से आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के प्रतिभागी द्वारा बनाया गया एक चित्र मुख्यमंत्री को भेंट किया गया।

बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उप मुख्यमंत्री श्री सचिन पायलट, राज्य मंत्री परिषद् के सदस्यों ने भी हिस्सा लिया। इस दौरान मुख्य सचिव श्री राजीव स्वरूप, अति. मुख्य सचिव वित्त श्री निरंजन आर्य, प्रमुख शासन सचिव उद्योग श्री नरेशपाल गंगवार, प्रमुख शासन सचिव वन एवं पर्यावरण श्रीमती श्रेया गुहा, शासन सचिव उच्च शिक्षा श्रीमती शुचि शर्मा, शासन सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता श्रीमती गायत्री राठौड़, शासन सचिव गोपालन श्री राजेश शर्मा, शासन सचिव स्कूल शिक्षा श्रीमती मंजू राजपाल, सूचना एवं जनसम्पर्क आयुक्त श्री महेन्द्र सोनी तथा शान्ति एवं अहिंसा प्रकोष्ठ के संयोजक श्री एस.एस. बिस्सा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक में निर्णय

इस वर्ष स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं नहीं होगी

राज्य सरकार ने कोरोना महामारी के संक्रमण की स्थिति के मद्देनजर इस वर्ष प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और तकनीकी शिक्षण संस्थानों में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं नहीं कराने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री निवास पर एक उच्च स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया।

श्री गहलोत ने कहा कि कोरोना महामारी के परिदृश्य को देखते हुए इस वर्ष उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं नहीं कराई जाएंगी तथा सभी विद्यार्थियों को बिना परीक्षा के अगली कक्षा में प्रमोट किया जाएगा। प्रमोट होने वाले विद्यार्थियों के अंकों के निर्धारण के सम्बन्ध में भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आगामी कुछ दिनों में जारी होने वाले दिशा-निर्देशों का अध्ययन कर समुचित निर्णय लिया जाएगा। •

शनिवार को 'नो बैग डे' पर विद्यालयों में होंगे गाँधी विचारों से संबंधित व्याख्यान

राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा 2012 में प्रारंभ की गयी 'महात्मा गाँधी पुस्तकालय और वाचनालय' योजना को फिर से प्रारंभ किया जाएगा। शिक्षा राज्य मंत्री श्री गोविन्द सिंह डोटासरा ने बताया कि पिछली सरकार ने इस योजना को बंद कर दिया था। इस योजना को फिर से प्रारंभ किया जाएगा ताकि राज्य के विद्यार्थियों को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के नाम से प्रारंभ पुस्तकालयों में पुस्तकों के जरिए ज्ञान का नया संसार मिल सके।

श्री डोटासरा मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 150 वीं जयंती वर्ष के आयोजन से संबंधित बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जयंती वर्ष पर प्रदेश के विद्यालयों में गाँधीजी के आदर्शों के प्रसार के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा इसी संबंध में राज्य के विद्यालयों में 'गाँधी विचार संस्कार परीक्षा' का आयोजन कराया गया था। इसमें एक लाख 32 हजार बच्चों ने भाग लिया था। राज्य स्तर पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहने वाले बच्चों के लिए पुरस्कार का भी प्रावधान रखा गया। प्रथम आने वाले को स्कूटी, दूसरे को लेपटॉप और तीसरे को साइकिल देने का निर्णय किया गया है। यह परीक्षा इस वर्ष भी जल्द करायी जाएगी।

श्री डोटासरा ने कहा कि बजट में राज्य सरकार ने हर शनिवार को 'नो बैग डे' की घोषणा की थी। इसके अंतर्गत हर शनिवार को यह तय किया गया है कि विद्यालय में कोई भी विद्यार्थी बस्ता लेकर नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि इस दिन विद्यालयों में गाँधी विचार के मर्मज्ञ विद्वानों को बुलाकर उनके व्याख्यान करवाए जाएंगे। उन्होंने राज्य में मुख्यमंत्री श्री गहलोत की पहल पर स्थापित गाँधी शांति एवं अहिंसा प्रकोष्ठ के सदस्यों का भी आह्वान किया कि वे इस दिन प्रदेश के विद्यालयों में समय दें ताकि महात्मा गाँधी के विचारों के आलोक से विद्यार्थियों को अधिकाधिक लाभ मिल सके।

श्री डोटासरा ने बताया कि राज्य के विद्यालयों में कक्षा 11 में निःशुल्क वितरण के लिए 'आजादी के बाद का स्वर्णिम भारत' भाग एक पुस्तक लागू की गयी है। इस पुस्तक में गाँधीजी और स्वतंत्रता आंदोलन पर 40 पृष्ठ की सामग्री दी गयी है। इस साल से यह सभी बच्चों को पढाई जाएगी। इसी तरह कक्षा 12 में भी 'आजादी के बाद का स्वर्णिम भारत' भाग दो पुस्तक लागू की गयी है। इसमें आजादी के बाद गाँधी विचारों से देश को विकास के पथ पर ले जाने वाले महापुरुषों के बारे में विस्तार से जानकारियां दी गयी हैं।

कोरोना संक्रमण की स्थिति की समीक्षा बैठक

जागरूकता ही कोरोना के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि आम लोगों को यह समझना होगा कि कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा अभी टला नहीं है। विशेषज्ञों ने आने वाले दिनों में इस वैश्विक महामारी के अधिक गंभीर रूप में सामने आने की आशंका जाहिर की है। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही कोरोना के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार है। अधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि संक्रमण के फैलाव को रोकने में आमजन की भूमिका के बारे में उन्हें जागरूक और सावचेत किया जाए।

श्री गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास पर कोरोना संक्रमण की स्थिति की समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि राज्य सरकार द्वारा महामारी को रोकने के लिए अब तक किए गए प्रयासों की सफलता तभी संभव है, जब हम आने वाले दिनों में वायरस के संक्रमण को बढ़ने से रोक सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में जहां कहीं भी हेल्थ प्रोटोकॉल के उल्लंघन के मामले सामने आते हैं, वहां लोगों का आह्वान करने के साथ-साथ दण्डात्मक कार्रवाई कर नियमों की सख्ती से पालना कराई जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए स्वास्थ्य की दृष्टि से सभी जरूरी व्यवस्थाएं दुरूस्त हैं। आने वाले दिनों में भी आवश्यकतानुसार कोरोना की जांच, इलाज तथा अन्य सहायता उपलब्ध कराने में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि प्रदेशवासियों को महामारी के प्रकोप से बचाने के लिए संसाधनों की उपलब्धता में कोई कमी नहीं आए।

श्री गहलोत ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बीते कुछ दिनों से बढ़ रहे कोरोना पॉजिटिव मामलों के दृष्टिगत जांच का दायरा बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संदिग्ध मरीजों के जांच सैम्पल का माइक्रो-मैनेजमेन्ट कर यह सुनिश्चित किया जाए कि कोरोना की जांच रिपोर्ट आने में देरी नहीं हो। उन्होंने इसके लिए आवश्यकतानुसार एक जिले के सैम्पल दूसरे जिले में भेजने की व्यवस्था कर प्रदेश में कोरोना टेस्ट की क्षमता का अधिकतम उपयोग करने और रैण्डम सैम्पलिंग बढ़ाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य राजस्थान में कोरोना से होने वाली मौतों को घटाना है। उन्होंने सभी स्वास्थ्य अधिकारियों और विशेषज्ञ चिकित्सकों को निर्देश दिए कि कोरोना की मृत्युदर को घटाने पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ चिकित्सकों ने प्लाज्मा थैरेपी जैसी पद्धति पर फोकस करने का सुझाव दिया है। चिकित्सक यह विमर्श करें कि यदि प्रदेश में अब तक किए गए शोध के अनुसार प्लाज्मा थैरेपी सफल हो रही है तो इस थैरेपी से इलाज के लिए प्लाज्मा डोनेशन के लिए विशेष कैम्प लगाए जाएं।

श्री गहलोत ने संस्थागत तथा होम क्वारेंटाइन में रह रहे संदिग्ध मरीजों द्वारा हेल्थ प्रोटोकॉल की पालना में शिथिलता की घटनाओं पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि किसी को भी अपने स्वयं तथा दूसरों के जीवन को खतरे में डालने की छूट नहीं दी जा सकती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्वारेंटाइन नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित कराई जाए और इसके लिए जल्द से जल्द संस्थागत तथा होम क्वारेंटाइन में रह रहे संदिग्ध मरीजों की 100 प्रतिशत चेकिंग के लिए सघन अभियान चलाया जाए।

मुख्यमंत्री ने सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की ओर से प्रदेशभर में चल रहे कोरोना जागरूकता अभियान में और अधिक गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जागरूकता अभियान में स्वास्थ्य मित्र भी बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मित्रों के चयन के

बाद उनको स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय के लिए प्रशिक्षित किया जाए। साथ ही, स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी इन स्वास्थ्य मित्रों के पहचान-पत्र और मोबाइल नम्बर का डाटा स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्रों के साथ साझा किया जाए ताकि वे एक-दूसरे के साथ समन्वय कर जरूरतमंद मरीजों की मदद कर सकें।

श्री गहलोत ने कहा कि प्रदेश में अब भी कई बेसहारा जरूरतमंद हो सकते हैं, जिनको राशन सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता नहीं हुई हो। उन्होंने इसके लिए खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को निर्देश दिए कि कोरोना संकट की शुरुआत में बेसहारा लोगों के लिए किए गए विशेष सर्वेक्षण की तर्ज पर एक बार फिर सर्वेक्षण कर जरूरतमंद लोगों की पहचान और मदद की जाए। बैठक में चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा, मुख्य सचिव श्री राजीव स्वरूप, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह श्री रोहित कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री भूपेन्द्र सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त श्री निरंजन आर्य, अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण श्रीमती वीनू गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव खान एवं पेट्रोलियम श्री सुबोध अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्री अखिल अरोरा, सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति श्री हेमन्त गेरा एवं जनसम्पर्क आयुक्त श्री महेन्द्र सोनी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कोरोना के बढ़ते संक्रमण से घबराएं नहीं, सतर्क रहें

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने प्रदेश में बढ़ते कोरोना संक्रमण को लेकर आमजन का आह्वान किया है कि वे इस दौर में घबराएं नहीं बल्कि सतर्क और सजग रहकर इसका मुकाबला करें। आमजन की सजगता से ही कोरोना जैसी महामारी को नियंत्रित किया जा सकता है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कुछ लोगों की थोड़ी सी भी लापरवाही न केवल परिवार, समाज और राज्य पर भारी पड़ सकती है बल्कि बड़ी आपदा का रूप भी ले सकती है। उन्होंने आमजन को कोरोना के प्रोटोकॉल की पालना करते हुए बार-बार साबुन से हाथ धोने, सार्वजनिक स्थानों पर मास्क लगाने, सोशल डिस्टेंसिंग रखने, भीड़ या समूह में आवश्यकता पड़ने पर ही जाने और सभी सावधानियां बरतने की अपील की। डॉ. शर्मा ने कहा कि देश में सर्वाधिक रिकवरी रेशो राजस्थान का ही रहा है। वर्तमान में 79 प्रतिशत लोग पॉजिटिव से नेगेटिव हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना से होने वाली मृत्यु दर भी 2.26 प्रतिशत ही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कुल 3949 एक्टिव केसेज हैं, जो भी सामान्य उपचार से तेजी से ठीक हो रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार का पूरा ध्यान ज्यादा से ज्यादा टेस्टिंग करने पर है। जितने ज्यादा टेस्ट किए जाएंगे, उतनी ही जल्दी कोरोना पर लगाम लगाई जा सकेगी। प्रदेश में अब तक 9 लाख 20 हजार 600 लोगों की जांचें कर प्रदेश अन्य प्रदेशों से आगे है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में दोगुने केसेज होने की संख्या भी 31 दिन जा पहुंची है, जो कि प्रदेश के लिए सुखद है। डॉ. शर्मा ने कहा कि सरकार ने कोरोना के प्रति आमजन में जनजागरण के लिए 21 से 30 जून तक संचालित किए गए जागरूकता को 7 जुलाई तक बढ़ाया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कोरोना से जुड़े हर मामले में देशभर में अग्रणी रही है। बात भले ही सबसे पहले लॉकडाउन की हो या फिर मजदूरों को लाने ले जाने के लिए ट्रेन का इस्तेमाल करने का सुझाव, प्रदेश के मुखिया श्री अशोक गहलोत की सोच को देश ने भी अपनाया।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि कोरोनाकाल का सरकार ने भरपूर सदुपयोग किया है। इस दौरान प्रदेश के सभी चिकित्सा संस्थानों के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने की कोशिश की है। विधायक कोष के लिए खर्च किया जाने वाला बजट भी चिकित्सा संस्थानों के रख-रखाव पर खर्च होगा। सभी विधायक अपने-अपने क्षेत्रों के चिकित्सा संस्थानों को इस मद से और अधिक बेहतर बना सकते हैं।

194 नए वाहनों से जयपुर पुलिस का रेस्पोंस टाइम होगा बेहतर

मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

गश्त को बेहतर बनाने तथा क्विक रेस्पोंस के लिए जयपुर शहर पुलिस को तकनीकी रूप से लैस 194 नए वाहन मिल गए हैं। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कोरोना जागरूकता के बैनर-पोस्टर लिए इन 70 चेतक वाहनों तथा 124 सिग्मा मोटरसाइकिलों को हरी झंडी दिखाकर मुख्यमंत्री निवास से रवाना किया। श्री गहलोत ने इन वाहनों में उपलब्ध सुरक्षा तकनीक के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए संकल्पित है। इसके लिए पुलिस बल को तमाम आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इन वाहनों से पुलिस के रेस्पोंस टाइम में सुधार आएगा और अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी। पुलिस महानिदेशक श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि इन वाहनों में लोकेशन ट्रेस करने के लिए जीपीएस सिस्टम, घटना स्थल की वीडियोग्राफी के लिए कैमरा एवं एड्रेस सिस्टम सहित अन्य आधुनिक उपकरण लगे हुए हैं। इससे अपराध के अनुसंधान में मदद मिलने के साथ ही घटनास्थल पर तुरंत पहुंचने में आसानी होगी। जयपुर पुलिस कमिश्नर श्री आनन्द श्रीवास्तव ने बताया कि चारदीवारी की तंग गलियों में गश्त के लिए 124 आधुनिक मोटरसाइकिलें अधिक उपयोगी होंगी। इन आधुनिक वाहनों की मदद से पुलिस जयपुर की सड़कों पर राउंड द क्लॉक गश्त कर सकेगी।

मुख्यमंत्री ने किया बाल अधिकार आयोग के विजन डॉक्यूमेंट का विमोचन

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के विजन डॉक्यूमेंट 'विजन मिशन' का विमोचन किया। उन्होंने बोर्ड के कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने पर आयोग की अध्यक्ष श्रीमती संगीता बेनीवाल एवं सभी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बाल अधिकारों की रक्षा तथा उन्हें देश का सुयोग्य नागरिक बनाने के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं देने के लिए समर्पित है। उन्होंने बीते एक वर्ष में बाल अधिकारों के संरक्षण की दिशा में किए गए प्रयासों के लिए आयोग की सराहना भी की। आयोग अध्यक्ष श्रीमती संगीता बेनीवाल ने बताया कि विजन डॉक्यूमेंट में आयोग द्वारा एक वर्ष में बच्चों को सशक्त बनाने की दिशा में किए गए कार्यों, नवाचारों तथा सफलताओं को दर्शाया गया है। साथ ही बाल अपराधों की रोकथाम के लिए आगामी कार्ययोजना, बाल अधिकार संरक्षण कानूनों की जानकारी आदि को भी सम्मिलित किया गया है। इस अवसर पर बाल अधिकारिता विभाग की आयुक्त डॉ. वीणा प्रधान, आयोग के संयुक्त सचिव श्री राजेश चौहान, सदस्य डॉ. विजेन्द्र सिंह, श्री प्रहलाद सहाय नागा, श्री शिव भगवान, श्रीमती वन्दना व्यास एवं श्रीमती नुसरत नकवी भी मौजूद थे।

जनसंख्या नियंत्रण के लिए 'हम दो-हमारा एक' नारे की जरूरत

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने कहा कि प्रदेश की जनसंख्या पर नियंत्रण के लिए हमें 'हम दो-हमारा एक' नारे को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के चलते संसाधनों के अभाव में विकास अधूरा रह जाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की टीएफआर (टोटल फर्टिलिटी रेट) 2.5 है और इसे कम कर 2.1 पर लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

डॉ. शर्मा विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर आयोजित वर्चुअल राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के सभी जिला कलक्टर, चिकित्सा अधिकारियों से चर्चा की और परिवार कल्याण के क्षेत्र में कार्य कर रहे कार्मिकों और संस्थाओं को भी सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या की समस्या अब हमारे यहां ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में विकराल रूप ले चुकी है। बढ़ती जनसंख्या के कारण प्रकृति का संतुलन निरन्तर बिगड़ता जा रहा है। इससे खाद्यान्न, पेयजल, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार की समस्याएं हो रही हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने 11 जुलाई से 24 जुलाई तक प्रदेश में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े का शुभारम्भ करते हुए कहा कि इस दौरान प्रदेशभर में ''आपदा में भी परिवार नियोजन की तैयारी, सक्षम राष्ट्र और परिवार की पूरी जिम्मेदारी'' का संदेश गांव-गांव और ढ़ाणी-ढ़ाणी तक पहुंचाया जाएगा। डॉ. शर्मा ने बताया कि आमजन में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता लाने के लिए 41 हजार 645 राजस्व गांवों से 1 महिला और 1 पुरुष लगभग 80 हजार लोगों का चयन बतौर स्वास्थ्य मित्र के रूप कर किया गया है। सभी स्वास्थ्य मित्रों का 15 जुलाई तक प्रशिक्षण करवाकर उन्हें दायित्व दिया जाएगा। स्वास्थ्य मित्रों के सहयोग से राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में सकारात्मक माहौल बनेगा, जो कि 'निरोगी राजस्थान' के लिए एक मजबूत कदम साबित होगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने इस मौके पर कहा कि बढ़ती जनसंख्या हालांकि बड़ी चुनौती से कम नहीं है, लेकिन इसे भी सुअवसर में बदलने की जरूरत है। उन्होंने परिवार कल्याण के क्षेत्र में काम करने वाले चिकित्साकर्मी और संस्थाओं को बधाई और शुभकामनाएं भी दीं। समारोह के विशिष्ट अतिथि प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग श्री अखिल अरोड़ा भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। मिशन निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन श्री नरेश कुमार ठकराल ने बढ़ती जनसंख्या पर चिंता जताते हुए इसकी रोकथाम पर बल दिया। उन्होंने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न परिवार नियोजन के साधनों के बारे में जागरूकता लाकर लोगों को परिवार नियोजन के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

निदेशक आरसीएच डॉ. आर.एस. छीपी ने जनसंख्या नियंत्रण एवं स्थिरीकरण के बारे में विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर निदेशक जन स्वास्थ्य डॉ. के.के. शर्मा ने जनसंख्या नियंत्रण की रोकथाम विषय पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त निदेशक प्रचार श्री गोविन्द पारीक ने किया। इस अवसर पर राज्य स्तरीय परिवार कल्याण प्रोत्साहन पुरस्कार में संस्थागत पुरस्कार के लिए 6 जिलों को सम्मानित किया गया, जिसमें प्रथम स्थान पर झालावाड़, दूसरे स्थान पर अजमेर, तीसरे स्थान पर भीलवाड़ा, चौथे पर हनुमानगढ़ व पांचवें और छठे स्थान पर श्रीगंगानगर और कोटा रहे।

नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों एवं सफाईकर्मियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस

संक्रमण रोकने में स्वच्छताकर्मी निभा रहे बड़ी भूमिका

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि जिस समर्पण भाव के साथ स्वच्छताकर्मियों एवं नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों ने काम किया है, उससे कोरोना संक्रमण के फैलाव को रोकने में हम कामयाब हो सके हैं। कोरोना की जंग में शामिल डॉक्टर्स, नर्सिंगकर्मियों, आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं पुलिस सहित आप सबकी मेहनत से देश में राजस्थान का मान और सम्मान बढ़ा है। उन्होंने आह्वान किया कि आगे भी इसी मनोयोग से कोरोना की लड़ाई में टीम भावना के साथ जुटे रहें।

श्री गहलोत मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों एवं सफाईकर्मियों के साथ संवाद कर रहे थे। प्रदेशभर के 196 नगरीय निकायों के करीब 1600 प्रतिभागी इस कार्यक्रम से सीधे जुड़े।

श्री गहलोत ने कहा कि पिछले करीब चार महीने से राजस्थान कोरोना को नियंत्रित करने में कामयाब रहा है। स्वच्छताकर्मियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर शहर, गली-मोहल्ले एवं घर-घर को संक्रमणमुक्त रखने में बड़ी भूमिका अदा की है। सफाईकर्मियों को मास्क, दस्ताने, सैनिटाइजर सहित अन्य सुरक्षा सामग्री के लिए राज्य सरकार ने एक-एक हजार रुपए उपलब्ध कराए ताकि फ्रंटलाइन वर्कर के रूप में काम करते हुए वे संक्रमण से बचे रहें।

इसके साथ ही राजस्थान पहला राज्य है, जिसने कोरोना की जंग में जुटे हुए सरकारी और गैर-सरकारी कार्मिकों की चिंता करते हुए उन्हें 50 लाख रुपए के बीमा कवर की सुविधा प्रदान की है। श्री गहलोत ने नगर निगमों के महापौर, सभापति, चेयरमैन, पार्षदों आदि जनप्रतिनिधियों से इस दौरान संवाद किया। मुख्यमंत्री ने सफाई निरीक्षकों, जमादारों सहित अन्य स्वच्छताकर्मियों से सीधा संवाद करते हुए उनके अनुभव जाने और उनसे उनकी समस्याएं पूछी। इस दौरान उन्होंने कोरोना के प्रति आमजन में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए दो पोस्टरों का विमोचन भी किया।

श्री गहलोत ने सभी जिला कलक्टरों एवं नगर निकाय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे यह सुनिश्चित करें कि किसी भी स्वच्छताकर्मी को सीवरेज की सफाई के लिए चैम्बर में नहीं उतरना पड़े। यह काम पूरी तरह मशीनों से ही करवाया जाए।

नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री श्री शांति धारीवाल ने कहा कि 'कोई भूखा न सोए' के मुख्यमंत्री के संकल्प को साकार करने के लिए राज्य सरकार प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में इंदिरा रसोई योजना शुरू करने जा रही है। इसके तहत बनाई जाने वाली स्थायी कैन्टीनों में गरीबों को दो वक्त का पौष्टिक भोजन 8 रुपए प्रति थाली की रियायती दर पर उपलब्ध कराया जाएगा। क्षेत्रफल एवं जनसंख्या के आधार पर प्रत्येक नगरीय निकाय में कैन्टीन की संख्या निर्धारित की जाएगी। राज्य सरकार इस योजना पर प्रतिवर्ष सौ करोड़ रुपए व्यय करेगी। जिला कलक्टर की अध्यक्षता में इसकी मॉनिटरिंग के लिए समितियां गठित की जाएंगी। श्री धारीवाल ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान नगरीय निकायों ने स्वयं के स्तर पर तथा जनसहयोग से जरूरतमंद लोगों को भोजन के चार करोड़ पैकेट वितरित किए। साथ ही महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रेरित कर 7.75 लाख मास्क एवं फेस कवर तैयार कर इनका वितरण कोरोना वॉरियर्स, निराश्रित लोगों एवं राजकीय कार्यालयों में किया गया।

चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने कहा कि पहले राजस्थान में कोरोना की जांच सुविधा नहीं थी, लेकिन अब राजस्थान ने 40 हजार टेस्ट प्रतिदिन करने की क्षमता हासिल कर ली है। हमने अपने पड़ोसी राज्यों को भी यहां 5 हजार टेस्ट करने की पेशकश की है। कोरोना से मृत्यु दर को नियंत्रित करने में हम कामयाब रहे हैं। यह सब कुछ मुख्यमंत्री की माइक्रो लेवल प्लानिंग के कारण संभव हो सका है। मुख्य सचिव श्री राजीव स्वरूप ने कहा कि स्वच्छताकर्मियों ने अपने नियमित दायित्व के साथ-साथ संक्रमित व्यक्तियों के अंतिम संस्कार में भी बड़ी भूमिका निभाई है। ●

कोरोना की समीक्षा बैठक

प्रदेश के अन्य चिकित्सा संस्थानों में भी शुरू हो प्लाज्मा थैरेपी

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में प्लाज्मा थैरेपी से कोरोना संक्रमित रोगियों के सफल इलाज के लिए प्लाज्मा बैंक सहित अन्य सुविधाओं का विस्तार करने और इसके लिए आईसीएमआर से आवश्यक अनुमति सहित अन्य प्रक्रियाएं जल्द पूरी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल में इस थैरेपी से 37 रोगियों के उपचार के बेहतर परिणाम सामने आने के बाद अब प्रदेश के अन्य चिकित्सा संस्थानों में यह थैरेपी शुरू की जाए।

श्री गहलोत के मुख्यमंत्री निवास पर प्रदेश में कोरोना संक्रमण की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य कोविड-19 महामारी के संक्रमण को फैलने से रोकने के साथ-साथ इससे होने वाली जनहानि को न्यूनतम रखना है। उन्होंने इसके लिए अधिकारियों को कोरोना टेस्टिंग की संख्या बढ़ाने तथा बिना लक्षण वाले संदिग्ध रोगियों पर फोकस करने के निर्देश दिए।

बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव श्री अखिल अरोरा ने बताया कि एसएमएस अस्पताल में प्लाज्मा थैरेपी से उपचार की शुरुआती सफलता के बाद अब प्रदेश के 24 चिकित्सा संस्थानों में प्लाज्मा बैंक शुरू किए जा सकते हैं। इसके लिए आईसीएमआर के साथ समन्वय स्थापित कर जल्द ही आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। उन्होंने बताया कि बीते कुछ दिनों के दौरान कोरोना टेस्ट की संख्या बढ़ने से पॉजिटिव मामलों की संख्या भी कुछ बढ़ी है, लेकिन प्रदेश में कोरोना से मृत्युदर नियंत्रित है।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य योजनाओं के प्रति जागरूकता लाने तथा स्वास्थ्य सेवाओं के इस्तेमाल में सहयोग के लिए लगभग 80 हजार स्वास्थ्य मित्र बनाए गए हैं। इन स्वास्थ्य मित्रों को ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण देने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। मुख्यमंत्री ने इस दौरान विदेशों से आ रहे प्रवासियों एवं विद्यार्थियों की संक्रमण जांच, संस्थागत तथा होम क्वारेंटाइन सुविधाओं और इनके निरीक्षण, बेसहारा एवं जरूरतमंद लोगों के लिए राशन की उपलब्धता के साथ-साथ कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए राज्यव्यापी जागरूकता गतिविधियों की भी समीक्षा की।

बैठक में चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा, मुख्य सचिव श्री राजीव स्वरूप, अति. मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण श्रीमती वीनू गुप्ता, अति. मुख्य सचिव वित्त श्री निरंजन आर्य, अति. मुख्य सचिव खान श्री सुबोध अग्रवाल, अति. मुख्य सचिव गृह श्री रोहित कुमार सिंह, शासन सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति श्री हेमन्त गेरा, सूचना एवं जनसम्पर्क आयुक्त श्री महेन्द्र सोनी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। ●

पं. जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी का गठन

प्रदेश में बाल साहित्य को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने एक महत्ती कदम उठाते हुए पंडित जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी का गठन किया है।

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की पहल पर कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग के अंतर्गत पंडित जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी के गठन को स्वीकृति प्रदान की गई है।

मुख्य सचिव श्री राजीव स्वरूप के अनुसार कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग द्वारा प्रदेश में बाल-साहित्य संबंधी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और बाल-साहित्य रचनाकारों के सहयोग के लिए पंडित जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी का गठन करने की मुख्यमंत्री ने बजट वर्ष 2019-2020 में घोषणा की थी। ●

जनसम्पर्क अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस

जागरूकता से जुड़ी गतिविधियां निरंतर जारी रहेंगी

आयुक्त, सूचना एवं जनसम्पर्क श्री महेन्द्र सोनी ने कहा कि कोरोना महामारी से बचाव के लिए जन जागरूकता सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। कोरोना का खतरा अभी टला नहीं है। इसलिए हम सबको कोरोना से बचाव के उपायों को अपनाते हुए जागरूक करना है। कोरोना से डरना नहीं, बल्कि सावधान रहना है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा 21 जून से 7 जुलाई तक चलाए गए विशेष जागरूकता अभियान से राज्य में कोरोना के संक्रमण को फैलने से रोकने में मदद मिली है।

आयुक्त श्री सोनी राज्य के सभी जिलों के सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेस के माध्यम से सम्बोधित कर रहे थे।

श्री सोनी ने कहा कि कोरोना से बचाव और उसकी रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान की अवधि भले ही समाप्त हो गई है लेकिन कोरोना से बचाव के लिए जागृति की जरूरत आज भी है और आने वाले लम्बे समय तक रहेगी। उन्होंने बताया कि कोरोना से बचाव के लिए जागरूकता अभियान से जुड़ी गतिविधियां निरंतर जारी रहेंगी।

सूचना एवं जनसम्पर्क आयुक्त ने जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारियों को राज्यभर में सरकार द्वारा चलाये जा रहे कोरोना जागृति अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने की सराहना करते हुए कहा कि कोरोना जागृति अभियान को इसी प्रकार जिलों से लेकर ग्राम स्तर तक जारी रखा जाए, अभियान की अवधि ही समाप्त हुई है, अभियान की गतिविधियां आगे भी चलती रहनी चाहिए।

आयुक्त श्री सोनी ने जिला जनसम्पर्क अधिकारियों द्वारा सोशल मीडिया के साथ-साथ स्थानीय लोक कलाकारों द्वारा स्थानीय भाषा में ही कोरोना संक्रमण से बचाव, हस्ताक्षर अभियान, डिजिटल चित्र प्रतियोगिता, सैन्ड आर्ट द्वारा कोविड-19 के प्रति आम जनता को जागरूक बनाने के लिए किये गये नवाचारों की भी प्रशंसा की।

वीडियो कॉन्फ्रेंस में जिलों के जनसम्पर्क अधिकारियों द्वारा जनप्रतिनिधियों का पूरा सहयोग करने के साथ-साथ विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं, नेहरू युवा केन्द्र, आशा सहयोगिनी कार्यकर्त्ताओं का भी भरपूर सहयोग मिलने की जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिलों के सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारियों ने जागरूकता अभियान के अपने अनुभवों और नवाचारों को भी साझा किया।

आयुक्त श्री सोनी ने कहा कि मौजूदा समय में कोरोना नियंत्रण के लिए भीलवाड़ा मॉडल, जयपुर मॉडल और राजस्थान मॉडल राष्ट्रीय स्तर पर सराहना प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि जनसम्पर्क अधिकारियों को दो गज की दूरी बनाने, मुंह पर मास्क पहनने, बार-बार हाथ धोने और सार्वजनिक स्थलों पर नहीं थूकने के लिए लोगों को लगातार प्रेरित करना होगा। इसके लिए क्षेत्रीय कलाओं और बोलियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए।

वीडियो कॉन्फ्रेंस में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के वित्तीय सलाहकार श्री सुभाष दानोदिया, अतिरिक्त निदेशक श्री प्रेम प्रकाश त्रिपाठी एवं श्रीमती अलका सक्सेना, संयुक्त निदेशक (समाचार) श्री अरुण जोशी एवं उप निदेशक डॉ. राजेश व्यास सहित विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सोशल डिस्टेंसिंग मास्क, सैनिटाइजर सूत्र से

सतर्क राजस्थान

प्रकाश चंद्र शर्मा

चरक संहिता के प्रथम भाग का प्रमुख सूत्र कहता है कि धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का मूल उत्तम आरोग्य ही है। इन चारों की प्राप्ति आरोग्य के बिना संभव नहीं है।

महर्षि चरक के उक्त सूत्र को प्रमाणित करने के साथ ही महाकवि कालिदास ने भी लिखा है ''शरीरमाद्यं खलुधर्मसाधनम्'' अर्थात् किसी भी कार्य की साधना में स्वस्थ शरीर का होना आवश्यक है । मानव ने आर्थिक संपन्नता की दौड़ में अपने शरीर और मन को धन का गुलाम बना लिया है। शक्ति को पाने की लालसा ने मनुष्य से लेकर राष्ट्रों तक को दिग्भ्रमित कर दिया है जिससे मानव जाति नित नए जैविक प्रकोपों का सामना करने को विवश हुई है। इन स्थितियों में वैश्विक महामारी घोषित हुए कोरोना वायरस का संक्रमण भी मानव जाति के इतिहास की सबसे बड़ी विभीषिका साबित हुआ है।

इस विकट दौर में राजस्थान सरकार ने संवेदनशीलता से कार्य करते देशभर में अपनी अलग पहचान बनाई है। राजस्थान में कोरोना से बचाव के लिए जो जन जागरूकता अभियान चलाया गया उसकी सर्वत्र सराहना ही नहीं हुई हैं बल्कि उससे प्रेरणा लेकर देश के अन्य राज्यों ने भी ऐसे ही अभियान क्रियान्वित करने की शुरुआत की है। देश में आज कोरोना बचाव का राजस्थान मॉडल इसलिए भी सराहा जा रहा है कि इसमें महामारी से बचाव का ही जतन नहीं है बल्कि श्रमिकों, प्रवासियों, जरूरतमंदों के हितों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में सकारात्मक निर्णय लिए गए हैं।

लॉकडाउन से उत्पन्न बेरोजगारी और जीवन जीने के संकट से घिरे मजदूर वर्ग को कोई भूखा न सोये जैसी योजना के तहत मुफ्त अनाज वितरण से राज्य के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने संवेदनशीलता से प्रदर्शित किया। मुख्यमंत्री ने लॉकडाउन का त्वरित निर्णय लेकर राज्य की जनता के प्रति लोकतांत्रिक जवाबदेही स्थापित की। प्रवासी मजदूरों की घर वापसी से लेकर राज्य के निम्न वर्ग को मुफ्त भोजन वितरण तक राज्य सरकार ने जनहित के लिए लोकशाही की प्रतिबद्धता को मजबूत आधार प्रदान किया। कोरोना के प्रभावी नियंत्रण के साथ ही राज्य सरकार की पीठ इस बात पर भी थपथपाई जा सकती है कि राज्य की जनता के दिमाग में बैठा कोरोना का डर अब लगभग जनता के दिमाग से भाग चुका है।

एस.एम.एस. (सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क, सैनिटाइजर) के प्रभावी सूत्र को राज्य की जनता ने अपनी दैनिक दिनचर्या से जोड़ लिया है। इसी से राज्य में आर्थिक गतिविधियों की शुरुआत होने से लेकर आम जनजीवन को फिर से चलायमान किया है।

प्रवासी मजदूरों की विभिन्न समस्याओं यथा उनके रोजगार भोजन आवास बच्चों की शिक्षा को लेकर राज्य सरकार संवेदनशील है। सार्वजनिक परिवहन प्रणाली और आम चौराहों पर सरकार ने अधिक प्रभावी और सक्षम कदम उठाए हैं। बेपटरी हुई अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने और राज्य में नए उद्योगों की स्थापना की संभावना को तलाशने के लिए कदम उठाए गए हैं। निश्चित रूप से राजस्थान सरकार के इस दिशा में कोरोनाकाल में किए जा रहे सकारात्मक प्रयासों के भावी परिणाम सुखद होंगे। ●

जनचेतना अभियान से आत्मविश्वास की नई ऊर्जा

गुलाब बत्रा

पिछली शताब्दियों में बीमारियों की भयावह श्रृंखला में सिरमौर बने कैंसर रोग की तुलना में कोरोना ने अलग अंदाज में ऐसी चुनौती खड़ी कर दी है कि जन सामान्य के दिलों-दिमाग में यह बात घर कर गई है कि अब तो इसके साथ ही जीना है। कोरोना वैक्सीन बनाने की जद्दोजहद में हर स्तर पर स्वास्थ्य ढांचे को और बेहतर बनाने की मुहिम तेज हुई है।

साधारण रूप से हमने जीवन को महज जन्म एवं मृत्यु से जोड़े रखा है। लेकिन कोरोना महामारी ने हमे एक बार फिर से जीवन को अच्छी तरह से समझने की राह दिखाई है। दरअसल जन्म, मृत्यु एवं जीवन की धारा अलग-अलग है। जीवन से जुड़ी अवधारणा को ठीक से समझने और उसे पकड़ने पर हम अपने जीवन को महत्त्वपूर्ण बनाने की दिशा में अग्रसर होंगे। सावधानी के साथ जीवन बचाने का लक्ष्य साधने पर सफलता मिलेगी। परस्पर सद्भाव और सहिष्णुता की मानसिकता इसे मजबूती देगी। इसके प्रति उचित वातावरण बनाने की दिशा में राजस्थान सरकार ने सकारात्मक कदम उठाये हैं।

कोरोना वायरस महामारी से बचाव के लिए जनजागृति के उद्देश्य से राजस्थान सरकार ने जन जागरूकता अभियान के संचालन की अनूठी पहल की है। गत 22 जून को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने सरकारी निवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य स्तरीय कोविड-19 जन जागरूकता अभियान की वर्चुअल लॉन्चिंग की। इस संदर्भ में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की ओर से तैयार अलग-अलग डिजाइन में बनाये गये पांच जागरूकता पोस्टरों, ऑडियो जिंगल एवं जागरूकता वीडियों भी जारी किया गया।

सूचना एवं जनसम्पर्क मंत्री रघु शर्मा एवं अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में इस कार्यक्रम का फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब सहित अन्य डिजिटल माध्यमों पर जीवंत प्रसारण किया गया। प्रदेशभर में करीब साढे ग्यारह हजार लोकेशंस पर लोगों ने वीडियो कॉंफ्रेंसिंग से मुख्यमंत्री का संदेश सुना। इनमें सांसद, विधायक, अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में जरूरतमंद लोगों को रियायती दर पर दो समय का शुद्ध एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए इंदिरा रसोई योजना आरम्भ करने की घोषणा की। इस पर हर साल एक सौ करोड़ रुपये की राशि व्यय की जाएगी। स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाओं की भागीदारी के साथ इस योजना के क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग सूचना-प्रौद्योगिकी की सहायता से की जाएगी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं यूएनएफपीए द्वारा जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से तैयार की गई पांच मोबाइल वैन को मुख्यमंत्री ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। अभियान के दौरान जन-जन को इस महामारी से बचाव के उपायों के सम्बन्ध में अवगत कराया गया। गांव-ढाणी तक संचालित इस अभियान के दौरान इस तथ्य पर विशेष बल दिया गया कि व्यक्ति खुद के स्वास्थ्य का स्वयं ख्याल रखे तभी सभी का बचाव संभव होगा। अभियान की उपयोगिता को देखते हुए इसकी अवधि सात जुलाई तक बढ़ायी गई। अभियान के औपचारिक उद्घाटन से पहले इसके क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक स्तर पर भी तैयारी की गई। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

के आयुक्त महेन्द्र सोनी ने अपने विभाग के जिला अधिकारियों को वीडियो कॉंफ्रेंसिंग के माध्यम से इस अभियान के सम्बन्ध में सरकार की मंशा से अवगत कराया और इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक निर्देश दिए। पांच प्रकार के जागरूकता पोस्टरों में कोरोना से बचाव सम्बन्धी उपायों को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया है। तीन पोस्टरों में नियमित अंतराल में हाथ धोने, आपस में दो गज की दूरी बनाये रखने, मास्क लगाने तथा सार्वजनिक स्थलों पर नहीं थूकने की हिदायत को चित्रों से समझाया गया है। इन पर अलग-अलग स्लोगन लिखे गए है। यथा-घर से निकले नहीं घबराये, परन्तु सावधानी पूरी अपनायें।

दूसरे पोस्टर पर- ''कोरोना से डरे नहीं, बचाव के उपाय अपनायें।'' तीसरे पोस्टर पर-''मास्क पहने, दो गज की दूरी बनाये। कोरोना से बचाव के उपाय अपनायें।'' स्लोगन अंकित है। इसी तरह एक बड़े पोस्टर पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का संदेश अंकित है। इसमें कहा गया है - जीवन के साथ आजीविका भी चल सके, इसलिए अनलॉक जरूरी है। हमारी छोटी सी लापरवाही कोरोना संक्रमण बढ़ा सकती है। कोरोना से घबराये नहीं। सभी सावधानियों का पालन करें। सरकार कोरोना को हराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पोस्टर में कोरोना महामारी से जीवनरक्षा के लिए क्या करें - क्या नहीं करें सम्बन्धी चार्ट भी दिया गया है। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि हमें कोरोना महामारी से डरने की आवश्यकता नहीं है लेकिन सावधानी जरूरी है। कोरोना अभी समाप्त नहीं हुआ है। कोरोना से बचाव सम्बन्धी उपायों की चर्चा के साथ उन्होंने चेताया कि अनलॉक को भी लॉकडाउन की तरह गंभीरता से लेना होगा। कोरोना से उत्पन्न चुनौती का सामना करने के लिए राजस्थान सरकार द्वारा की गई पहल एवं प्रभावी कदमों के सुपरिणामों की मुख्यमंत्री ने विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने आम लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए अधिकारियों को हैल्थ प्रोटोकॉल की अनुपालना सख्ती से कराने के निर्देश दिए हैं।

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय में सुखी एवं समृद्ध जीवन विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई थी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस दौरान कहा कि कोरोना महामारी ने जीवन के प्रति हमारी सोच को बदला है। इसने भौतिकवाद की ओर तेजी से बढ़ रहे हमारे कदमों को थामा है। कोरोना महामारी की चुनौती को हमने अवसर के रूप में लेते हुए स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत किया है।

इस जगत् में मानव जीवन में समयानुकूल परेशानियों का सिलसिला स्वाभाविक है तो हमारी संस्कृति और परम्पराओं में उनका इलाज सुझाया गया है। उदारता भारतीय संस्कृति का मुख्य गुण रहा है। वक्त की मार तथा अनेकानेक थपेड़े खाने के बावजूद अपने पूर्वजों की परम्पराओं की अनुपालना की बदौलत विश्व में भारत की सभ्यता एवं संस्कृति आज भी सुरक्षित है। आज भी कई परेशानियों का समाधान हमारी परम्पराओं में निहित है। मसलन कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए बार-बार हाथ धोने को कहा गया है। इसी दौरान दूरदर्शन पर तैंतीस साल पुराने रामायण धारावाहिक के प्रसारण में दर्शकों ने वह दृश्य देखा जब ऋषियों के आश्रम में प्रवेश से पहले श्रीराम के चरण धोने की परम्परा का पालन किया गया। हमारे यहां घरों में प्रवेश करने पर हाथ-पैर धोने की परम्परा रही है। शरीर को स्वस्थ बनाये रखने के लिए व्रत या उपवास का पालन किया जाता रहा है। योग की महत्ता को आज विश्व ने मान लिया है। अभिवादन के लिए हाथ जोड़कर नमस्कार को श्रेष्ठ माना गया। जैन परम्परा में मुनिगण मुँह पर पट्टिका लगाने की अनुपालना कर रहे हैं।

राजस्थान सरकार ने कोरोना वायरस पर नियंत्रण के लिए अधिकाधिक टेस्ट और जांच में पॉजिटिव पाये गये रोगियों की चिकित्सा व्यवस्था पर ध्यान केन्द्रित किया। कोरोना संकट से पहले प्रदेश में जांच की कोई सुविधा नहीं थी, लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देशानुसार कोरोना के खतरे से जन-जन को सावचेत करने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया गया। सरकार कोरोना को हराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस संकल्प से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेशवासियों में आत्मविश्वास की नई ऊर्जा का संचार किया है।

इसलिए कोरोना वायरस से परिवर्तित वातावरण के अनुसार हम खुद को इसके लिए अनुकूल बनाकर अनेक परेशानियों से बच सकते हैं। इसके लिए अपने शरीर को वातावरण के अनुकूल ढालने की पहल करनी होगी। कोरोना से संक्रमित लोगों की चिकित्सा प्रक्रिया से यह स्पष्ट हो गया है कि वायरस से बचाव के लिए शरीर के प्रतिरोधी तंत्र की मजबूती आवश्यक है। इसीलिए राजस्थान सहित अन्य राज्यो में चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ सहित कोरोना वॉरियर्स को आयुर्वेद पद्धति से बना काढ़ा पिलाकर उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित की गई। यह सर्वविदित है कि भारत में 1600 ई. में ऐलोपैथी चिकित्सा की शुरुआत हुई। इससे पहले आयुर्वेद पद्धति का प्रचलन था।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सौम्या स्वामीनाथन ने यह स्वीकार किया है कि वर्ष 2021 के अंत तक दुनिया के अलग-अलग देशों में कोरोना वायरस लोगों को परेशान कर सकता है। मुँह-नाक ढकने से संक्रमण के प्रसार को पचास प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। उदार लोकतंत्र में तथ्यात्मक विचार-विमर्श की प्रणाली विद्यमान होती है। ऐसी परिस्थिति में सिविल सोसायटी सहित लोकतंत्र प्रणाली से जुड़े विविध घटक इस महामारी से मुकाबला करने में सहायक होते हैं। नागरिकों को शासन-प्रशासन की तरफ से सूचनापरक जानकारी सहित बचाव के उपाय बताने से सामाजिक मनोबल को बनाये रखने में भी सहायता मिलती है। शासन व्यवस्था की दृष्टि से लोकतंत्र को सबसे बेहतर एवं आदर्श माना गया है। इस दृष्टि से यह किसी भी सरकार का वह स्वरूप है जो कोविड-19 जैसे जटिल तथा बड़े संकट से पार पाने का सर्वश्रेष्ठ मंत्र माना जा सकता है। ●

अभिनव अभियान

डॉ. सत्यनारायण सिंह

जन साधारण को इस चिंता को जेहन में रखना ही होगा कि छूट के बाद जब लोग सड़क व काम पर आना शुरू कर चुके हैं यदि थोड़ी भी लापरवाही बरती तो कोरोना संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। लॉकडाउन से रोजगार, आय व बचत कम हुए हैं। अढ़ाई महिने से काम धन्धा चौपट है घर चलाने का संकट खड़ा है। समस्या इतनी विकराल है कि इससे पार पाना आसान नहीं है।

आर्थिक व सामाजिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए लॉकडाउन में छूट दिया जाना मजबूरी हो गई। कोरोना के साथ रहने की आदत बनाना आवश्यक हो गया। अनलॉक में हम मुक्त तो हैं पर स्वच्छन्द और अनियन्त्रित नहीं होना है। मन को उपयुक्त व जागृत करना होगा। हमें अपने जीवनरथ को धर्मस्थ अर्थात् अनुशासन युक्त बनाये रखना है। आत्मसंयम के साथ एक नई कार्य संस्कृति की जरूरत है। उसका यह पहला चरण है दो गज की दूरी और मास्क, लगातार हाथों की सफाई और सार्वजनिक स्थानों पर नहीं थूकना।

भूमिका, अब सरकार से ज्यादा समाज और उसकी सामूहिक चिन्तन की है। गफलत हमें संकट में डाल देगी। हमें नैराश्य भाव दूर करना होगा। उसके लिए पहला काम है जीवन को सामान्य बनाना। आंकड़ों को देखने की बजाय स्वस्थ रहने के बारे में सोचें। हम यही सोच रहे हैं कहीं मुझे कोरोना नहीं हो जायें। हमें इससे डरकर पहले अपने मन में कम करना होगा, बेचारगी में अवैज्ञानिक नहीं बनना है। सामान्य जीवन व्यतीत करना है नैराश्य भाव से दूर रहना है। हमें फिलहाल कोरोना के साथ ही जीने के लिए तैयार रहना होगा। इस वायरस के खिलाफ प्रतिरोधी क्षमता बेहतर रखनी होगी।

बुरे विचारों के खिलाफ हमारे पास इकलौता रास्ता यही है कि सतर्क रहा जाय, आकर्षण का प्रतिरोध किया जायें। चमत्कारिक वादों को संदेह की नजर से देखा जायें, जटिलताओं के समक्ष धैर्य बरता जायें, जितना जानते हैं उसके प्रति ईमानदारी बरती जायें। कोरोना से जीत के बाद भी न भूलें, भीड़ के जमा होने के खतरे, जिन्दगी की रक्षा करते हुए स्वतंत्रता के मूल सिद्धान्तों को प्रभावित नहीं होने दें। इस महामारी से उभरने में देरी हो सकती है। स्वच्छता को सुदृढ़ता में बदलना होगा।

हम सोशल डिस्टेंसिंग कर रहे हैं परन्तु जहां एक कमरे में पांच-सात लोग रहते हैं वहां सतर्कता व व्यवस्था से स्वच्छता रखनी है। बेरोजगारी और गरीबी से भी मृत्यु दर बढ़ सकती है, आर्थिक अवसाद वायरस से भी घातक हो सकता है। युवा श्रमिकों की बड़ी संख्या को मदद की दरकार है। कोरोना से ही नहीं लोग आर्थिक विपन्नता में भूख से भी मर सकते हैं। असमानता विस्फोट के कगार पर है और आक्रोश पैदा कर सकती है। फिलहाल बड़ी जरूरत कोरोना संक्रमण की गति पर लगाम लगाने की है।

सार्वजनिक स्थल पर मास्क का इस्तेमाल करें, सोशियल डिस्टेंसिंग का पालन हों। रोग का प्रसार आंधी की गति से हो रहा है।

छाया : जावेद अख्तर

कामकाजी लोगों को मेट्रो में या गांव से कस्बों की बसों में या नौकरी के लिए कस्बों से औद्योगिक नगरों में, सामाजिक दूरी की शर्तें तोड़ना मजबूरी या अज्ञानता जनित फितरत हो सकता है, परन्तु मास्क पहनना, दो गज दूरी रखना एकमात्र उपाय है। राजस्थान सरकार सार्वजनिक स्थलों पर मास्क पहनने की जनचेतना का प्रसार कर रही है। न मानने वालों को दण्डित किया जायेगा। बिना मास्क खांसना व्यक्ति के लिए जनाक्रोश का शिकार भी बन सकता है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने एक अभिनव प्रचार अभियान (देश-विदेश में पहली बार) प्रारम्भ किया है। गांव-गांव में पंचायतें, नगरीय निकाय, जिला प्रशासन पुलिस, एनजीओ आम नागरिकों को अपनी जिम्मेदारियों से अवगत करा रहे हैं। सरकारी कार्यालयों में, व्यावसायिक संस्थाओं, शिक्षण संस्थाओं, अस्पतालों, सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर, बैनर लगेंगे, रैलियां, नुक्कड नाटक लोक-कलाकारों व सभी मीडिया साधनों से लगातार जागृति अभियान चलाया जा रहा है। मंत्रीमण्डल के सदस्य, सांसद, विधायक, अन्य जनप्रतिनिधि, पंचायतें, स्वायत्तशासी संस्थायें, सहकारी समितियों व ग्राम सभाओं में इन दिशा-निर्देशों को आम लोगों तक पहुंचाना है और 7 जुलाई के बाद भी कई गतिविधियाँ जारी हैं। अभियान के विशेष स्लोगन, मास्क लगाओ, दूरी बनाये रखें, सार्वजनिक स्थानों पर मत थूको, साबुन से हाथ धोते रहो, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों व बच्चों का विशेष ध्यान रखें, शराब नहीं पीयें, संक्रमित व्यक्ति आदि के साथ ही दूरी बनाते हुए अस्पताल पहुंचाये, का प्रभावी असर हो रहा है।

अतुलनीय प्रयास

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रत्येक कोण से ग्रामस्तर तक बुनियादी जरूरतों से परिचित है। जमीन से जुड़े वह ऐसे व्यक्तित्व है कि प्रदेश की अपनी जनता के हित में जो अच्छा व जरूरी होता है, खोज लाते हैं। उन्होंने इसे एक निरंतर प्रक्रिया बना डाली है और फिर उसको अपने प्रदेश के हालात के अनुरूप मोड़ने के काम में जुट जाते हैं। गहलोत की यह खूबी व्यक्तिगत रिश्तों व सम्बन्धों की व्यापकता को दृढ़ता के साथ साधने की रही है। वे संवेदनशील हैं, वे जमीनी प्रचार-प्रसार का महत्त्व समझते हैं।

उन्होंने लोगों में संक्रमण से बचाव के लिए, भय व आतंक मिटाकर, पुन: हिम्मत, विश्वास व जोश पैदा करने के लिए, विश्वभर में एक नया व प्रशंसनीय अभिनव अभियान ''कोरोना जन चेतना अभियान'' प्रारम्भ किया है। इस प्रकार का जनचेतना अभियान व प्रयास विश्व में अन्यत्र नहीं, केवल राजस्थान के मुख्यमंत्री की सोच हो सकती है। रेडियो, टी.वी. के अलावा, पोस्टर, ऑडियो, वीडियो, समाचार पत्र व लोक कलाकारों के माध्यम से सीधे-सीधे मुख्य बिन्दुओं पर लोगों का ध्यान आकर्षित कर उनको पालन करने का आह्वान किया है। निश्चित रूप से इस अभियान से लोगों में विश्वास बना है। महामारी की रोकथाम हेतु आवश्यक जानकारी हुई है। इस घड़ी में संक्रमण से बचने के लिए किन आसान कदमों को उठाना है, नहीं करना है व क्या करना है, प्रसारित किया जा रहा है। दो गज दूरी बनाये रखें, बार-बार हाथ धोयें, बिना मास्क बाहर न जायें, सार्वजनिक स्थानों पर नहीं थूके, आसान निर्देशों की पालना जन-जन की पीड़ा दूर कर सकती है। पूरा प्रशासन मुख्यमंत्री के नेतृत्व में रात-दिन कार्य में जुटा रहा। राज्य ने केन्द्रीय घोषणा के पहले रेहड़ी, ठेला चालक, रिक्शा चालक, असहाय घुमन्तू, रोज कमाकर खाने वाले 33 लाख लोगों को अनुग्रह राशि के रूप में ढ़ाई-ढ़ाई हजार रुपये जरूरतमंदों के खाते में डाले। जिनके बैंक खाते नहीं थे। उन्हें कलक्टर के माध्यम से नकद राशि दी गई एवं राशन सामग्री उपलब्ध कराई।

प्रवासी राजस्थानियों के कुशल घर लौटने हेतु निजी स्तर पर लगातार प्रयास किया, राज्य सरकार की ओर से नि:शुल्क व्यवस्था की। कोटा में पढ़ रहे लाखों कोचिंग स्टूडेंट्स व प्रवासियों को राज्य खर्च पर अपने प्रदेश में पहुंचाने में सहायता की। किसानों को बिचौलियों से बचाने के लिए सहकारी समितियों व कृषि प्रसंस्करण इकाइयों के जरिये व्यवस्था की, खरीद केन्द्रों की संख्या बढ़ाई, किसानों को मुफ्त प्रमाणिक बीज उपलब्ध कराने की व्यवस्था की। वर्ष 2020 में 8000 करोड़ रुपये का ऋण खरीफ फसल हेतु 20 लाख किसानों को मिलेगा। मनरेगा के तहत 53 लाख लोगों को रोजगार दिया है। शिक्षा के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण कदम उठाकर ऑनलाइन शिक्षा की व्यवस्था की गई है। 2000 डॉक्टर व 12500 एएनएम, जीएनएम भर्ती की प्रक्रिया शुरू की। प्रदेश की 37 हजार एमएसएमई व 30 प्रतिशत बड़े उद्योग इकाइयों ने कार्य प्रारम्भ कर दिया है जिनमें 3 लाख से अधिक मजदूर कार्य करने लगे हैं। 12 लाख प्रवासी श्रमिकों का डाटा ऑनलाइन किया गया है। 11 लाख से अधिक नियोक्ताओं को भी पंजीकृत किया गया है।

राजस्थान कोरोना की स्क्रीनिंग व जांच, टेस्ट व मेडिकल सुविधाएं, जन-जन तक पहुंचाने में सफल रहा है। इसी का परिणाम है देश में राजस्थान में मृत्युदर कम रही व रिकवरी रेट अधिक रही है।

-डॉ. सत्यनारायण सिंह

कोरोना जागरूकता रथ से मिली अभियान को गति

स्थानीय भाषा बनी प्रचार-प्रसार का माध्यम

गौरीकांत शर्मा

कहते हैं कि मातृभाषा में किया गया संवाद सीधे मन पर असर करता है। इसी सोच के साथ भीलवाड़ा जिलेवासियों को कोरोना संक्रमण के प्रति जागरूक करने के लिए सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय ने मातृभाषा का सहारा लिया। जिलेभर में जागरूकता रथों पर लगे लाउड स्पीकर्स के माध्यम से स्थानीय भाषा में संगीतमय संदेश प्रसारित किया गया। लगभग 4 मिनट का यह कर्णप्रिय प्रचार गीत सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय की ओर से स्थानीय कलाकारों के माध्यम से पेशेवर तरीके से तैयार करवाया गया। साथ ही एक अन्य उद्घोषणा भी बीच-बीच में प्रसारित की गई जिससे माननीय मुख्यमंत्री का संदेश गांव-गांव, ढ़ाणी-ढ़ाणी तक पहुंचा। राज्य सरकार के निर्देशानुसार 22 जून को जागरूकता अभियान के औपचारिक शुभारम्भ के अवसर पर प्रभारी मन्त्री श्री अर्जुन सिंह बामनिया ने जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान प्रचार सामग्री का विमोचन करने के पश्चात् ऐसे ही एक जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान सांसद और 5 विधायक उपस्थित रहे।

जिले में वितरण के लिए 721 सनबोर्ड, 721 सनफ्लैक्स, 50 हजार पेम्फलेट्स, 10 हजार स्टीकर्स, 10 हजार बड़े पोस्टर, 20 हजार छोटे पोस्टर एवं माननीय मुख्यमंत्री की अपील के 10 हजार पत्रक प्राप्त हुए जिन्हें निर्देशानुसार जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पहुंचा कर ग्राम स्तर पर प्रदर्शित किया गया। साथ ही स्थानीय स्तर पर 30 हजार पत्रक एवं 20 हजार पोस्टर छपवाकर पुलिस, परिवहन, रोडवेज, चिकित्सा, स्काउट-गाइड एवं अन्य विभागों को उनकी मांग के अनुसार उपलब्ध करवाए गए। उपखंड स्तर पर योजनानुसार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। रंगोली डे, सेल्फी विद मास्क डे और शपथ ग्रहण दिवस पर

आमजन में काफी उत्साह देखा गया।

डेयरी में विधायक श्री रामलाल जाट ने पत्रकारों को शपथ दिलाई। यातायात सलाहकार समिति की बैठक में उपस्थित सदस्यों को विधायक श्री कैलाश त्रिवेदी ने शपथ दिलाई।

उपखंड स्तर पर राज्य सरकार के प्रोटोकॉल के अनुसार, वीडियो प्रदर्शन, हाथ-धुलाई, जागरूकता उद्बोधन, शपथ आयोजन और जागरूकता वैन को रवाना करना आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें से अधिकांश कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधि व क्षेत्रीय विधायक सम्मिलित हुए।

सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय की ओर से पेशेवर कलाकारों से सूचना केंद्र चौराहे व पुलिस कंट्रोल रूम के बाहर ऑयल पेंट से रंगोली बनवाकर जागरूकता संदेश दिए। आमजन ने सड़क पर बनी इन रंगोलियों को काफी सराहा। सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय की ओर से लॉकडाउन अवधि के दौरान राज्य सरकार के निर्देश पर उठाए गए स्थानीय प्रशासन के कदमों को दर्शाती चित्रों की प्रदर्शनी जिला स्तरीय समारोह के दौरान लगाई गई। हमीरगढ़ में उपखण्ड प्रशासन की ओर से एक कविता ''द्वार की देहरी'' प्रसारित की गयी जिसे बाद में सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय की ओर से वीडियो क्लिप के रूप में तैयार कर वायरल किया गया।

कार्यालय की ओर से अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कव्वाल श्री इकबाल शाद की टीम से कोरोना जागरूकता का संदेश देती दो कव्वालियां रिकॉर्ड करवाकर इनकी वीडियो क्लिप वायरल की गई। इन सभी ऑडियो-वीडियो क्लिप के लिंक जिला प्रशासन की वेबसाइट पर आमजन की सुविधार्थ उपलब्ध करवाये गए हैं। एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म ''मैं हमीरगढ़ हूँ'' भी प्रसारित की गई है। इसके अलावा कोरोना जागरूकता पर ऑनलाइन क्विज, लोक कलाकारों द्वारा कोरोना जागरूकता पर नुक्कड़ नाटिका, प्रत्येक ग्राम पंचायत पर जागरूकता से सम्बंधित स्लोगन, प्रभातफेरियों आदि का आयोजन भी करवाया गया।

मिमिक्री आर्टिस्ट, लोक कलाकारों, जनमान्य छवियो ने दिया जागरूकता संदेश

लोकमाध्यमों से कोरोना बचाव जागरूकता

रजनीश शर्मा

कोविड से बचाव के लिए 21 जून से 7 जुलाई तक चलाए गए विशेष जन जागरूकता अभियान में जयपुर जिले में कई नवाचार किए गए। जब 21 जून को यह अभियान प्रारम्भ हुआ तब जयपुर में कोरोना का पहला मामला मिले 100 दिन पूरे हो चुके थे। इस दौरान लॉकडाउन, लॉकडाउन से उपजे हालातों में श्रमिक मूवमेंट, वृहद स्तर पर जरूरतमंदों को नि:शुल्क भोजन उपलब्ध कराना, सप्लाई चेन को सुचारू रखना, बड़े पैमाने पर टेस्टिंग एवं सबसे बढ़कर सभी वर्गों को साथ लेकर कोरोना से मुकाबले के लिए राज्य सरकार और जिला प्रशासन के बहुस्तरीय प्रयासों के कारण आम व्यक्ति भी हर दिन कोरोना को लेकर और ज्यादा सतर्क एवं सावधान होता गया।

लेकिन जीवन के साथ जीविका भी जरूरी है। मुख्यमंत्री के इस संदेश के बाद जब आर्थिक गतिविधियों को सुचारू करने के लिए लॉकडाउन में ढील दी गई तो आमजन द्वारा बड़े स्तर पर लापरवाही भी सामने आने लगी। ऐसे में आम आदमी को कोरोना से बचाव के आधारभूत उपायों की पालना के प्रति सतर्क करने के लिए मुख्यमंत्री के नवाचार के रूप में प्रारम्भ किए गए वृहद् स्तरीय विशेष जन जागरूकता अभियान में कोरोना के प्रति सावधानी रखने के संदेश को उन तक कुछ नवाचारों के साथ पहुंचाने की कोशिश की गई। जिले में लोगों को कोरोना बचाव के सम्बन्ध में जागरूक करने की दिशा में विभिन्न नवाचार किए

मिमिक्री आर्टिस्ट श्री अंकित सिसोदिया अपने पपेट करेक्टर चिंटू के साथ कोरोना के बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए।

अपने गांव में आदर्श माने जाने वाले बगवाड़ा के रामजीलाल कोरोना के बचाव के उपायों के बारे में बताते हुए।

पन्या सैपट अपने विशेष अंदाज में कोरोना से बचने के लिए सभी उपाय अपनाने की अपील करते हुए।

गए। नवाचार के रूप में ''हैण्ड पपेट'' के जरिए कोरोना से बचाव का संदेश प्रसारित किया गया है। स्टेज शो एंटरटेनर एवं मिमिक्री आर्टिस्ट श्री अंकित सिसोदिया ने अपने पपेट करेक्टर चिंटू के साथ संवाद कर कोरोना से बचाव के उपाय बताए एवं इनके प्रति जागरूक रहने की अपील की।

''सिविल हीरो'' शीर्षक से गांव के सामान्य व्यक्ति, जिसे पूरा गांव आदर्श मानता है और अनुसरण भी करता है, ऐसे व्यक्तियों से कोरोना से बचाव के उपायों की जानकारी का संदेश ग्रामीणों तक पहुंचाया गया। गांव बगवाड़ा निवासी व्याख्याता रामजीलाल का वीडियो तैयार किया गया जिसे स्थानीय विकास अधिकारी एवं अन्य माध्यमों से ग्रामीण एवं विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुप में प्रेषित किया गया।

जयपुर के प्रसिद्ध स्थानीय हास्य कलाकार दीपक यानी ''पन्या सैपट'' द्वारा भी कोरोना से बचाव के संदेश का प्रचार कराया गया। यह कलाकार अपनी विशिष्ट बॉडी लेंग्वेज, बोलने के अंदाज और मुख मुद्राओं से सैकड़ों-हजारों लोगों तक कोरोना का संदेश सरल और ग्राह्य तरीके से पहुंचाने का माध्यम बना।

जयपुर के स्कूलों में एक विशेष गठित टीम द्वारा अध्यापकों एवं स्टाफ को कोरोना से बचाव के उपायों के बारे में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब तक शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के 70 से अधिक स्कूलों में सम्पर्क किया जा चुका है। कई अन्य कार्यालय, होटल आदि में भी सम्पर्क किया गया एवं प्रचार सामग्री का प्रदर्शन किया गया।

जयपुर शहर की 25 से अधिक प्रमुख लोकेशन्स पर स्काउट एवं गाइड संगठन के स्वयंसेवकों ने कोरोना से बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा छपवाई गई कोरोना का संदेश लिखी टीशर्ट्स एवं यूनिफॉर्म पहनकर विभिन्न चौराहों, प्रमुख बाजारों, मार्गों पर जन जागरूकता के लिए जिला प्रशासन द्वारा प्रकाशित कराई गई सामग्री का वितरण भी किया। उनके साथ ही ऑडियो सिस्टम के साथ एक चौपहिया प्रचार वाहन भी संचालित किया गया जिस पर जिला प्रशासन एवं राज्य स्तर से तैयार ऑडियो जिंगल्स का प्रसारण किया गया।

सामूहिक प्रयासों से मिली अभियान को सफलता

रामजीलाल मीना

प्रदेश में आमजन को कोरोना महामारी से बचाने के लिये प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में राज्य सरकार ने महत्त्वपूर्ण कार्य करते हुये मानव जीवन को बचाने के सार्थक प्रयास किये हैं। सरकार ने महामारी की आशंका को देखते हुये सबसे पहले लॉकडाउन करने व आमजन को जागरूक करने का कार्य प्रारम्भ किया।

दौसा जिले में कोरोना महामारी से बचाव के लिये राज्य सरकार के निर्देशानुसार लॉकडाउन व सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन की पालना करवाने के लिये बैठकें आयोजित कर आमजन को सावचेत करते हुये बचाव व नियंत्रण के प्रयास किये गये। जिला प्रशासन व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सामूहिक प्रयासों से जिले में कोरोना से ज्यादा लोगों को प्रभावित नहीं होने दिया तथा उपलब्ध संसाधनों से नियंत्रण का कार्य किया गया। जिले में कोरोना पॉजिटिव का प्रथम केस 2 अप्रैल को आया। हालांकि विभाग पहले ही सतर्क था, लेकिन पहला केस आने के बाद से और सतर्क हो गया। कोविड-19 की रोकथाम के लिए विभागीय स्तर पर जिला कलक्टर अविचल चतुर्वेदी व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी. एम. वर्मा के नेतृत्व में आवश्यक प्रयास किए गए।

दौसा जिले में जन जागरूकता के लिए भरपूर प्रयास किए गए ताकि प्राथमिक तौर पर आमजन को कोरोना के संक्रमण से बचाया जा सके और जागरूक किया जा सके। इसके लिए बैनर लगाए गए, पम्फलेट बांटे गए, माउथ पब्लिसिटी, नुक्कड़ नाटकों, कठपुतली कार्यक्रम, माईकिंग, आशा और एएनएम आदि द्वारा लोगों को घर-घर जाकर जागरूक किया गया। सभी ग्राम पंचायतों पर ई-मित्रों पर और सभी 6 बड़े वॉल स्क्रीन पर कोरोना जागरूकता के वीडियो संदेश प्रसारित किए गए। सोशल मीडिया, प्रिन्ट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से भी जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए जो आज भी निरंतर संचालित है। कोरोना जागरूकता कार्यक्रम आज भी जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार आयोजित किए जा रहे हैं।

दौसा जिले में जिला अस्पताल में कोरोना संक्रमितों का उपचार किया जा रहा है। कोरोना संदिग्धों, प्रवासियों के सैंपल लेने की व्यवस्था जिला मुख्यालय सहित सभी ब्लॉक, सीएचसी और पीएचसी स्तर पर की गई है। जिले में कुल 289 सर्वे टीमें बनाई गई हैं जो पॉजिटिव केस की सूचना मिलते ही सर्वे कार्य में संलग्न होकर जागरूकता फैलाने का कार्य भी कर रही हैं। जिले में कुल 6 आरआरटी टीमें सक्रिय हैं जो कि सक्रिय केस आते ही मौके पर पहुंचती हैं और पॉजिटिव व्यक्ति को तुरंत राजकीय अस्पताल पहुंचाकर उसका उपचार कराती हैं।

दौसा जिले में अब तक कुल 38 क्वारेंटाइन सेंटर बनाए गए हैं, जिनमें कुल 1706 बैड हैं। यहां मरीजों के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। जिले में 6 स्थानों पर कोविड केयर सेंटर बनाए गए हैं, जिनमें कुल 600 बैड लगाए गए है। इसी प्रकार जिले में 17 आइसोलेशन वार्ड बनाए गए हैं जिनमें कुल 212 बैड की व्यवस्था की गई है।

राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले में कोरोना से बचाव एवं नियंत्रण के लिये संचालित विशेष अभियान के दौरान सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा व्यापक प्रचार प्रसार किया गया है। अभियान के दौरान होर्डिंग्स, सनबोर्ड, सनपैक, पोस्टर, स्टीकर्स, पंपलेट्स व मुख्यमंत्री के संदेश के साथ-साथ पंचायत समिति मुख्यालयों व बड़े कस्बों में फ्लेक्स व होर्डिंग्स लगाकर, मनरेगा कार्यों पर प्रचार सामग्री वितरण एवं कोरोना से बचाव व नियंत्रण के प्रचार प्रसार कार्य किए गए। प्रचार सामग्री विकास अधिकारियों, नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारियों व आयुक्त के माध्यम से ग्राम विकास अधिकारियों के द्वारा गांव-गांव, ढ़ाणी-ढ़ाणी, वार्डों एवं मोहल्लों तक वितरित करवाने तथा जानकारी देने का कार्य किया गया। इस दौरान कलाजत्था दल, सामूहिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी आयोजन, उद्घाटन, सोशल मीडिया व प्रिन्ट व इलेक्ट्रोनिक मीडिया के माध्यम से आमजन तक संदेश पहुंचाने का कार्य किया गया है।

कोरोना भगाजो रे

हेमन्त सिंह

झालावाड़ जिले में लॉकडाउन में लगातार छूट के बाद शुरू हुई व्यावसायिक एवं अन्य गतिविधियों के कारण संक्रमण का खतरा काफी कम हुआ है। लोग कोरोना के प्रति लापरवाही नहीं बरतें, इसी उद्देश्य से 21 जून से 7 जुलाई, 2020 तक गांव, ढ़ाणियों, वार्डों एवं मोहल्लो में विशेष जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। कोरोना को हराने की कटिबद्धता के साथ झालावाड़ अभियान में निरंतर आगे बढ़ा है।

जिले में कोरोना महामारी के संक्रमण से बचाव हेतु आमजन को जागरूक करके उद्देश्य से सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय झालावाड़ द्वारा स्थानीय हाड़ौती भाषा में ''कॉमिक बुक'' तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा ''राजस्थान सतर्क है'' फोल्डर का विमोचन तथा स्थानीय हाड़ौती भाषा में एक कोरोना जागरूकता लोक गीत ''कोरोना भगाजो रे'' की लॉन्चिंग खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले एवं जिले के प्रभारी मंत्री रमेश मीना द्वारा की गई। जिला कलक्टर कार्यालय, उपखण्ड, ब्लॉक एवं पंचायत समिति कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, जिला परिवहन कार्यालय में यातायात सलाहकारों, समस्त बैंकों में बैंककर्मियों, आंगनबाड़ी केन्द्रों में कार्यकर्ताओं, आशा सहयोगिनियों, साथिन तथा मनरेगा कार्य स्थलों पर मनरेगा श्रमिकों को कोरोना रोकथाम जागरूकता की शपथ दिलाई गई एवं प्रचार साहित्य के माध्यम से कोरोना संक्रमण की रोकथाम के बारे में जानकारी दी गई। मोबाइल सैम्पल कलेक्शन वैन, जागरूकता वैन, डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहनों तथा संदेश प्रसारण वाहनों के माध्यम से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की जनता को जागरूक किया जा रहा है।

कलक्ट्रेट परिसर में कोरोना जागरूकता हस्ताक्षर अभियान के तहत कोरोना से बचाव के उपायों का पालन करने की शपथ लिखा हुआ कैनवास तैयार कर लगाया गया जिसका शुभारंभ जिला कलक्टर द्वारा हस्ताक्षर कर किया गया। जिले के बाल विकास परियोजना कार्यालयों में कोरोना जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन कर महिलाओं एवं किशोरियों को कोरोना से बचाव के लिए जागरूक किया गया। जिले के शिक्षा आशार्थियों को 'स्माइल पोर्टल' एवं रोजगार आशार्थियों को ''ईएमएस पोर्टल'' के माध्यम से कोरोना वायरस के संबंध में जागरूक करने के लिए जिला कलक्टर की अपील को प्रसारित कराया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के अवसर पर योगाभ्यास का Jhalawardistrictpro फेसबुक पेज एवं Instajhalawar इन्स्टाग्राम पेज पर सीधा प्रसारण कर आमजन की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का अभूतपूर्व कार्य भी झालावाड़ जिले में आयोजित किया।

सैंडआर्ट से जागरूकता संदेश

भानु प्रताप सिंह गुर्जर

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा कोरोना महामारी संक्रमण से बचाव के लिए शुरू किया गया जन जागरूकता अभियान अजमेर जिले में एक मिसाल बन गया। जिले में अभियान को प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और परम्परागत माध्यमों के साथ ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी जोरदार जन समर्थन मिला। पुष्कर सरोवर और आनासागर झील के किनारे बनाई गई कोरोना जागरूकता सैंडआर्ट और सेल्फी विद मास्क अभियान इंटरनेट पर जोरदार वायरल हुए। हजारों लोगों ने कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए स्वयं जागरूक रहने के साथ ही दूसरों को भी प्रेरित करने की शपथ ली। जन जागरूकता अभियान में सोशल साइट्स पर 'अजमेर इज अलर्ट' लगातार ट्रेंड करता रहा।

कोरोना महामारी संक्रमण से बचाव के लिए अजमेर जिले में 21 जून से 7 जुलाई, 2020 तक चलाए गए जागरूकता अभियान को देखो, सुनो, समझाओ की थीम पर चलाया गया । इसके तहत जिला प्रशासन एवं सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग ने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और परम्परागत माध्यमों के साथ ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी अभियान को चलाया गया। अजमेर जिले में परम्परागत माध्यमों के तहत आमजन की भाषा में लोक गीत, नाटक और कव्वाली तैयार कर डिजिटल प्लेटफॉर्म तथा सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शित किए गए। इसके साथ ही कोरोना जागरूकता के लिए डिजिटली चित्र प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वार्ड पंचों एवं सरपंचों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के लिए आमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आमुखीकरण कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क तथा सैनिटाइजर के उपयोग एवं बार-बार हाथ धोने के बारे में बताया गया।

इसी तरह जिला पुलिस ने रैली निकाली एवं वॉक का आयोजन कर कोरोना जागरूकता का संदेश दिया। ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में दीवारों पर नारा लेखन द्वारा नागरिकों को जागरूक किया गया। इसमें आंगनबाड़ी कार्मिकों ने अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। अभियान के तहत जिला प्रशासन एवं सूचना व जनसम्पर्क विभाग द्वारा सेल्फी विद मास्क प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में डिजिटल गीत एवं कविता लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कृषि विभाग द्वारा किसानों को कोरोना संक्रमण से बचाव की जानकारी देकर आवश्यक उपायों के बारे में बताया गया।

अजमेर जिले में दो महत्त्वपूर्ण स्थानों पुष्कर सरोवर तथा आनासागर झील के घाटों पर विख्यात कलाकार अजय रावत द्वारा सैंडआर्ट के जरिए कोरोना जागरूकता संदेश दिया गया। रोड पेंटिंग के माध्यम से भी आमजन को जागरूक किया गया। जिले में विभिन्न स्थानों पर कोरोना से बचाव की शपथ दिलाई गई।

सूचना केन्द्र में आयोजित प्रदर्शनी को भी सभी ने सराहा। इस प्रदर्शनी में जिले में लॉकडाउन की शुरुआत से लेकर अनलॉक तक कोरोना से संघर्ष के पलों तथा कोरोना से बचाव के लिए आवश्यक उपायों को चित्रों के जरिए जीवंत किया गया। इसी तरह विभिन्न स्थानों पर सेल्फी पॉइन्ट, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वारा भित्ती पत्रिका प्रतियोगिता, सोशल मीडिया कैम्पेन एवं स्थानीय महिलाओं व आंगनबाड़ी कार्मिकों द्वारा मांडणा, थाप एवं कल्पना बनाकर आमजन को जागरूक किया गया।

सफल रहा कोरोना जागरूकता अभियान

सुश्री हेमलता सिसोदिया

कोरोना महामारी के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए इस बीमारी के बारे में लोगों को जागरूक करना आवश्यक है। इसी सोच के साथ मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में कोविड-19 जागरूकता अभियान की शुरुआत की। पूरे प्रदेश में यह अभियान 21 जून से 7 जुलाई, 2020 तक चलाया गया। इस अभियान की खास बात रही कि इस अभियान ने प्रदेश के गांव-गांव, ढ़ाणी-ढ़ाणी और मोहल्ले-मोहल्ले तक लोगों को कोरोना महामारी के बारे में जागरूक किया।

उल्लेखनीय है कि शुरुआत में कोविड-19 जागरूकता अभियान की अवधि 21 जून से 30 जून तक थी, पर लोगों का कोरोना जागरूकता के प्रति जबर्दस्त उत्साह देखते हुए इसे बढ़ाकर 7 जुलाई कर दिया गया।

जिला सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय सिरोही की ओर से विशेष जागरूकता अभियान्तर्गत विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के लिए दिनांकवार कार्यक्रम निर्धारित किया जाकर कार्यक्रम पूर्ण किए गए। इसके अतिरिक्त जिले के 14 थाने एवं चौकियाँ तथा विभिन्न विभागों को वितरण किया गया।

इसी प्रकार 21 जून को पंचायत समिति/ग्राम पंचायत, नगरपरिषद्/नगरपालिका कार्यालयों में जनप्रतिनिधियों एवं राजकीय कार्मिकों की बैठक आयोजित कर जागरूकता अभियान की जानकारी उपलब्ध करवाई गयी। राज्य स्तर से प्राप्त सामग्री का वितरण/फिक्सिंग करवाने 22 जून को माननीय मुख्यमंत्री महोदय की ओर से अपील का प्रभारी मंत्री महोदय द्वारा विमोचन, जागरूकता अभियान की जानकारी, 23 जून को प्रभारी मंत्री भंवरसिंह भाटी, आबू-पिंडवाड़ा विधायक समाराम गरासिया, रेवदर विधायक जगसीराम कोली एवं अन्य जन प्रतिनिधि एवं जिले के प्रभारी सचिव सिद्धार्थ महाजन, जिला कलक्टर भगवती प्रसाद एवं जिला पुलिस अधीक्षक कल्याणमल मीणा ने रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद बैठक का आयोजन एवं प्रेसवार्ता भी रखी गई। साथ ही एन.एस.एस., एन.सी.सी., स्काउट ग्राम निगरानी समिति/ग्राम रक्षकदल (नवयुवक मण्डल), स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों व गैर सरकारी संगठनों का सहयोग लेकर ग्राम स्तर पर रैली का आयोजन, 24 जून को ग्राम निगरानी समिति/ग्राम रक्षकदल (नवयुवक मण्डल) के माध्यम से जनसम्पर्क कर जागरूकता का संदेश प्रसारित किया। नरेगा स्थलों पर जागरूकता का संदेश प्रसारित करने के साथ ही सामाजिक संगठनों व गैर सरकारी संगठनों का सहयोग लेकर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता संदेश प्रसारित किया गया।

कोविड-19 जागरूकता अभियान के अंतर्गत तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। 28 जून को जिला सिरोही के शहर, कस्बों और गांवों के मुख्य चौराहों पर रंगोली बनाई गई। आकर्षक रंगोली के साथ कोरोना के संदेशों ने हर किसी का मन मोह लिया। 29 जून को जिला कलक्टर भगवती प्रसाद, जिला पुलिस अधीक्षक कल्याणमल मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी समेत विभिन्न अधिकारियों एवं जिले के लोगों ने मास्क लगाकर अपने मोबाइल फोन से सेल्फी ली और ''मैं सतर्क हूं'' हैशटैग के साथ अपने फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम के अकाउंट पर अपलोड की। इन गतिविधियों को खासतौर पर युवाओं ने काफी सराहा। इंटरनेट की दुनिया में ''मैं सतर्क हूं'' के हैशटैग के साथ राजस्थान सरकार के कोरोना से

बचाव के प्रयासों की प्रशंसा होने लगी है।

जिले के निवासियों ने कोरोना वॉरियर्स की शपथ ग्रहण की और कोरोना महामारी के बीच में अपना कर्तव्य पूरा करने की प्रतिज्ञा ली। इस दिन जनसहयोग से मास्क वितरण के कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

कोरोना महामारी से बचाव के लिए लोगों को जागरूक व प्रेरित करने के लिए 1 जुलाई से एक माह तक चलने वाली प्रदर्शनी जिला सूचना केंद्र पर आयोजित की गई है। इस प्रदर्शनी का सिरोही-शिवगंज विधायक संयम लोढा, रेवदर विधायक जगसीराम कोली एवं जिला कलक्टर भगवती प्रसाद द्वारा शुभारंभ किया गया। प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को कोरोना महामारी से बचने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

प्रदर्शनी में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा तैयार की गई अपील, विज्ञापन और अन्य प्रचार सामग्रियों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी स्थल पर सेल्फी स्टैंड, कोरोना से बचाव का संदेश देती रंगोली, कोरोना के प्रति जागरूक करने वाले ऑडियो-वीडियो संदेश भी युवाओं को काफी पसंद आ रहे हैं।

ग्राम पंचायत/ शहरी निकाय के कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम एवं राज्य से प्राप्त सामग्री के द्वारा जागरूकता प्रदर्शनी का आयोजन एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा अवलोकन, 03 जुलाई को आंगनबाड़ी, आशा कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि ग्राम निगरानी समिति, ग्राम रक्षकदल, स्काउट एवं स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा वृक्षारोपण एवं डोर टू डोर जनचेतना कार्यक्रम, 04 जुलाई को आयुर्वेद विभाग द्वारा काढ़ा पिलाया जाना एवं रोगप्रतिरोधक क्षमता विकास हेतु जन जागरण कार्यक्रम का आयोजन, 5 जुलाई को ग्राम निगरानी समिति/ग्राम रक्षकदल (नवयुवक मण्डल) के द्वारा सार्वजनिक स्थान, तालाब/बावड़ी, सार्वजनिक पेयजल स्थान की सफाई, जागरूकता शपथ एवं नारा लेखन कार्य, 06 जुलाई को ग्राम पंचायत, स्थानीय निकाय, गैर सरकारी संगठन द्वारा जनसम्पर्क कर शेष रहे घरों तक जागरूकता संदेश एवं मुख्यमंत्री अपील का वितरण, 7 जुलाई को ग्राम पंचायत/स्थानीय निकाय के मुख्यालय पर जागरूकता शपथ का आयोजन एवं विशेषतौर पर चिकित्सा विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा घर-घर सम्पर्क द्वारा जागरूकता अभियान के अन्तर्गत पेम्फलेट वितरण एवं आमजन को जागरूक किया गया। डोर- टू-डोर एक्टिव सर्विलेंस किया गया। इसके लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को दायित्व सौंपा जाकर कार्यों को पूर्ण किया गया।

जागरूकता अभियान ने दिखाई सुरक्षित रहने की राह

रचना शर्मा

कोरोना से जंग के लिए जन-जन को जगाने के उद्देश्य से बूंदी जिले में भी राज्य सरकार के निर्देशानुसार विशेष जागरूकता अभियान 21 जून से आरंभ किया गया। गांव-गांव, ढ़ाणी-ढ़ाणी तक जागरूकता संदेशों से युक्त सामग्री पहुंचाई गई जो प्रमुख कार्यालयों, संस्थानों में एक साथ एक ही दिन में लगी और पूरे जिले में जागरूकता की बयार चल पड़ी। जिले में विशेष जागरूकता अभियान का विधिवत् शुभारंभ 22 जून को जिला प्रभारी मंत्री श्री प्रताप सिंह खाचरियावास एवं प्रभारी सचिव श्रीमती मुग्धा सिन्हा के सान्निध्य में हुआ।

जिला प्रशासन के निर्देशन में पूरे जिले में कोविड-19 जागरूकता अभियान व्यापक स्तर पर चलाया जा रहा है। अभियान के पहले चरण में 21 जून से 7 जुलाई तक विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मास्क पहनना, दो गज की दूरी बनाए रखना, बार-बार हाथ धोना जैसी सावधानियां बरतने की जानकारी चित्रों के माध्यम से आमजन को दी गई।

कोरोना से बचाव के तरीके लोक कलाकारों के गायन एवं नृत्य द्वारा आमजन तक पहुंचाने के लिए जागरूकता रथ भी तैयार किया गया जिसे जिला प्रभारी मंत्री ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता रथ ने एक सप्ताह तक पंचायत स्तर तक कोरोना संक्रमण से बचाव के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारियां एवं मुख्यमंत्री महोदय की अपील जन-जन तक पहुंचाई तथा रोचक अंदाज में गायन, वादन एवं नृत्य के माध्यम से जिले भर में जागरूकता का संदेश गुंजाया।

अगले दिन 23 जून को जिलेभर के सरकारी कार्यालयों में कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम एवं बचाव के लिए शपथ का कार्यक्रम रखा गया। इसमें अधिकारियों एवं कार्मिकों को संक्रमण की रोकथाम एवं बचाव की शपथ दिलाई गई।जागरूकता गतिविधियों की कड़ी में 24 जून को स्काउट गाइड, नेहरू युवा केन्द्र एवं स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। विभिन्न विद्यालयों में स्काउटर, गाइडर, ट्रेनिंग काउंसलर्स, मालवीय ओपन रोवर क्रू, बूंदी के रोवर्स तथा स्काउट, गाइड, रेंजर ने करोना से बचाव की जानकारी देकर हस्ताक्षर कराए गए। नरेगा कार्यस्थलों तक जागरूकता संदेश पहुंचाए गए।

अभियान के तहत 25 से 27 जून तक डोर-टू-डोर प्रचार अभियान चलाया गया। इसमें स्काउट गाइड, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी, एएनएम, महिला प्रेरक, सभी स्वच्छताग्राही, स्थानीय जनप्रतिनिधि, सरपंच, ग्राम विकास अधिकारी एवं नगरपालिका पार्षदगणों ने आमजन को संक्रमण से बचाव के लिए बनाए गए नियमों की जानकारी देकर जागरूक किया।

अभियान को नवगति देने के लिए 28 जून से 30 जून तक विशेष गतिविधियां एकरूपता के आधार पर प्रदेश में आयोजित की गई, जिनमें पहला दिन रंगोली के माध्यम से संदेश देना था। जिले की इस गतिविधि में उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। महिला एवं बाल विकास विभाग को मुख्य रूप से रंगोली बनाने का जिम्मा दिया गया था। खूबसूरत रंगों से बनी रंगोली द्वारा जागरूकता के संदेश दिए गए। सामाजिक दूरी, हाथ धोने और मास्क लगाने के संदेश सड़कों, चौराहों पर उतर आए और आमजन को जागरूक करने लगे। आमजन ने इस गतिविधि को खूब सराहा।

29 जून सेल्फी लेकर 'मैं सतर्क हूं' जागरूकता कार्यक्रम में सभी अधिकारियों, आमजन ने सेल्फी लेकर 'मैं सतर्क हूं' अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपलोड कर जागरूकता का संदेश दिया तथा 30 जून को घर-घर में शपथ ली गई। परिवार के साथ मास्क लगाकर लोगों ने शपथ ली और कोरोना से बचाव के उपाय अपनाने के लिए स्वयं जागरूक रहने और अन्य को भी जागरूक करने का संकल्प व्यक्त किया।

कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए आमजन में जागरूकता लाने के लिए एक जुलाई, 2020 को सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय की ओर से आर्ट गैलेरी में जागरूकता प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शन में फ्लेक्स पैनल के जरिए कोरोना से बचाव के उपाय प्रदर्शित किए गए हैं। विभिन्न आयोजित गतिविधियों को भी दर्शाया गया है। अभियान निरन्तर नई गतिविधियों के साथ जारी है। सेल्फी बोर्ड के जरिए आमजन द्वारा मास्क पहनकर फोटो खिंचवाकर जागरूक रहने का संदेश भी बखूबी दिया जा रहा है।

अभियान की निरन्तरता में अब थीम आधारित गतिविधियां की जाएंगी। पहले सप्ताह की थीम ' कोरोना से जंग रंगों के संग' रखी गई है। दूसरे सप्ताह की थीम ' ग्रीन बूंदी सेफ बूंदी' तथा तीसरे सप्ताह के तहत जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना जागरूकता संदेश आमजन तक पहुंचाए जाएंगे।

कोविड-19 जागरूकता अभियान में जोधपुर ने पेश की मिसाल

सोशल मीडिया से जन-जन तक पहुंचाया संदेश

साक्षी पुरोहित

विश्व कोविड-19 महामारी के संक्रमण से संघर्ष कर रहा है। संकट की यह घड़ी हमारे धैर्य और प्रयासों की अग्नि परीक्षा है। इस चुनौती से पार पाने का अगर कोई उपाय है तो वो है खुद की सुरक्षा खुद करना और इसके लिए जरूरी है बचाव के उपायों की जानकारी को जन-जन तक पहुंचाकर हर व्यक्ति को इस महामारी की रोकथाम के प्रति जागरूक करना। राजस्थान में जहां एक ओर कोरोना महामारी से रिकवरी दर देश में सर्वाधिक है तो मृत्यु दर भी अन्य राज्यों के मुकाबले काफी कम है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रिकवरी की दर और बढ़ाने एवं मृत्यु दर को नगण्य स्तर पर लाने के लिए जागरूकता का विशेष अभियान शुरू किया है।

मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप जोधपुर जिले ने जागरूकता के इस अभियान में जो भागीदारी निभाई है, वह उल्लेखनीय है। जिला प्रशासन तथा सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, जोधपुर ने जागरूकता के इस अभियान को विभिन्न नवाचारों एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए घर-घर तक पहुंचाया। लोगों ने भी कोरोना के इस दौर में ऑनलाइन माध्यम से जागरूकता के इस अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी की। करीब 65 हजार लोगों ने कोरोना से बचाव के लिए ऑनलाइन शपथ ली और 2 लाख से अधिक लोग सोशल मीडिया के माध्यम से इस अभियान से जुड़े।

अभियान के तहत किए जा रहे अनूठे नवाचार ना केवल लोगों को लुभा रहे हैं, बल्कि लोग इनमें उत्साह के साथ भागीदार बन रहे हैं। इससे राज्य सरकार का यह अभियान गांव-ढ़ाणी और मोहल्ले तक अपनी पहुंच बना पा रहा है। जोधपुर में नवाचार के तहत जादूगर गोपाल का एक मैजिक शो आयोजित किया गया। यह देशभर में अपने तरीके का पहली बार किया गया नवाचार है, जिसमें जादू के माध्यम से लोगों को मास्क पहनने, आपस में 2 गज दूरी रखने, सार्वजनिक स्थानों पर नहीं थूकने, लक्षण पाए जाने पर तुरंत जांच करवाने, बार-बार हाथ धोने सहित कोरोना संक्रमण से बचाव के विभिन्न उपाय के बारे में बताया गया। साथ ही कच्छी घोड़ी लोकनृत्य के माध्यम से भी कोरोना संक्रमण से बचाव के प्रति जागरूक किया गया।

कोरोना संक्रमण के प्रति जागरूकता के लिए सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय जोधपुर द्वारा जोधपुर डिस्ट्रिक्ट के ऑफिशियल फेसबुक पेज पर कोरोना जागरूकता विषयक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इसी अभियान के पहले दिन मास्क डिजाइन प्रतियोगिता में लोगों ने अपने हाथ से मास्क बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड किया। सर्वश्रेष्ठ मास्क बनाने वाले प्रतिभागियों को अभियान में जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला प्रभारी मंत्री, कृषि मत्स्य, पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया द्वारा सम्मानित भी किया गया। साथ ही 23 जून को कोरोना संक्रमण से बचाव संबंधी फोटो प्रतियोगिता, 24 जून को रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई।

विशेष अभियान में नवाचारों की श्रृंखला में 25 जून को कोरोना को हराना स्लोगन, 26 जून को कविता, 27 जून को कार्टून एवं 28 जून को मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नवाचारों की श्रृंखला में मुख्य बात यह रही कि सम्पूर्ण मैजिक शॉ व कच्छी छोड़ी नृत्य

को जोधपुर जिले के ऑफिशियल फेसबुक पेज के माध्यम से आमजन तक लाइव पहुंचाया गया, जिससे सोशियल डिस्टेंसिंग की पालना के साथ-साथ लोग घर बैठे आनंद मनोरंजन के साथ कोरोना संक्रमण के प्रति जागरूक हो सके। विजेताओं का चयन दो श्रेणियों में ज्यूरी चाइस व व्यूवर्स चाइस के माध्यम से किया गया। दोनों श्रेणियों के तीन-तीन विजेताओं को जनप्रतिनिधि एवं जिला कलक्टर द्वारा नगद राशि व प्रमाण पत्र के साथ सम्मानित किया गया। प्रथम पुरस्कार के रूप में 2100 रुपये, द्वितीय पुरस्कार में 1100 व तृतीय पुरस्कार के रूप में 500 रुपये के साथ प्रशस्ति पत्र भी दिया गया।

वर्चुअल माध्यम से कोरोना जागरूकता का यह अभियान बड़ी तेजी से लोकप्रिय हुआ। इसके प्रति लोगों के उत्साह का अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 2 लाख से अधिक लोग जुड़े। ऐसे कई नवाचार जिला प्रशासन व सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय द्वारा किये जा रहे हैं। इनमें आमजन खासी रुचि दिखा रहे हैं। इस अभियान में किए गए नवाचारों पर 52 हजार से अधिक कमेंट प्राप्त हुए। नवाचारों को सोशियल मीडिया प्लेटफॉर्म से जोड़ने के कारण हजारों लोग आसानी से इस अभियान से जुड़ पा रहे हैं और आपस में एक-दूसरे को जागरूक कर रहे हैं।

नवाचारों की कड़ी में 25 मई को जोधपुर जिला प्रशासन व सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय जोधपुर कोरोना महामारी के संक्रमण को रोकने के लिए अपने आप में अनूठा प्रयास किया। सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, जोधपुर कोरोना से बचाव के लिए शपथ व सर्टिफिकेट तैयार किया गया और एक पोर्टल के माध्यम से जोधपुरवासियों ने कोरोना वॉरियर्स के रूप में कोविड-19 संक्रमण से

बचाव के लिए पूरी तरह से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर शपथ लेकर डिजिटल सर्टिफिकेट प्राप्त किया।

सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, जोधपुर द्वारा ऑडियो बनवाकर एफ एम रेडियो के माध्यम से कोरोना से बचाव के लिए आमजन को जागरूक करने के कारगर प्रयास किये गये। जिसमें ऑडियो जिंगल ''जिसमें हाथ हमेशा धोएंगे दूरी सबसे रखेगें....''लोगों में बहुत लोकप्रिय हुआ। इसी के साथ सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय द्वारा बनाया गया जोधपुर डिस्ट्रिक्ट यूट्यूब पेज पर 30 विडियो तैयार कर उपलब्ध करवाये गये। जिसमें क्वारेंटाइन सेन्टर की व्यवस्था, डोर-टू-डोर दवा वितरण, दुग्ध वितरण, सब्जी वितरण, किराणा वितरण, श्रमिक स्पेशल ट्रेन, प्रवासी मजदूरों के ठहरने व खाने की व्यवस्था सहित कोरोनाकाल में आमजन के लिए लॉकडाउन से लेकर अनलॉक तक की व्यवस्थाओं को प्रदर्शित किया गया।

कोरोना संक्रमण पर विजय हासिल कर स्वस्थ हुए जिले के व्यक्तियों से जोधपुर डिस्ट्रिक्ट फेसबुक पेज के माध्यम से आमजन को रूबरू किया जिसमें आमजन के मन में कोरोना संक्रमण के प्रति भय को दूर करने का प्रयास किया गया। इसमें कोरोना संक्रमण से स्वस्थ हुए व्यक्तियों ने अपने विचार व अनुभव साझा किये। इस रोचक और प्रेरणादायी संवाद को जोधपुरवासियों ने खूब सराहा।

इन्हीं सब नवाचारों के साथ कोविड-19 जागरूकता अभियान के तहत जिला प्रशासन व सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, जोधपुर द्वारा आमजन को कोरोना से बचाव व रोकथाम के लिए सतत् प्रयासों से जागरूक किया जा रहा है।●

जागरूकता पाठशालाओं से वातावरण निर्माण

छाया चौबीसा

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की प्रदेशवासियों को कोरोना से बचाने एवं जागरूक करने की मंशानुरूप डूंगरपुर जिला प्रशासन के निर्देशन में नवाचारों के साथ पूरे जिले में कोविड-19 जागरूकता अभियान व्यापक स्तर पर चलाया जा रहा है। जिला कलक्टर काना राम के निर्देशन में प्रतिदिन संदेशपरक 'टैग लाइन' के साथ विशेष जागरूकता दिवस मनाते हुए विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन के द्वारा जिले में व्यापक स्तर पर चलाये जा रहे कोविड-19 जागरूकता अभियान का ये असर भी दिख रहा है कि आमजन भी स्वतःस्फूर्त इस अभियान का हिस्सा बन रहे हैं।

अभियान के प्रथम दिवस 21 जून को 'योग भगाए रोग' टैग-लाइन के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 'योग दिवस' मनाया गया। इसमें जिला प्रशासन, आयुर्वेद विभाग एवं आईटी के संयुक्त प्रयासों से नवाचार करते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से ऑनलाइन स्ट्रीमिंग से योगाभ्यास किया गया, वहीं योग भवन में आयुर्वेदिक इम्यूनिटी बूस्टर काढ़े का वितरण किया गया। इसके साथ ही आयुर्वेद विभाग डूंगरपुर द्वारा तैयार पीपीटी का भी सोशल मीडिया के माध्यम से प्रजेंटेशन किया गया।

22 जून को 'सावधानी अपनायें, कोरोना को भगायें' टैग लाइन के साथ जिले भर में 'कोरोना जागरूकता पाठशाला' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत शिक्षा विभाग, आईसीडीएस, चिकित्सा एवं महिला अधिकारिता विभाग आदि के माध्यम से मास्क, सोशल डिस्टेंस, सेनिटाइजिंग के बारे में जानकारी देने के लिए पूरे जिले में 'कोरोना जागरूकता पाठशालाओं' का आयोजन किया जा रहा है। इनमें ग्रामवासियों एवं अभिभावकों को सोशल डिस्टेंस के साथ बचाव के बारे में वार्ता, नुक्कड़ नाटक एवं कठपुतली शो के माध्यम से अत्यन्त प्रभावी संदेश दिये गये। नवाचार करते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से ई-प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया जिसमें कोविड-19 विषयक चित्रकला, पेंटिंग आदि प्रतियोगिताओं के आयोजन में बच्चों ने अति उत्साह से भाग लिया तथा पांच सौ से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। कार्यक्रम में बालक-बालिकाओं के द्वारा नुक्कड़ नाटक तैयार कर व्हाट्सएप एवं अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से विद्यार्थियों तक पहुंचाने के नवाचार के साथ ही छात्रावास एवं विद्यालय जहां परीक्षा के लिए बालक-बालिकाएं उपस्थित हैं, उन्हें कोविड-19 से बचाव एवं सावधानियों के बारे में जानकारी प्रदान की गईं।

जिला प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र सिंह यादव के द्वारा 23 जून को 'हम सबने ठाना है, कोरोना को हराना है' टैग लाइन के साथ जिला स्तरीय कार्यक्रम का प्रभावी शुभारंभ किया गया। संभागीय आयुक्त एवं

जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में सोशल डिस्टेंस मॉडल के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के माध्यम से स्थानीय वागड़ी बोली एवं हिन्दी में तैयार प्रचार सामग्री, पपेट वीडियो शो, होम क्वारेंटाइन एनिमेशन फिल्म, कोरोना से सावधानियों का संदेश देती एनिमेशन फिल्म, कोरोना वॉरियर्स प्रेरक गीत, सोशल डिस्टेंसिंग वागड़ी जागरूकता गीत, कोरोना जागरूकता गीत, कोरोना बचाव से सावधानियां एवं महात्मा गांधी नरेगा कार्यस्थल पर अपनाई जाने वाली सावधानियों से संबंधित चित्रकथा आदि का विमोचन किया गया। साथ ही इन फिल्मों का लाइव प्रजेंटेशन भी किया गया। इन प्रचार सामग्री को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 'डूंगरपुर सतर्क है' के माध्यम से व्यापक रूप से प्रसारित कर जागरूकता के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की अपील एवं संदेशों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रोत्साहन स्वरूप कोविड-19 के दौरान योगदान देने वाले प्रमुख भामाशाह एवं एनजीओ का सम्मान भी किया गया।

पूरे जिले के लिए पांच चिकित्सा ब्लॉक में से प्रत्येक में दो जागरूकता रथों के माध्यम से कोरोना महामारी से संक्रमण एवं बचाव के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार किया जा रहा है।

अभियान के तहत जिले में चिकित्सा विभाग के माध्यम से 24 जून को 'विशेष मेडिकल कोविड चौपाल दिवस' का आयोजन किया गया। निर्धारित संख्या में गांव के गणमान्य, समाजसेवी, जनप्रतिनिधियों, महिलाओं आदि को आमंत्रित कर सोशल डिस्टेंस के साथ हैल्थ चेकअप, निरोगी स्वास्थ्य के लिए वार्ता, मास्क, साबुन से बार-बार हाथ धोने, सोशल डिस्टेंस पर कार्यशाला आयोजित की गई। इन चौपालों में सकारात्मक नजरिये के लिए नवाचार करते हुए कोरोना पॉजिटिव से नेगेटिव हो चुके लोगों से 'सफलता की कहानी, उन्हीं की जुबानी' का भी आयोजन किया गया, जिससे आमजन के मन में कोरोना को लेकर हुए भय को दूर किया जा सके और आमजन में कोरोना पॉजिटिव हुए लोगों के प्रति नजरिया भी बदला जा सके।

करौली

प्रदर्शनी से जिलेवासी हुए कोरोना बचाव के प्रति जागरूक

धर्मेन्द्र कुमार मीना

राज्य सरकार के निर्देशानुसार कोविड-19 कोरोना महामारी के संक्रमण से आमजन के बचाव हेतु सूचना केन्द्र में जिला स्तरीय ''जन जागरूकता प्रदर्शनी'' का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ राजपूत रेजीमेन्ट के शहीद सूबेदार रघुनाथसिंह की वीरांगना श्रीमती महाराजी देवी ने विधिवत फीता काटकर किया। प्रदर्शनी शुभारंभ के पश्चात् डॉ. मोहनलाल यादव एवं जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार ने शॉल ओढ़ाकर मिठाई एवं गुलदस्ता भेंट कर सम्मान किया। इसके पश्चात् श्रीमती महाराजी देवी ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से रंगोली भी बनाई गई। जिसको आमजन ने बहुत सराहा व अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने की बात कही। आमजन कोरोना वायरस संक्रमण के बचाव के प्रति सतर्क व जागरूक रहें इसी उद्देश्य से विभिन्न ग्रामों के अधिक से अधिक ग्रामीणों ने जन जागरूकता प्रदर्शनी को उत्साह से देखा और कोरोना वायरस से बचाव के महत्त्व को समझा। ग्रामीणों ने गांव के अन्य लोगों को भी जागरूक करने की बात कही और आयुर्वेदिक काढ़ा भी पिया जिससे कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाया जा सके। प्रदर्शनी में जिला प्रशासन के सहयोग से प्रतिदिन बस के द्वारा ग्रामीणों को लाया जा रहा है एवं उनके द्वारा अवलोकन कर कोरोना की गंभीरता को समझकर गांव में लोगों को इसके प्रति जागरूक करने के प्रयास का संकल्प भी दिलवाया जा रहा है। इसके बाद उनको प्रशासन के सहयोग से खाना भी खिलाकर पुन: बस के द्वारा गांव भिजवाया जा रहा है। जिला स्तर पर प्रदर्शनी अवकाश के दिन भी आमजन के लिये खुली रहती है।

प्रदर्शनी के दौरान आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न स्कूल के छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर कोरोना वायरस से बचाव के संबंध में चित्रकला के माध्यम से संदेश दिया। इसके अलावा नेहरू युवा केन्द्र के समन्वय के साथ नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में कोरोना से बचाव के प्रति आमजन को जागरूक किया गया।

मुख्यमंत्री की अनूठी पहल को दिया पूरा सम्मान

स्वास्थ्य के प्रति जागरूक दिखे लोग, अन्य लोगों को कर रहे प्रेरित

कमलेश शर्मा

प्रदेश को कोरोना से बचाने एवं इसके लिए जन-जागरूकता लाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की पहल पर चलाए जा रहे कोविड-19 विशेष जागरूकता अभियान को उदयपुर जिले में पूरा सम्मान दिया गया है। गांव-गांव तक पहुंचे मुख्यमंत्री के संदेश से प्रेरित होकर जनजाति बहुल इस अंचल में लोग खुद स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होकर अन्य लोगों को भी प्रेरित कर रहे हैं।

जिला कलक्टर श्रीमती आनन्दी के निर्देशानुसार उदयपुर जिले के गांव-गांव, ढ़ाणी-ढ़ाणी तक प्रचार सामग्री के रूप में मुख्यमंत्री का संदेश और कोरोना जागरूकता का अभियान पहुंच चुका है। स्थानीय अधिकारियों-कार्मिकों सहित वहां के लोग भी कोरोना से बचने के लिए इस जागरूकता अभियान में अपनी पूर्ण भागीदारी निभा रहे हैं।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा जिले की समस्त ग्राम पंचायतों एवं नगर निकायों के लिए विशेष बहुरंगी प्रचार साहित्य तैयार कर भिजवाया गया है। आकर्षक स्लोगन के साथ कम शब्दों में तैयार किया गया प्रचार साहित्य ग्राम्यांचल में लोगों को आकर्षित कर रहा है। इस प्रचार साहित्य के तहत सनबोर्ड, सनपैक, 2 तरह के पोस्टर, स्टीकर तथा मुख्यमंत्री महोदय की विशेष अपील शामिल है। पेम्फलेट व अपील का वितरण एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व आशा सहयोगिनियों के द्वारा किया जा रहा है वहीं सनबोर्ड, सनपैक, पोस्टर व स्टीकर्स इत्यादि अन्य सामग्री प्रमुख सार्वजनिक स्थानों और सरकारी कार्यालयों में प्रदर्शित किए गए हैं। गांव की चौपाल, सार्वजनिक स्थान, मंदिर, अधिक जनभागीदारी वाले क्षेत्र, चाय की थड़ी, सब्जी की स्टॉल, राशन वितरण केन्द्र आदि प्रमुख स्थान जहां ग्रामीणों की आवाजाही अधिक रहती है, वहां प्रचार-प्रसार सामग्री के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इस विशेष अभियान में ग्रामीण जन भी पूर्ण भागीदारी निभा रहे हैं। यहां तक कि ग्रामीणों ने अपने घर की दीवारों पर ये पोस्टर्स लगवाए हैं ताकि वे अपने पड़ोसियों एवं अन्य ग्रामीणों को जागरूक कर सकें।

जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में चल रहे मनरेगा कार्यों में भी कोरोना जागरूकता अभियान की विशेष छाप दिखाई दी। यहां कार्य कर रहे श्रमिकों ने प्रचार सामग्री को हाथों में पकड़कर एकजुटता के साथ इस बीमारी से बचने के लिए जागरूक रहने का संदेश दिया। सभी श्रमिकों ने इस अभियान में निहित संदेश को अपने घर, गांव एव समाजजनों तक पहुंचाने का बीड़ा भी उठाया।

मुख्यमंत्री के इस अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ ही जागरूकता संदेश को सम्पूर्ण क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए जिले के विभिन्न ब्लॉक्स में जागरूकता रथ का संचालन भी किया जा रहा है। इस रथ के माध्यम से संबंधित ब्लॉक की समस्त ग्राम पंचायतों में पहुंचकर पेम्फलेट व अन्य प्रचार सामग्री वितरित की जा रही है तथा रथ के चारों तरफ पोस्टर्स, स्टीकर्स, बैनर आदि के माध्यम से भी जागरूकता संदेश को लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। रथ के ऊपर माइक सिस्टम के माध्यम से भी आमजन को जागरूक किया जा रहा है।

नुक्कड़ नाटको से गाँव-ढ़ाणी में दिया संदेश

ब्रजेश कुमार सामरिया

कोरोना जागरूकता अभियान का संदेश सवाईमाधोपुर जिले के प्रत्येक गांव-ढ़ाणी, वार्ड, मौहल्लों में पहुंचा है। अभियान के दौरान कोरोना जागरूकता रथ शहरी क्षेत्रों के साथ ही 78 से अधिक गांवों, कस्बों में पहुंचा जिसका हजारों लोगों ने लाभ उठाया।

जिला प्रभारी मंत्री श्री टीकाराम जूली ने 22 जून को कलेक्ट्रेट में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में कोरोना जागरूकता रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के संदेश, पोस्टर, पेम्फलेट आदि का विमोचन किया। कार्यक्रम में खण्डार विधायक श्री अशोक बैरवा प्रभारी सचिव श्रीमती श्रेया गुहा, जिला कलेक्टर श्री नन्नूमल पहाडिया, पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर चौधरी, कोरोना वारियर्स भी उपस्थित रहे। जिले के सभी राजकीय कार्यालयों में कार्मिकों को 22 जून को कोरोना जागरूकता शपथ दिलवायी गई। सभी राजीव गांधी सेवा केन्द्रों पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी शपथ ली।

जागरूकता अभियान के अंतर्गत औद्योगिक इकाईयों के कार्यालय, फैक्ट्री, कृषि उपज मण्डी में भी सोशल डिस्टेंसिंग के साथ कोरोना जागरूकता शपथ दिलाई गई। चौथ का बरवाडा क्रय विक्रय सहकारी समिति की ओर से किसानों और उपभोक्ताओं को मास्क का नि:शुल्क वितरण किया गया तथा सभी को जागरूकता अभियान की जानकारी दी गई एवं शपथ दिलवायी गयी। अभियान के दौरान जिला मुख्यालय पर पुलिस अधिकारियों और जवानों ने जागरूकता बाइक रैली निकाली। स्कूली विद्यार्थियों की कोरोना जागरूकता संबंधी चित्रकला व निबंध प्रतियोगिता आयोजित हुई। आंगनबाडी केन्द्रों की महिलाओं, राजीविका के स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं तथा अन्य लोगों ने जागरूकता अभियान के तहत रंगोली सजाई तथा जागरूकता के स्लोगन लिखकर कोरोना से बचाव के लिए आमजन को जागरूक किया। जिले मे ''मैं सतर्क हूँ'' के अन्तर्गत सेल्फी अभियान भी चला।

जिले के सभी उपखण्ड, थाना, ग्राम पंचायत स्तर पर भी जागरूकता मार्च निकाला गया। इसी दिन जिले के प्रत्येक मनरेगा कार्य स्थल पर लाइव डेमों में श्रमिकों को हाथ धोने के सही तरीके की जानकारी दी गई। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ, राजीविका के स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, एएनएम तथा महिला अधिकारिता विभाग की साथिनों ने घर-घर पहुंचकर महिलाओं से संपर्क किया तथा महिलाओं को स्वयं तथा अपने परिवार को कोरोना से बचाव के लिए जागरूक किया। महिला अधिकारिता विभाग के तत्वावधान में सभी ग्राम पंचायतों में महिलाओं की जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन हुआ। जिले की सभी ग्राम पंचायतों में दीप श्रृंखला बनाकर सरकारी कार्मिकों, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं, सहायिकाओं, साथिनों और आमजन ने कोरोना से न डरने तथा पहले से भी अधिक जागरूक और चौकस रहने का संकल्प लिया। शिक्षा विभाग, स्काउट और नेहरू युवा केन्द्र ने जिले के विभिन्न स्थानों पर कोरोना जागरूकता नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया। कलेक्ट्रेट में आयोजित समारोह में डीएम और एसपी ने जागरूकता अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने वाले 55 लोगों को सम्मानित किया। सवाईमाधोपुर और गंगापुर सिटी नगरपरिषदों ने कोरोना जागरूकता संदेश लिखे कपड़े के कैरी बैग आमजन को वितरित किये।

गांव-गांव रंगोली से जागरण

कल्पना डिंडोर

वैश्विक महामारी कोरोना से बचाव के लिए राज्य सरकार द्वारा जून माह में चलाए गए दस दिवसीय जागरूकता अभियान के तहत बांसवाड़ा जिले के 11 ब्लॉक में कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए आमजन को सोशल डिस्टेन्स का पालन, नियमित रूप से मास्क पहनने एवं बार-बार हाथ धोने की प्रक्रियाओं को जीवन का हिस्सा बनाने के संदेश का प्रचार-प्रसार किया गया।

कोरोना की महामारी से बचाव के लिए आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से संचालित कार्यक्रम का आगाज 22 जून को जिला स्तर पर प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र सिंह यादव के मुख्य आतिथ्य में शहर के हरिदेव जोशी रंगमंच से किया गया। जिले के प्रमुख जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ बांसवाड़ा शहर क्षेत्र के पार्षदों, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों ने इसमें हिस्सा लिया तथा कोरोना से बचाव के लिए सावधानी एवं सतर्कता का संकल्प लेकर जनजागरण का शंखनाद किया। इस मौके पर जनजागरूकता के उद्देश्य से चिकित्सा विभाग एवं बांसवाड़ा नगर परिषद् द्वारा दो जागरूकता रथों को प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जिले व शहर के भ्रमण के लिए प्रभारी मंत्री द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विधाओं से जनजागरण के प्रयासों के तहत जिला सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय द्वारा कोरोनाकाल में किए गए अथक प्रयासों पर आधरित प्रदर्शनी भी समारोह स्थल पर लगाई गई। प्रदर्शनी का प्रभारी मंत्री के साथ जिला कलक्टर कैलाश बैरवा, जिला पुलिस अधीक्षक केसरसिंह शेखावत, पूर्व राज्यमंत्री एवं बागीदौरा के विधायक महेन्द्रजीत सिंह मालवीया, पूर्व विधायक एवं महात्मा गांधी150 वीं जीवन दर्शन समिति के जिला संयोजक रमेशचन्द्र पण्ड्या, सह-संयोजक विकेश मेहता, समाजसेवी चांदमल जैन, बांसवाड़ा नगर परिषद् के सभापति जैनेन्द्र त्रिवेदी सहित जिले के जनप्रतिनिधियों, पार्षदों, जिला स्तरीय अधिकारियों आदि ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस मौके पर आमजन को कोरोना से बचाव के लिए कलाकार आशीष शर्मा द्वारा बनाई गई कोरोना विषयक रंगोली भी खासा आकर्षण का केन्द्र रही। इसके अलावा जिला स्तरीय कार्यक्रम के आरम्भ में ही कलाकारों द्वारा स्थानीय भाषा वागड़ी में संवाद के आधार तैयार की

गई प्रस्तुति के प्रदर्शन ने अतिथियों एवं उपस्थित लोगों को कोरोना से बचाव के लिए सोचने को विवश कर दिया। कार्यक्रम के दौरान जिला आयुर्वेद विभाग ने भी कोरोना से बचाव के लिए जागरूकता के उद्देश्य से पोस्टर जारी किया गया जिसका विमोचन प्रभारी मंत्री द्वारा किया गया साथ ही आयुर्वेद विभाग द्वारा आमजन को कर्पूरधारावटी का वितरण भी किया गया। स्वयंसेवी संस्था बड़ौदा आर. सेठी द्वारा उपस्थित अतिथियों एवं लोगों को नि:शुल्क मास्क वितरण कर कोरोना से सजग रहने का संदेश दिया गया।

जिला स्तर पर जागरूकता के शंखनाद के साथ जागरूकता कार्यक्रम का ब्लॉक स्तर पर शंखनाद राज्य के जनजाति विकास राज्यमंत्री अर्जुनसिंह बामनिया द्वारा किया गया। जिले के विभिन्न ब्लॉक्स में जनजाति विकास राज्यमंत्री अर्जुनसिंह बामनिया के मुख्य आतिथ्य में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर गांव-गांव, ढ़ाणी-ढ़ाणी कोरोना से बचाव सतर्कता और सावधानी, मास्क पहनने, बार-बार हाथ धोने, सोशल डिस्टेन्स को अपनाने का आह्वान किया गया। इस मौके पर ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम में कोरोना संक्रमण के दौरान जिले का हॉट स्पॉट बन चुके कुशलगढ़ क्षेत्र में सेवाएं देने वाले कोरोना वॉरियर्स की हौसला अफजाई के लिए ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम में जनजाति विकास राज्यमंत्री द्वारा 60 कोरोना वॉरियर्स को मोमेन्टो एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी के साथ अन्य ब्लॉकों में भी कोरोना वॉरियर्स की सेवाओं की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कोरोना वॉरियर्स का सम्मान किया गया।

इसके अलावा दस दिनों के जागरूकता अभियान के तहत जिले के विद्यालयों में बोर्ड परीक्षा आयोजन के दौरान भी जागरूकता संदेशों का संवहन करने का कार्य किया गया।

जागरूकता अभियान के तहत राज्य स्तर से प्राप्त प्रचार-प्रसार सामग्री को ग्राम पंचायत के ढ़ाणी-मोहल्ले तक आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं, एएनएम, आशा सहयोगिनी, ग्राम विकास अधिकारी, पटवारी, ग्राम सरपंच, वार्ड पंचों आदि के सहयोग से आमजन तक पहुंचाया गया, साथ ही प्रचार-प्रसार सामग्री को जिला एवं ब्लॉक स्तर के प्रमुख विभागों, चौराहों एवं मुख्य स्थलों पर चस्पा कर आमजन को जागरूक करने का कार्य किया गया।

इसके अलावा जनजागरण के लिए बेणेश्वर संस्थान के कलाकारों द्वारा गांव-गांव में जनजागरण संबंधी नुक्कड़ नाटक सहित साहित्यिक कार्यक्रमों के माध्यम से कोरोना से बचाव के संदेश का सम्प्रेषण किया गया।

विशेष जागरूकता अभियान के तहत शहर व ग्रामीण कस्बों में मुख्य चौराहों पर कोरोना से बचाव से संबंधित रंगोली बनाकर कोरोना से बचाव का संदेश आमजन को दिया गया। इसी शृंखला में बांसवाड़ा शहर के विवेकानंद चौराहे, नगर परिषद् परिसर में कोरोना से बचाव से संबंधित रंगोली कलाकार आशीष शर्मा द्वारा बनाई गई। इसी के साथ ही 'मैं सतर्क हूं' अभियान के तहत लोगों ने अपनी-अपनी सेल्फी लेकर फेसबुक पर अपलोड की।

जागरूकता नवाचारों से सफलता की राह

मुकुल मिश्रा

जालोर जिला लॉकडाउन की घोषणा के बाद 46 दिनों तक ग्रीन जोन में रहा। जिले में आमजन को जागरूक करने के लिए चलाए गए विशेष अभियान के अंतर्गत जन-जन को स्वास्थ्य की दृष्टि से कोरोना संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिये शहर के मुख्य जिला चिकित्सालय के चौराहे पर सायं बेला में जिला कलक्टर हिमांशु गुप्ता ने अपनी प्रशासनिक टीम एवं जन साधारण के सहयोग से दीपदान कर भव्य शुरुआत की। सप्ताहभर जिला एवं उपखंड ग्रामीण स्तर पर विद्यार्थियों के लिये पोस्टर, स्लोगन प्रतियोगिताएं जन-जागृति रैलियां निकाली गईं।

सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय परिसर में एक जुलाई को कोविड-19 जागरूकता प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में कोरोना संक्रमण प्रोटोकॉल, गाइडलाइन्स, मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग की पालना आदि बचाव उपायों का प्रदर्शन फ्लेक्स व बैनर्स के माध्यम से कर नागरिकों को जागरूक करने की पहल हुई।

जिले में जनता को कोरोना संक्रमण से बचाव के लिये पर्याप्त प्रशिक्षण देने के साथ ही आमजन के लिए मास्क की अनिवार्यता और सरकार द्वारा समय-समय पर जारी एडवाइजरी की पालना कराने के लिये आमजन को निरन्तर जागरूक किया जा रहा है। विशेष अभियान का बड़ा असर यह भी रहा है कि शहर एवं ग्रामवासी स्वयं इतने सावचेत और जागरूक हो गये हैं कि होम क्वॉरेंटाइन के नियम का पालन नहीं करने वालों को पाबन्द करने के साथ स्वयं निगरानी रखने लगे हैं और उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों की सूचना तुरन्त प्रशासन को देते हैं।

यह भी महत्त्वपूर्ण है कि कोरोना वॉरियर्स नवाचार प्रबंधन भी जिले में काफी सफल रहा। काफी संख्या में जिलेवासी इस व्यवस्था से लाभान्वित हुए और ग्रामीण क्षेत्रों में संक्रमण को फैलने से रोका जा सका। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कार्मिकों को टीमवर्क भावना और महामारी को नियंत्रिण करने के लिये ठोस कदम उठाये गये। घर-घर जाकर स्क्रीनिंग की जा रही है। सैम्पलिंग लेने की प्रक्रिया भी तेज हुई है। जालौर में मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के विशेष प्रयासों से कोविड-19 जांच लैब शुरू होना इस दिशा में महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।

कोरोना संक्रमण की रोकथाम एवं जागरूक उपचार प्रबन्धन को और मजबूत बनाने के लिये प्रभावी मॉनिटरिंग, सशक्त टीम वर्क और कार्मिकों का कोरोना से लड़ने का हौसला बरकरार रखने के लिये मृत्यु भोज पर प्रतिबन्ध लगा दिया है। इतना ही नहीं मन्दिरों में सावन मास की पूजा करने के लिये भी मना किया गया है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने घरों में ही पूजा-अर्चना करें। भीड़ की स्थिति नहीं बनाये। सावचेत होकर स्वयं एवं अपने परिवार को सुरक्षित रखें।

विकास के राष्ट्रीय नक्शे पर जालौर

–अविनाश चौहान

जोधपुर संभाग के जिले जालौर में पिछले कुछ समय के दौरान ही विकास के नए कीर्तिमान स्थापित हुए हैं। कोरोना से बचाव के लिए लोक माध्यमों का प्रयोग करते हुए जिले के 40 हजार गांवो और 7 हजार 500 नगरीय वार्डों में विशेष अभियान के तहत जन-जन को जागरूक करने की पहल की गयी है। इसी से इस अभियान में अधिकाधिक जनसहभागिता हुई है, पर विशेष बात यह है कि अल्प समय में ही राष्ट्रीय स्तर पर इस जिले की अपनी विशिष्ट पहचान भी बनी है।

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में चहुंमुखी विकास के नये द्वार खोलते तत्कालीन जिला कलक्टर श्री महेन्द्र सोनी ने सुचिंतित दृष्टि से जिले में अल्प समय में ही बहुत से ऐसे काम किए जिनसे आज यह जिला राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना चुका है।

- **40 हजार गांवों और 7500 नगरीय वार्डों में कोरोना जागरूकता के लिए उठाए कदम**
- **पालनहार और पेंशन योजना में प्रथम स्थान**
- **शिशु लिंगानुपात में हुई ऐतिहासिक वृद्धि**
- **गैर ऋणी कृषकों का बीमा करवाने में राज्य का 80 प्रतिशत अकले जालौर में**
- **टिड्डी नियंत्रण के प्रयासों की हुई देशभर में सराहना**
- **रूबेला टीकाकरण में 102 प्रतिशत उपलब्धियाँ**
- **बेटी बचाने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों की देशभर में हुई गूंज**
- **जल शक्ति अभियान कार्यक्रम में जालौर के देशभर में हुए चर्चे**

पूरे राज्य में गैर ऋणी कृषकों का बीमा करवाने में जालौर देशभर में अव्वल रहा है। राजस्थान की बात करें तो अकेले जालौर जिले में पूरे राज्य का 80 गैर ऋणी कृषकों का बीमा हुआ है। यह तब हुआ है जब 300 करोड़ से ज्यादा के क्लेम पूर्व में केन्द्रीय स्तर पर खारिज कर दिये गये थे। तत्कालीन कलेक्टर श्री महेन्द्र सोनी ने इस पर राज्य सरकार के माध्यम से भारत सरकार में इसकी जोरदार पैरवी की और बीमा कंपनी पर भी इस तरह से दबाव डाला गया कि किसानों के खाते में सीधे राशि देने की शुरुआत आखिर हुई। इसी तरह किसानों को बीमा क्लेम दिलाने में भी जालोर देशभर में पहले स्थान पर रहा है। टिड्डी नियंत्रण के लिए भामाशाहों के सहयोग से जिले में किये गये प्रयासों से फसल की नुकसान को रोके जाने में भी अभूतपूर्व मदद मिली। केन्द्रीय अध्ययन दल ने बाकायदा इसके लिए राज्य सरकार और जालौर के तत्कालीन कलक्टर श्री महेन्द्र सोनी के प्रयासों की सराहना की। समाजिक कल्याण की विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन भी जिले में इस दृष्टि से किया गया कि जिले के हर पात्र व्यक्ति को उनका लाभ मिला। तत्कालीन जिला कलक्टर श्री सोनी के कुशल प्रबंधन, सतत् मोनिटरिंग और जिले के हर व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं से लाभ दिलाने की वैयक्तिक मंशा के कारण ही यह संभव हो सका।

बहरहाल, जालौर जिले में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत बेटी बचाने के लिये तत्कालीन कलक्टर श्री सोनी के नेतृत्व में अभूतपवूर्व जागरूकता अभियान भी चलाया गया। इस दौरान सतत् मॉनिटरिंग की गई और इसी से वर्ष 2011 की जनगणना मे शिशु लिंगानुपात जो (0 से 6 वर्ष) 885 था वह बढ़कर वर्ष 2018-2019 में 974 (प्रति हजार) पहुंच गया। भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा बाकायदा इसके लिए जालौर जिला प्रशासन को सम्मानित किया गया। इसी तरह मिजल्स रूबेला टीकाकरण अभियान मे जिले ने आंवटित लक्ष्य के मुकाबले 102 प्रतिशत उपलब्धि अर्जित कर राज्य मे प्रथम स्थान प्राप्त किया। जालौर के अस्पताल को राष्ट्रीय स्तर के मानकों पर खरा उतरने और राज्य स्तर पर प्रथम आने पर भारत सरकार द्वारा कायाकल्प पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। जिले में मेडिकल कॉलेज की घोषणा के साथ ही तुरंत प्रयास कर इसके लिए 50 बीघा भूमि का आवंटन किया गया। यही नहीं कॉलेज से संबंधित विभिन्न पदों के लिए भी तत्कालीन कलक्टर श्री महेन्द्र सोनी के प्रयासों से महत्ती सफलता मिली और कॉलेज को 142 से अधिक पद त्वरित मिल सके।

जालौर जिले की भाद्राजून और थांवला की ऐतिहासिक प्रसिद्ध बावड़ियों के कायाकल्प व पुनर्जीवित कर जनोपयोगी बनाने का कार्य भी पूर्व जिला कलक्टर महेन्द्र सोनी के समय में हुआ। जल शक्ति अभियान के तहत स्वयं देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ''मन की बात'' कार्यक्रम मे जालौर जिले में हुए जल शक्ति कार्यक्रम की सराहना की। इसी तरह फसल कटाई शत प्रतिशत मोबाइल एप्प के माध्यम से कर जालौर जिले ने राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिससे अब आने वाले समय मे प्रधानमंत्री फसल बीमा का क्लेम लेने में किसानों को कोई समस्या नहीं आयेगी। राज्य सरकार द्वारा संचालित फ्लैगशिप योजनाओं में से महत्त्वपूर्ण पालनहार और सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में भी जिला प्रथम स्थान पर रहा है।

भौगोलिक विषमताओं के बावजूद जालौर जिला निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है।

कोरोना पर करेंगे वार, हम करेंगे हर चुनौती पार

ऋतु सोढ़ी

कोविड-19 संक्रमण एवं बचाव के लिये आमजन में जागृति के लिये श्रीगंगानगर में 21 जून से 7 जुलाई, 2020 तक जनजागृति अभियान चलाया गया। इस अभियान में जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीण स्तर तक आमजन में कोविड-19 से बचाव को लेकर विशेष जनजागृति पैदा की गई।

21 जून को विश्व योग दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय पर क्वारेंटाइन सेन्टर (चितलांगिया धर्मशाला, प्रेरणा धर्मशाला) में योग एवं ध्यान करवाकर स्वयं को मजबूत बनाने के लिये एक अभूतपूर्व प्रयास किया गया। ध्यान एवं योग द्वारा अपने शरीर पर नियंत्रण पाकर किसी भी बीमारी से लड़ने की क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। श्रीगंगानगर में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा उठाया गया यह कदम अपने आप में अनूठा रहा।

जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, श्रीगंगानगर द्वारा कोविड-19 से बचाव को लेकर तीन गीत तैयार किये गये। इन गीतों को जागरूकता रथ में प्रतिदिन चलाया जाकर गांव-गांव, ढ़ाणी-ढ़ाणी एवं शहर में आमजन को जागरूक किया गया। सूरतगढ़ आकाशवाणी द्वारा तत्कालीन जिला कलक्टर श्री शिवप्रसाद एम. नकाते की रेडियो वार्ता प्रसारित की गई, जिसमें जिला कलक्टर ने आमजन को सफाई का विशेष ध्यान रखने, सार्वजनिक स्थलों पर थूकना प्रतिबंधित है, किसी नागरिक को खांसी आने पर स्वयं सावधानी बरतने, अन्य नागरिकों से दूरी बनाने, 60 वर्ष से अधिक नागरिक, गर्भवती महिलाएं व बच्चों को अधिक सावधान रहने तथा घर से न निकलने पर जागरूक रहने की सलाह दी। उन्होंने इस वार्ता में कहा कि कार्यालयों में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए तथा फर्श, रेलिंग और फर्नीचर को प्रतिदिन साफ कराना अतिआवश्यक है। इस रेडियो वार्ता से जनता को जागरूक करने में बहुत मदद मिली है।

आमजन में जागरूकता के लिये श्रीगंगानगर शहर की 6 वर्षीय बालिका अवनी अरोड़ा जो प्रथम कक्षा में अध्ययनरत है, ने हाथ धोने की महत्ता को बताने वाली एक आर्कषक चित्रकारी तैयार की। बालिका ने अपने पिता श्री हरीश अरोड़ा के साथ जिला कलक्टर कार्यालय पहुंचकर जिला कलक्टर श्री शिवप्रसाद एम. नकाते को पेंटिंग भेंट की। लॉकडाउन के दौरान खाली समय का सदुपयोग करने के लिये अवनी अरोड़ा ने जनजागरूकता के लिये पेंटिंग बनाने की सोची। नन्हीं बालिका ने पेंटिंग में संदेश दिया है कि ''आपने अपने हाथ धोये ? अगर नहीं..... तो ध्यान रखें कि स्वच्छ हाथ, स्वस्थ हाथ'' है। ''मास्क अवश्य पहनें'' थीम पर पेन्सिल स्केच बनाकर महिलाओं को संदेश दिया कि ''मास्क बना जीवन का गहना, वहीं स्वस्थ जिसने है पहना''।

''मैं सतर्क हूँ'', थीम पर सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय में सेल्फी पाइंट बनाकर मीडिया एवं आमजन को सेल्फी लेकर ट्विटर, फेसबुक, व्हाट्सएप आदि के माध्यम से जिले व गांव तक अपनी बात पहुंचायी गई कि अब जिले का प्रत्येक नागरिक सतर्क व कोविड-19 से बचाव के लिये कृत-संकल्प है। सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय ने सामाजिक संगठनों के सहयोग से पेम्फलेट्स, इम्युनिटी बूस्टर व मास्क, ऑटो रिक्शा वालों तथा राहगीरों को वितरित कर जागरूक किया। शहर में पान की दुकानों व किराणा की दुकानों पर भी पोस्टर चस्पा कर नागरिकों को जागरूक रहने की प्रेरणा दी गई।

जिला सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय ने कविता ''कोरोना पर करेंगे वार, हम करेंगे हर चुनौती पार'' लिखकर सोशल मीडिया पर अपलोड की तथा सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में फ्लैक्स के माध्यम से प्रदर्शित भी किया। जिले में विभिन्न स्थानों पर रंगोली के माध्यम से भी कोरोना से बचाव को लेकर आमजन में जागृति लाई गई। इसी प्रकार रेलवे स्टेशन पर दीपोत्सव भी मनाया गया। मेडिकल ऐसोसिएशन द्वारा जिले में प्रत्येक केमिस्ट शॉप पर पोस्टर चस्पा किये गये। सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय में मीडियाजनों को शपथ दिलाई गई कि वे प्रिन्ट व इलेक्ट्रोनिक माध्यमों से जनता को अधिक से अधिक जागरूक करेंगे।●

जागरूकता अभियान लाया आमजन के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव

विवेक जादौन

कोरोना थमे, लेकिन जीवन की गति न थमे- इस लक्ष्य को लेकर मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की दूरदर्शी सोच एवं भावना को लेकर चलाया गया प्रदेशव्यापी ''कोविड-19 संक्रमण बचाव एवं रोकथाम जागरूकता अभियान'' भरतपुर जिले में जन-जन को इस महामारी के बारे में जागरूक करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ है।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में नेचर वॉक, ध्यान, प्राणायाम, योग एवं आयुर्वेद के माध्यम से निरोगी राजस्थान का संदेश देकर और इस महामारी से बचाव एवं रोकथाम का संकल्प दिलाने के लिए जागरूकता शपथ के साथ इस अभियान का शुभारम्भ हुआ। जैसे-जैसे दिन गुजरते गये, यह अभियान व्यापक जनसहभागिता के अद्भुत प्रकल्प में परिवर्तित होता गया। राजकीय कर्मचारियों, न्यायिक अधिकारियों एवं कार्मिकों, महात्मा गांधी नरेगा श्रमिकों, औद्योगिक कामगारों, व्यापारियों, कृषकों, बैंककर्मियों, चिकित्साकर्मियों सहित सभी ने इस अभियान से जुड़कर कोरोना महामारी की चेन तोड़ने का सामूहिक संकल्प लिया। अभियान अवधि में करीब 2 लाख से अधिक लोगों ने कोरोना संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम सम्बंधी जागरूकता शपथ ली। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा तैयार करवायी गयी जागरूकता प्रचार सामग्री को चस्पा करने एवं वितरण की शुरुआत स्वयं जिला कलक्टर श्री नथमल डिडेल ने अपने कार्यालय से की तो जिलेभर के अधिकारी एवं कर्मचारी पूरे उत्साह और उमंग के साथ इस अभियान में जुड़ गये। सम्भाग मुख्यालय से गांव-गांव, ढ़ाणी-ढ़ाणी तथा वार्ड-मोहल्लों तक चस्पा करने एवं वितरण करने का कार्य राजकीय कार्मिकों, व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठनों, ग्राम पंचायत स्तरीय समितियों तथा आमजन की सहभागिता से युद्ध स्तर पर पूरा किया गया। मनरेगा कार्यस्थलों से लेकर पर्यटन स्थल, बाजार, अस्पताल, रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड, सार्वजनिक उद्यान, कार्यालय परिसर, गैस एजेन्सी, पेट्रोल-डीजल आउटलेट सहित कोई भी सार्वजनिक स्थल इस अभियान की गतिविधियों से अछूता नहीं रहा।

''कोविड-19 संक्रमण बचाव एवं रोकथाम जागरूकता अभियान'' भरतपुर जिले में एक ऐसा अनूठा जन आन्दोलन बन गया जिसने आमजन में ''एसएमएस'' (सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क, सेनिटाइजर) सहित चिकित्सकीय एडवाइजरी की पालना करने जैसी सावधानियों को आदत में बदल दिया।

कोरोना जागरूकता के लिए प्रचार रथ और मोटर साइकिल रैली

विकास हर्ष

कोरोना वायरस संक्रमण रोकथाम के लिए बीकानेर जिले के हर एक व्यक्ति को जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया गया। बचाव संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रभारी एवं अल्पसंख्यक मामलात मंत्री शाले मोहम्मद, खाजूवाला विधायक गोविन्दराम मेघवाल और जिला प्रभारी सचिव एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रशासनिक सुधार विभाग डॉ. आर वेंकेटश्वरन ने कलक्ट्रेट परिसर से जागरूकता रथ तथा मोटर साइकिल रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर 4 ई-होर्डिंग जागरूकता रथ रवाना किए गए।

जिला प्रभारी मंत्री ने इस अवसर पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित कोरोना वायरस संक्रमण से बचाने के प्रचार साहित्य के पोस्टर, स्टीकर, मुख्यमंत्री अपील, बैनर का लोकार्पण किया। उन्होंने कोरोना वायरस से बचाने वाले संदेश पर आधारित लघु फिल्म का भी लोकार्पण किया। इसमें ऊर्जा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला, प्रभारी मंत्री शाले मोहम्मद, उच्च शिक्षा मंत्री भंवर सिंह भाटी, जिला कलक्टर कुमार पाल गौतम और जिला पुलिस अधीक्षक प्रदीप मोहन शर्मा का जनता के नाम संदेश दिया गया है। इसके अलावा उन्होंने कार्टूनिस्ट पंकज गोस्वामी द्वारा

बनाए गए कोरोना वायरस संक्रमण विषयक कार्टून पोस्टर का भी विमोचन किया। यह कार्टून प्रतिदिन समाचार पत्रों में प्रकाशित किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में सावधान है बीकानेर, सतर्क हमारा बीकानेर, बोल के गीत का विमोचन किया गया। इस गाने के बोल संजय पुरोहित, संगीत संयोजन व स्वर राजनारायण पुरोहित द्वारा दिए गए। समारोह के दौरान बजते गाने की धुन हर किसी के होठों पर आ रही थी।

रथों पर ग्लो लाइट के जरिए रात में प्रचार-प्रसार की पहल की गयी है। एक जागरूकता रथ मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की अपील को घर-घर पहुंचा रहा है। कोरोना महामारी से जीवन रक्षा के लिए क्या करें और क्या ना करें, की जानकारी भी यह रथ देगा। एक प्रचार रथ पूर्णतया बाजार में खरीददारी के लिए जाने और वापस घर लौटने अर्थात् नवीन शॉपिंग कला संबंधी प्रोटोकॉल पर आधारित है।

चार प्रचार रथ और करीब 45 मोटर साइकिल की रैली कलक्ट्रेट से सादुल सिंह सर्किल, महात्मा गांधी मार्ग, थाना कोटगेट, रानी बाजार, रेलवे ओवरब्रिज, मेडिकल कॉलेज, पंचशती सर्किल, मेजर पूर्णसिंह सर्किल और गांधी पार्क पहुंची। रैली में 10 मोटर साइकिल पर यातायात पुलिस, 20 मोबाइल दस्ता पुलिस और 15 महिला दस्ता फोर्स सदस्य मोटर साइकिल रैली में शामिल हुए। जगह-जगह जाकर बाइकर्स लोगों को कोरोना संक्रमण के प्रति जागरूक कर रहे हैं।

आमजन तक कोरोना से बचाव का संदेश पहुंचाने

कलक्टर ने चलाई साइकिल एवं ई-रिक्शा

सुरेश बिश्नोई

कोरोना से बचाव को लेकर राज्य सरकार की ओर से 21 जून से 7 जुलाई तक पूरे राज्य में चलाए गए कोविड-19 जागरूकता अभियान के अंतर्गत हनुमानगढ़ जिले में जिला प्रशासन, पुलिस और जनप्रतिनिधियों ने गांव-गांव, ढ़ाणी-ढ़ाणी तक लोगों को कोरोना से बचाव के उपायों को लेकर जागरूक करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। खास बात ये कि जिला कलक्टर श्री जाकिर हुसैन ने आमजन तक कोरोना से बचाव का संदेश पहुंचाने के लिए अभियान के अंतर्गत साइकिल से लेकर कृषि उपज मंडी में ई-रिक्शा तक चलाया। साथ ही जंक्शन और टाउन के मुख्य बाजारों में दुकान दर दुकान जाकर पम्फलेट भी बांटे और दुकानों के बाहर पोस्टर भी चिपकाए ताकि आमजन तक कोरोना से बचाव को लेकर किए जाने वाले उपायों की जानकारी पहुंचा सकें। जिला कलक्टर ने मुख्य बाजार में सड़क पर बैठे मोची से लेकर मिठाई की दुकान तक में जाकर पम्फलेट बांटे। भरे बाजारों में उमस भरी गर्मी में खड़े होकर माइक पर लोगों को बताया कि कोरोना से डरने की जरूरत नहीं है। कामगार लोग घरों से बाहर मास्क लगाकर काम पर निकलें ताकि आजीविका भी चले और जीवन भी बचे। कार्यस्थल पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। बार-बार हाथ धोएं और सार्वजनिक स्थानों पर ना थूकें। इन संदेशों को अभियान के अंतर्गत हर जगह लोगों को बताया गया। ये जानकारी बाजार के अलावा मीडियाकर्मियों को प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए दी। मनरेगा मजदूरों को कार्यस्थल पर जाकर इसके बारे में जागरूक किया। साथ ही उन्हें हाथ धोने का सही तरीका भी बताया।

जिला कलक्टर भरे बाजार में दुकान के बाहर कोरोना से बचाव के पोस्टर चिपकाते हैं तो लोगों को भी ये बात समझ आती है कि कोरोना से बचाव को लेकर सरकार जिन उपायों को अपनाने की बात कह रही है वे अपनाने ही चाहिए। लिहाजा लोग भी बाजार में मास्क पहने नजर आते हैं। इस अभियान का असर इस रूप में भी सामने आता है कि जिले में अब

तक एक भी व्यक्ति की कोरोना से मृत्यु नहीं हुई है। जिला कलक्टर श्री जाकिर हुसैन बताते हैं कि सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा चलाए गए कोविड 19 जागरूकता अभियान में ना केवल प्रशासन बल्कि पुलिस और जनप्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लेकर आमजन को गांव-गांव, ढ़ाणी-ढ़ाणी तक विभिन्न माध्यमों के जरिए ये समझाने का प्रयास किया है कि घर से बाहर निकलने पर कोरोना से बचाव को लेकर क्या-क्या उपाय अपनाने हैं। इसमें जिला मुख्यालय से लेकर ब्लॉक और ग्राम पंचायत मुख्यालयों तक विभिन्न आयोजन किए गए। जिसमें साइकिल रैली, कृषक चौपाल, दीपोत्सव, नुक्कड़ नाटक, मनरेगा मजदूरों को कार्यस्थलों पर जाकर समझाइश, रंगोली से संदेश, पुलिस बैंडवादन, ढोल वादन से जागरूक, पैदल मार्च, ब्लॉक मुख्यालय पर सभी सरपंचों, पार्षदों की कार्यशाला, मास्क के साथ सेल्फी को सोशल अकाउंट पर अपलोड, डोर-टू-डोर जाकर पंफलेट वितरण, राजीविका की स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को जागरूक करना शामिल रहा।

पुलिस अधीक्षक श्रीमती राशि डोगरा को भी जागरूकता अभियान के अंतर्गत जंक्शन में भगत सिंह चौक के पास और टाउन में हिसारिया मार्केट में दुकानों पर डोर-टू-डोर कोरोना जागरूकता के पम्फलेट देते नजर आईं। साथ ही दुकान के बाहर कोरोना जागरूकता पोस्टर भी चिपकाए। इसके अलावा जंक्शन और टाउन के बाजारों में लाउडस्पीकर के जरिए लोगों को कोरोना से बचाव को लेकर उपायों की जानकारी दी। राजीविका से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के कार्यक्रम में भी पहुंच कर महिलाओं की ना केवल हौसला अफजाई की बल्कि महिलाओं से कहा कि वे खुद इस बात का प्रण लें कि उनके घर का कोई भी सदस्य घर से बाहर बिना मास्क ना निकलें और वापस घर में प्रवेश करते समय साबुन से अच्छे से हाथ धोकर ही घर में प्रवेश करें।●

"मैं सतर्क हूँ" से कोरोना जागरूकता

हरिओम सिंह गुर्जर

वैश्विक महामारी कोरोना से बचाव के लिए प्रदेश के मुखिया श्री अशोक गहलोत की पहल पर शुरू किये गये कोविड-19 विशेष जागरूकता अभियान सरकार की मंशा के अनुरूप जिला मुख्यालय से लेकर दूर-दराज की ढ़ाणियों तक कोरोना से बचाव के लिए प्रचार साहित्य के वितरण के साथ आम नागरिकों को विभिन्न विधाओं से जागरूक किया गया। 17 दिवसीय आयोजन में प्रत्येक दिवस विभिन्न विभागों के माध्यम से शहर एवं गांवों में कार्यक्रम आयोजित किये गये।

जिला स्तरीय शुभारम्भ परिवहन मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री श्री प्रतापसिंह खाचरियावास के मुख्य आतिथ्य में नगर विकास न्यास के ऑडिटोरियम में किया गया। समारोह जिला प्रभारी सचिव श्री पवनकुमार गोयल, विधायक श्री रामनारायण मीणा, संभागीय आयुक्त श्री कैलाशचन्द मीणा, आईजी श्री रविदत्त गौड़, नगर विकास न्यास के पूर्व अध्यक्ष श्री रविन्द्र त्यागी एवं नगरपालिका कैथून की अध्यक्ष सुश्री आयना महक की उपस्थिति में किया गया।

राज्य सरकार द्वारा कोरोना से जागरूकता और बचाव के लिए चलाये गये "कोविड-19 जागरूकता विशेष अभियान" के सार्थक परिणाम नजर आ रहे हैं। जिला मुख्यालय से लेकर प्रत्येक गांव और शहरी क्षेत्र के सभी वार्डों में प्रचार सामग्री का प्रदर्शन दिखाई दे रहा है। शहर के सभी चौराहों, सार्वजनिक स्थानों और राजकीय भवनों पर मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की अपील के साथ सनबोर्ड पर 'कोरोना से घबरायें नहीं, बचाव के उपाय अपनायें, आमजन को संदेश दे रहे हैं। ढ़ाणी की गलियों से लेकर गांवों के राजीव गांधी भारत निर्माण सेवा केन्द्रों पर जागरूकता सामग्री सीधे शब्दों में ग्रामीणों को कोरोना से बचाव का संदेश दे रहे हैं।

कोरोना से आम नागरिकों को जागरूक करने के लिए सूचना केन्द्र में लगाई गई प्रदर्शनी में कोरोना से लड़ाई में कारगर हथियारों को आकर्षक फ्लैक्सों पर दर्शाया गया। जिसे सभी आयुवर्ग के युवाओं द्वारा सराहा गया। प्रदर्शनी में सूचना केन्द्र की पहल पर कोटा के प्रसिद्ध चित्रकार और राजकीय उ.मा. विद्यालय, रामपुरा के व्याख्याता डॉ. राजेन्द्र बैरागी द्वारा लॉकडाउन द्वारा तैयार किये गये कोरोना से जागरूकता व वॉरियर्स के मनोबल को बढ़ाने को तैयार किये गये चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। विभिन्न विधाओं के 54 आकर्षक चित्रों में कोरोना का विश्वव्यापी प्रभाव और नागरिकों को बचाव का संदेश देते चित्रों को देखने में दर्शकों ने उत्साह दिखाया।

जागरूकता अभियान के दौरान 21 जून को जिला मुख्यालय पर नगर निगम क्षेत्र एवं जिले के शहरी क्षेत्रों में तथा ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर सरकार से प्राप्त विशेष सामग्री का प्रदर्शन व वितरण का कार्य किया गया। 22 जून को सभी उपखण्ड मुख्यालयों पर जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में अभियान का ब्लॉक स्तरीय शुभारंभ व चिकित्सा विभाग के सहयोग से कोविड जागरूकता रथों को रवाना किया गया। 23 जून को जिला मुख्यालय पर जिला प्रभारी मंत्री श्री प्रताप सिंह खाचरियावास के मुख्य आतिथ्य में अभियान का विधिवत् शुभारंभ व जागरूकता रथों की

रवानगी तथा ब्लॉक मुख्यालयों पर कोविड जागरूकता हस्ताक्षर अभियान चलाया गया जिसमें हजारों लोगों ने विशेष फ्लैक्सों पर हस्ताक्षर किये। 24 जून को सोशल मीडिया पर ''मैं सतर्क हूँ'' हैसटैग के माध्यम से कैम्पेन चलाया जाकर कोरोना से बचाव के लिए आवश्यक उपायों को साझा किया गया। 25 जून को जिले में सभी राजकीय, गैर राजकीय कार्यालयों में कोरोना शपथ आयोजित की गई जिसमें हजारों कार्मिक व नागरिक शरीक हुए। सायं पुलिस द्वारा सम्पूर्ण शहर में कोरोना जागरूकता के लिए प्रचार सामग्री के साथ वाहन रैली निकाली गई। 26 जून को जिले में महात्मा गांधी नरेगा कार्यस्थलों पर एक लाख श्रमिकों को एक साथ कोविड जागरूकता शपथ दिलाई जाकर बचाव के बारे में जानकारी दी गई। 27 जून को जिले में धर्मगुरुओं द्वारा कोविड बचाव के बारे में सरकार द्वारा दिये गये संदेश को दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया गया। 28 जून को एफएम चैनलों व स्थानीय केबल टीवी चैनलों पर जनसम्पर्क विभाग की पहल पर विशेषज्ञ चिकित्सकों के पैनल के साथ चर्चा का आयोजन किया गया। 29 जून को जिले में सभी चिकित्सा संस्थानों पर कोविड जागरूकता पर परिचर्चा व जिलेभर में ''मैं सतर्क हूँ'' सेल्फी अभियान चलाया गया। 30 जून को उपखण्ड स्तर पर प्रेस वार्ता का आयोजन तथा जिला मुख्यालय पर स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से कच्ची बस्ती एरिया में निःशुल्क मास्क वितरण कराये गये।

जागरूकता अभियान की शृंखला में एक जुलाई को सूचना केन्द्र में कोविड जागरूकता प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया। 2 जुलाई को पंचायती राज व चिकित्सा विभाग के माध्यम से ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर जागरूकता कार्यक्रम तथा शहरी क्षेत्रों में कठपुतली के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया गया। 3 जुलाई को कोटा शहर में नगर निगम के सफाईकर्मियों के माध्यम से सामाजिक दूरी की पालना कराते हुए तख्तियां बनाकर जागरूकता रैली निकाली गई। 4 जुलाई को सूचना केन्द्र में प्रदर्शनी के माध्यम से जागरूकता पर परिचर्चा की गई। 5 जुलाई को शहरी क्षेत्रों में कचरा परिवहन में लगे वाहनों के माध्यम से ऑडियो संदेश प्रसारित कराये गये। 6 जुलाई को सूचना केन्द्र में कोरोना चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के वाहन से लघु फिल्मों का प्रदर्शन कराया गया। 7 जुलाई को सूचना केन्द्र में फिल्मों का प्रदर्शन तथा सूचना प्रौद्योगिकी वाहन से चौराहों पर रात्रि के समय जागरूकता फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। •

सोशल मीडिया बना जन-जागरूकता का माध्यम

कुमार अजय

चूरू जिले में कोविड-19 संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान के दौरान अधिक से अधिक लोगों तक जागरूकता संदेश पहुंचाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करते हुए जिला स्तर से लेकर ग्राम स्तर तक अनेक नवाचार किए गए। इस वायरस की संक्रमण की प्रकृति को समझते हुए लोगों की भीड़ इकट्ठा करना भी उचित नहीं, इसे समझते हुए चूरू जिला प्रशासन ने महामारी संक्रमण के दौरान शुरू से ही फेसबुक, व्हाट्सएप एवं सोशल मीडिया को जन-जागरूकता का प्रमुख माध्यम बनाया और विभिन्न गतिविधियों के जरिए लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क लगाने एवं अनावश्यक घर से नहीं निकलने के लिए जागरुक किया। स्वयं जिला कलक्टर ने निर्देशों एवं अपील से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किए, इसके अलावा जिले से जुड़े राजीव गांधी खेल रत्न अवार्डी देवेंद्र झाझड़िया, द्रोणाचार्य अवार्डी वीरेंद्र पूनिया सहित मंत्री, सांसद, विधायक आदि जनप्रतिप्रनिधियों के वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किए, जिन्हें हजारों लोगों ने देखा।

चूरू जिला पुलिस ने अपने फेसबुक पेज पर फिल्म स्थान एवं संप्रीति संस्थान के सहयोग से फेसबुक लाइव सीरीज शुरू की और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित, लोकप्रिय व्यक्तियों को जोड़कर लोगों को न केवल लॉकडाउन के दौरान रचनात्मकता के लिए प्रेरित किया, अपितु कोविड-19 महामारी से बचाव के लिए जरूरी एहतियात बरतने की सीख भी दी। महत्त्वपूर्ण यह भी था कि जानी-मानी हस्तियां बिना किसी मानदेय के इस अभियान से जुड़ीं। लाखों फेसबुक यूजर्स ने इन ऑनलाइन सेशन को देखा और चूरू ही नहीं अपितु देश के विभिन्न राज्यों और दूसरे देशों जैसे बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल, दुबई ,मॉरीशस, इराक, लंदन आदि देशों में रह रहे भारतीय भी इससे जुड़े। इस अभियान में 50 से अधिक प्रशासनिक अधिकारी, साहित्य, संगीत, कलाओं से जुड़े व्यक्तित्व, दो बार के पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट एवं राजीव गांधी खेल रत्न अवार्डी देवेंद्र झाझड़िया, रंगकर्मी अतुल सत्या कौशिक, बिजनेस विमेन प्रिया प्रकाश, लेखक व स्तंभकार एन. रघुरामन, आईएएस रोहित कुमार सिह, राजस्थान पुलिस महानिदेशक डॉ. भूपेंद्र सिंह, आईएएस

कृष्णकांत पाठक, आईपीएस जोस मोहन, आईएएस संदेश नायक, रूहानी सिस्टर्स डॉक्टर नीता पांडे नेगी और जागृति लूथरा प्रसन्ना, अंगूरी भाभी उर्फ शुभांगी अत्रो, लेखक कुमार अजय, रंगकर्मी दिनेश प्रधान, संगीतकार सुमित शर्मा, पंजाबी सिंगर अशोक मस्ती, पत्रकार डॉ. मीना शर्मा, कथक नृत्यांगना गार्गी मलकानी, कवि इकराम राजस्थानी, आईपीएस दिनेश एमएन, बॉलीवुड सिंगर अनामिका, आईपीएस सत्यनारायण, अभिनेता शेखर सुमन, हास्य कलाकार ख्याली, गायक रविंद्र उपाध्याय, लेखक निखिल सचान, आध्यात्मिक गायक कैलाश खेर, डॉ. सुशीला कटारिया, हास्य कलाकार विकल्प मेहता, हास्य कलाकार सुदेश लहरी, सिंगर जावेद अली, खिलाड़ी पद्मश्री बजरंग लाल ताखर, सिंगर गजेंद्र वर्मा, सिगर राजा हसन, आर्टिस्ट साहिल लहरी, नृत्यांगना गुलाबो, खिलाड़ी दीपक हुड्डा, अभिनेता राघव जुयाल, लेखक स्तंभकार राम कुमार सिंह, बॉलीवुड अभिनेता जितेंद्र कुमार, आरएएस रामरतन सौंकरिया के साथ-साथ चूरू जिले के सभी एडीशनल एसपी, चूरू जिले के सभी सर्किल ऑफिसर, सभी थानाधिकारियों ने चूरू पुलिस के फेसबुक पेज पर आकर जनता से संवाद किया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विभिन्न वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान जिले के इस फेसबुक अभियान की सराहना की।

जागरूकता अभियान का विधिवत् शुभारंभ जनसंपर्क राज्य मंत्री एवं जिला प्रभारी डॉ. सुभाष गर्ग एवं प्रभारी सचिव डॉ. नीरज के. पवन ने 22 जून, 2020 को किया। इस दौरान उन्होंने पोस्टर व स्टीकर विमोचन किया, सामाजिक संगठनों की ओर से आयोजित 'जागरूकता बाईक रैली' व चिकित्सा विभाग के 'कोरोना जागरूकता प्रचार रथ' को हरी झंडी दिखाकर विद्यार्थियों ने वॉल पेंटिंग एवं सेंड आर्ट के माध्यम से जागरुकता संदेश दिया। कोरोना योद्धाओं, 108 एम्बुलेंसकर्मियों व सामाजिक संगठनों का सम्मान किया गया तथा सामाजिक संगठनों की ओर से प्रभारी मंत्री को सेनिटाइजर, मास्क, पीपीई किट सौंपे गये। राज्य सरकार की ओर से भेजी गई प्रचार सामग्री ग्राम, ढ़ाणी तक पहुंचाकर चस्पा करवाई गई। इसके अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा भी प्रचार सामग्री प्रकाशित कर वितरण की गयी। जागरूकता अभियान की बेहतरीन मॉनिटरिंग के लिए वाट्सएप ग्रुप बनाकर सभी संबंधित विभागों के जिम्मेदार अधिकारियों को जोड़ा गया है, जिनके द्वारा लगातार

अभियान के संबंध में सूचना ग्रुप में डाली जा रही है। नरेगा कार्यों के दौरान श्रमिकों को जागरूकता शपथ दिलाई गई। चिकित्सा विभाग की ओर से एमसीएचएन डे (मातृ शिशु स्वास्थ्य पोषण दिवस) पर टीकाकरण के साथ गर्भवती महिलाओं व परिजनों को जागरूकता संदेश के पंफलेट का वितरण किया गया। राजकीय चिकित्सा संस्थानों पर चल रही एलईडी व एलसीडी पर कोरोना जागरूकता संदेश का प्रसारण करवाया गया। पुलिस विभाग की ओर से बाइक रैली निकाल कर कोरोना जागरूकता संदेश दिया गया। आयुर्वेद विभाग द्वारा जिले में विभिन्न स्थानों पर काढ़ा वितरण कर जागरूकता संदेश दिया जा रहा है। नगर निकाय के क्षेत्रों में कचरा संग्रह वाले ऑटो टिपर के माध्यम से कोरोना जागरूकता संदेश का प्रसारण करवाया गया। ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में वॉल पेटिंग के साथ रंगोली के माध्यम से कोरोना जागरूकता अभियान का संदेश दिया गया। जिले में 28, 29 व 30 जून को तीन दिवसीय विशेष अभियान के माध्यम से पहले दिन जिलेभर में विभिन्न विभागों की ओर से रंगोली बनाई गई, दूसरे दिन 29 जून को 'मैं सतर्क हूं' हैशटैग के साथ सेल्फी अभियान चलाया गया। सूचना केंद्र में सेल्फी पॉइंट का शुभारंभ किया गया। तीसरे दिन जिलेभर में कोरोना जागरूकता शपथ का आयोजन किया गया। 30 जून को ही चूरू साइकिल क्लब के माध्यम से कोरोना जागरूकता साइकिल रैली निकाली गई। कलक्ट्रेट से रवाना हुई जागरुकता रैली रेलवे स्टेशन, लोहिया कॉलेज, धर्मस्तूप, पंखा चौराहा से वापस कलक्ट्रेट पहुंच कर संपन्न हुई। इस दौरान 01 जुलाई, 2020 को जिला स्तर पर सूचना केंद्र में जिला स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन जनप्रतिनिधियों, जिला कलक्टर व मीडिया एवं आमजन की उपस्थिति में किया गया।●

गुरुद्वारे से चर्च तक कोरोना जागरूकता संदेश

विनोद मोलपरिया

बारां जिले में कोविड-19 जागरूकता अभियान के तहत 4 जुलाई, 2020 को जिला प्रशासन द्वारा गुरूद्वारा केलवाड़ा में सिख समुदाय के सान्निध्य में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर कोरोना संक्रमण से बचाव व जागरूकता का संदेश दिया गया।

कलक्टर इन्द्र सिंह राव ने गुरुद्वारे में कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु की गई अरदास के बाद कहा कि कोरोना महामारी से पूरा विश्व प्रभावित हुआ है और यह संक्रमण अभी समाप्त नहीं हुआ है अत: हम सबको इस संक्रमण की रोकथाम के लिए जागरूक होकर मास्क लगाने, दो गज की दूरी रखने, हाथों को नियमित साफ करने आदि स्वास्थ्य मानकों की पालना करना आवश्यक है। सिख समुदाय से अपील की गयी कि वे अपने घर, पड़ोस एवं परिचितों को कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु जागरूक करते हुए मास्क लगाने व नियमों की पालना हेतु प्रेरित करें। पुलिस अधीक्षक डॉ. रवि सबरवाल ने कहा कि सिख समुदाय मेहनतकश है और जागरूक भी है अत: कोरोना संक्रमण से बचाव के संबंध में अन्य लोगों को जागरूक करना जरूरी है जिससे बारां जिले में इस महामारी के फैलाव पर अंकुश रखा जा सके।

इस मौके पर गुरुद्वारे में सिख धर्मगुरु द्वारा सम्पूर्ण विश्व को कोरोना महामारी से मुक्त करने हेतु अरदास की। गुरुद्वारे में आयुर्वेद विभाग द्वारा कोरोना से बचाव हेतु नि:शुल्क काढ़े का वितरण भी किया गया। गुरुद्वारे में अरदास के बाद उपस्थित लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु कोरोना वॉरियर शपथ दिलवाते हुए जन-जन को जागरूक करने का संदेश दिया गया।

सीएनआई चर्च पिपलोद में कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु की गई प्रार्थना सभा के बाद कहा गया कि कोरोना महामारी से बचाव ही रोकथाम है क्योंकि इस संक्रमण से बचाव की कोई दवा अथवा वैक्सीन अभी बाजार में नहीं आई है अत: प्रत्येक व्यक्ति को मास्क लगाने, दो गज की दूरी रखने, हाथों को नियमित साफ करने आदि स्वास्थ्य मानकों की पालना करनी चाहिए। अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थलों पर थूकने से भी प्रत्येक व्यक्ति को बचाने और स्वच्छता को अपनाने की अपील की गयी। सीएनआई चर्च पादरी अखिलेंद्र प्रताप सिंह ने सम्पूर्ण विश्व सहित बारां जिले को कोरोना संकट से मुक्त करने हेतु प्रभु ईशु मसीह के समक्ष प्रार्थना करते हुए समस्त मसीह समुदाय को स्वास्थ्य मानकों की पालना

करने का संदेश दिया। प्रार्थना सभा के बाद शिक्षक व गायक राजेश गौतम ने कोरोना संक्रमण से बचाव व जागरूकता संबंधी गीत प्रस्तुत किया। कलक्टर राव ने चर्च में उपस्थित लोगों को कोरोना वॉरियर शपथ दिलवाते हुए जन-जन को जागरूक करने का संदेश दिया।

राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले में कोविड-19 जागरूकता अभियान के तहत 25 जून, 2020 को जिले की अब तक की कोरोना यात्रा पर सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, बारां द्वारा वीडियो फीचर प्रजेन्टेशन मिनी सचिवालय सभागार में प्रस्तुत किया गया।

जिले में कोविड-19 जागरूकता अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन, स्वयंसेवी संस्थाओं, पुलिस, मेडिकल टीम सहित आम नागरिकों द्वारा किए गए प्रयासों को सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय द्वारा लगभग 8 मिनट के वीडियो फीचर के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है जो काफी सराहनीय है। इस वीडियो फीचर में कोरोना आपदा के तहत राज्य सरकार द्वारा लिए गए महत्त्वपूर्ण फैसलों एवं योजनाओं का संकलन किया गया है। कोरोना संकट पर आधारित वीडियो फीचर को समस्त सोशल मीडिया प्लेटफार्म क्रमश: फेसबुक, वॉट्सएप, ट्विटर, यूट्यूब, इंस्टाग्राम आदि के माध्यम से प्रचारित किया गया। वीडियो फीचर में बारां को कोरोना मुक्त रखने के लिए प्रतिबद्धता को दर्शाया गया है।

राज्य सरकार के निर्देशानुसार कोरोना संक्रमण से बचाव व रोकथाम के संबंध में आमजन को जागरूक करने हेतु विशेष जागरूकता अभियान के तहत 21 जून, 2020 को प्रात: 7 बजे से राजकीय अस्पताल बारां में स्वैच्छिक सफाई श्रमदान के साथ किया गया। इस मौके पर बताया गया कि राज्य सरकार का विशेष जागरूकता अभियान जिले के समस्त नागरिकों को कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जागरूक व सजग करेगा।

इस अभियान के तहत होर्डिंग, पेम्पलेट, पोस्टर, सनबोर्ड, स्वच्छता श्रमदान, जागरूकता के लिए हस्ताक्षर अभियान, लाउड स्पीकर के माध्यम से प्रचार-प्रसार करते हुए आमजन को कोरोना संक्रमण से डरने नहीं बल्कि मुकाबला करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए जरूरी है कि सभी नागरिक सोशल डिस्टेंस की पालना करें, मास्क लगाएं एवं हाथों को नियमित अन्तराल से धोकर स्वच्छता बनाए रखें। स्वच्छता श्रमदान के दौरान सोशल डिस्टेंस, मास्क लगाने के नियमों की पालना की गई।

उपखण्ड एवं पंचायत समिति पर सैल्फी पॉइन्ट से जागरूकता

पूरणमल

सीकर जिले में 21 जून से 7 जुलाई, 2020 तक कोरोना बचाव जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके तहत गांव, ढ़ाणी, वार्ड और मोहल्ले तक इस महामारी से बचने के लिए विभिन्न माध्यमों से आमजन को जागरूक किया जा रहा है। जिले में इस अभियान में सभी जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, स्काउट गाइड, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस प्रशासन, नेहरू युवा केन्द्र सहित अन्य विभागों की सामूहिक भागीदारी से आमजन को जोड़ा जाकर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाकर समस्त संबंधित विभागों ने सक्रियता एवं सतर्कता से काम कर स्थिति पर नियंत्रण रखने में अपनी भूमिका निभाई है।

जिला कलक्टर अविचल चतुर्वेदी के कुशल मार्गदर्शन में जिले की सभी ग्राम पंचायतों व सभी शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर कोरोना वायरस जागरूकता अभियान के तहत आशा सहयोगिनियों द्वारा 60 हजार से अधिक मुख्यमंत्री अपील, पेम्फलेट्स घर-घर वितरित किए गए। कोरोना वायरस व निरोगी राजस्थान अभियान के बारे में जागरूकता संदेश व बचाव तथा सावधानियों के बारे में बताया जा रहा है।

जागरूकता अभियान में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। होर्डिंग, बैनर, फ्लैक्स, दीवार लेखन, नारा लेखन, पोस्टर, पम्फलेट, रैली, प्रचार-रथ सहित विभिन्न गतिविधियों के जरिए इस अभियान में लोगों को जागरूक करने के साथ ही कोरोना को लेकर आमजन में सावधानी एवं जागरूकता वाले संदेशों का विभिन्न माध्यमों से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। आशा सहयोगिनी व एएनएम द्वारा घर-घर जाकर आमजन को मास्क लगाने, दो गज की दूरी रखने तथा स्वच्छता का संदेश देते हुए सर्वे कर रही हैं। आंगनबाड़ी केन्द्रों पर हर सप्ताह आयोजित टीकाकरण व पोषण दिवस पर जागरूकता के पेंफलेट

का वितरण व सोशियल डिस्टेंसिंग की पालना के बारे में जानकारी देने का कार्य कर रही हैं। जागरूकता अभियान के तहत कोरोना के संक्रमण से बचाव व रोकथाम को लेकर जिले के पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय द्वारा ग्राम पंचायत कोटड़ी धायलान में कोरोना महामारी से बचाव एवं जागरूकता रैली तथा पुलिस विभाग की ओर से कोरोना महामारी से बचाव के लिए जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

सोशल मीडिया वॉट्सएप पर ग्रुप बनाकर समस्त जिला, ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों, ग्राम पंचायत सरपंच, वार्ड पंच को कोरोना महामारी से बचाव के लिए जागरूकता अभियान से जोड़े जाने का लक्ष्य रखा गया। लक्ष्मणगढ़ पंचायत समिति सभागार में शिक्षा, पर्यटन एवं देवस्थान राज्य मंत्री एवं लक्ष्मणगढ़ विधायक गोविन्द सिंह डोटासरा द्वारा कोरोना प्रचार सामग्री का विमोचन कर कोरोना महामारी से बचाव के विभिन्न तरीकों की जानकारी आमजन को प्रदान की तथा जनजागृति वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। सीकर शहर में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, सीकर के द्वारा कोविड-19 से बचाव की प्रचार सामग्री को आमजन में वितरण कर कोरोना बचाव के बारे में जानकारी दी गई एवं जिला परिषद् के द्वारा मनरेगा श्रमिक के माध्यम से प्रचार सामग्री के माध्यम से आमजन को संदेश दिया गया।

कोरोना के संक्रमण से बचाव व रोकथाम को लेकर मुख्यालय पर आयुर्वेद विभाग एवं रामगढ़ शेखावाटी में तहसील कार्यालय की ओर से कोरोना महामारी से बचाव के लिए जन जागरूकता के लिए राजकीय आयुर्वेद अस्पताल में पोस्टर, स्टीकर, पम्फलेट लगाकर आमजन को जानकारी प्रदान की गई। मुख्यालय पर पुलिस विभाग, कृषि, पशुपालन, आरटीओ आदि विभागों में कोरोना महामारी से बचाव के पोस्टर, स्टीकर, सनबोर्ड का वितरण किया जाकर राजकीय कार्मिकों में जन चेतना जागृति की गई। कोरोना के संक्रमण से बचाव व रोकथाम को लेकर उपखण्ड फतेहपुर पर माननीय विधायक हाकम अली खान ने पोस्टर, स्टीकर, पम्फलेट का विमोचन किया गया। फतेहपुर पंचायत समिति सभागार में विधायक हाकम अली खां के द्वारा कोरोना महामारी बचाव हेतु जागरूकता अभियान संबंधी बैठक ली गई। कोरोना के संक्रमण से बचाव व रोकथाम को लेकर सीकर शहर एवं समस्त ब्लॉक में नेहरू युवा केन्द्र, सीकर की ओर से कोरोना महामारी से बचाव के लिए जन जागरूकता के लिए विभिन्न स्थानों पर नारे, पेंटिंग एवं रंगोली बनाकर आमजन को जानकारी प्रदान की गई। ग्राम पंचायत सांवलोदा लाडखानी में रा.उ.मा.विद्यालय की प्रधानाध्यापिका भंवरी देवी के द्वारा जागरूकता अभियान के तहत कोरोना महामारी की शपथ दिलाई गई। कोरोना के संक्रमण से बचाव व रोकथाम को लेकर जनजागृति अभियान से संबंधित सीकर जिला मुख्यालय पर आयुक्त, नगर परिषद्, सीकर सभी ग्राम पंचायतों एवं समस्त नगरपालिकाओं में आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं व अन्य अधिकारियों, कार्मिकों ने रंगोली बनाकर आमजन को कोरोना के संक्रमण से बचाव के लिए प्रेरित किया गया।

कोरोना के संक्रमण से बचाव व रोकथाम को लेकर जनजागृति अभियान से संबंधित सीकर जिला मुख्यालय पर सूचना केन्द्र, सीकर तथा सभी उपखण्ड एवं पंचायत समिति में सेल्फी पॉइन्ट बनाकर राजकीय कार्मिकों, मीडिया कर्मियों सहित आमजन को कोरोना महामारी से बचाव के लिए अपनी ''मैं सतर्क हूं'' हैशटैग के साथ अपनी सेल्फी लेकर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फोटो पोस्ट कर इस अभियान को सफल बनाने के लिए प्रेरित किया गया। खण्डेला के ग्राम रामपुरा एवं नीमकाथाना के चला में कोविड-19 के जागरूकता अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आमजन को कोरोना महामारी से बचाव के लिए जागरूक किया गया। कोरोना महामारी बचाव जागरूकता अभियान के तहत जिला कलक्टर द्वारा कोरोना वॉरियर्स को लेकर अधिकारी, कार्मिकों को शपथ दिलाकर इण्डियन रेड क्रॉस सोसायटी के माध्यम से मास्क का वितरण किया गया। पिपराली पंचायत समिति के ग्राम अजबपुरा एवं पलसाना के ग्राम वैद की ढ़ाणी में कोरोना महामारी से बचाव के लिए शारदा कला मण्डल के द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आमजन को जागरूक किया गया। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड एवं नेशनल ग्रीन कोर इको क्लब के द्वारा सीकर शहर के बड़ा तालाब की सफाई अभियान के दौरान कोरोना से बचने के लिए स्वच्छता का संदेश देते हुए आमजन को जागरूक किया गया।

सीकर मुख्यालय पर कोरोना महामारी से बचाव जागरूकता अभियान के तहत सूचना केन्द्र पर लगी प्रदर्शनी के अवलोकनार्थ आने वाले आमजन से ''मैं सतर्क हूं'' के बैनर पर हस्ताक्षर करवाकर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। खूड़ कस्बे में कोरोना के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए गायत्री शक्तिपीठ में गुरु पूर्णिमा महोत्सव सरकारी गाइडलाइन के अनुसार यज्ञ का आयोजन करके कोरोना महामारी से बचने का संदेश दिया गया। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड एवं नेशनल ग्रीन कोर इको क्लब के द्वारा सीकर शहर के सार्वजनिक स्थलों पर कोरोना महामारी के बचाव की प्रचार सामग्री का वितरण एवं पोस्टर चस्पा कर आमजन में जागरूकता का संदेश दिया गया।

कोरोना रक्षक दलों से जागरूकता

सौरभ सिंघारिया

राजसमंद जिले में कोरोना जागरूकता अभियान के तहत नवाचार करते हुए कोरोना रक्षक दलों का गठन किया गया। इसके साथ ही सम्पूर्ण जिले में पम्फलेट, पोस्टर, बैनर आदि से प्रचार-प्रसार किया गया। 21 से 30 जून तक प्रत्येक दिन जागरूकता कार्यक्रम निर्धारित किए गये जिसमें प्रभारी मंत्री द्वारा कोरोना साहित्य पुस्तक विमोचन, कोरोना जागरूकता गीतों की सी.डी., शुभंकर एवं स्वस्थ भारत मिशन ग्रामीण द्वारा जारी पोस्टरों का विमोचन किया गया। इस क्रम में कोरोना जागरूकता रथ तैयार किया गया। जिसे प्रभारी मंत्री श्री आंजना ने हरी झंडी दिखाई। नगर परिषद् की कचरा संग्रहण गाड़ियों में कोरोना से जागरूकता के लिए गीतों को बजाया गया। इसके साथ ही रंगोली, शपथ व ग्राम पचांयतों में दीवारों पर जागरूकता के लिये नारा लेखन आदि। घर से ही ऑनलाइन, बच्चों के लिये पोस्टर प्रतियोगिता व महिलाओं के लिये ऑनलाइन मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

लोक कलाकारों द्वारा कोरोना जागरूकता के लिये तेरहताली नृत्य व सांस्कृतिक कार्यक्रम का वीडियो बनाकर फेसबुक व इंस्ट्राग्राम व अन्य सोशल मीडिया पर लाइव प्रसारण। सूचना जनसम्पर्क विभाग द्वारा सोशल मीडिया के सहयोग से कोरोना से बचाव के लिये राज्य व जिले में किये गये कार्यों का लघु फिल्म बनाकर प्रचार प्रसार।

इसके साथ ही जिले सहित ग्राम पंचायतों में पोस्टर बैनर, पैम्पलेट आदि से जागरूकता। मनरेगा के तहत मेट प्रशिक्षण के आयोजन किये गये। पुलिस विभाग, नेहरू युवा केन्द्र आदि द्वारा प्रदर्शनी रैली व विभिन्न गतिविधियों का आयोजन। इस क्रम में सेल्फी विद मास्क का सोशल मीडिया पर प्रचार। सूचना केंद्र में प्रदर्शनी का आयोजन। सहाकारिता मंत्री द्वारा सहकारिता विभाग अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा जागरूकता रैली, लोगों का पोस्टर का विमोचान व मोटरसाइकिल रैली। क्षेत्रीय विधायक भीम-देवगढ़ द्वारा कोरोना जागरूकता के लिये जागरूक राजस्थान व जागरूकता राजसमन्द का वृहद् स्तर पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन। जिले में कोरोना के विरुद्ध संघर्ष के लिये जिला कलक्टर अरविन्द कुमार पोसवाल द्वारा नवाचार प्रारम्भ किया। इस योजना के माध्यम से जिले के पीपली आर्चायन में 'मेरा गांव मेरी जिम्मेदारी' की थीम को अभिप्रेरित किया। जिसके अन्तर्गत प्रशासनिक व्यवस्था और प्रशासनिक मशीनरी के साथ आमजन व समाज की सहभागिता के माध्यम से कोरोना व्यवस्थाओं को बेहतर किया। जनप्रतिनिधियों के माध्यम से कोरोना संघर्ष को मजबूत हथियार प्रदान करवाया गया। स्थानीय स्तर पर स्थानीय सक्रिय लोगों की क्षमता और सामाजिकता का उपयोग किया जाकर गांव स्तर पर बाहर से आने वाले लोगों, कोरेंटाइन किये जाने वाले लोगों तथा उनकी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करना।

प्रत्येक 10 व्यक्तियों को जिन्हें राजसमन्द रक्षक के रूप में पहचाना जायेगा, जिला प्रशासन की तरफ से यूनिफॉर्म उपलब्ध करवायी जायेगी। इसके साथ ही कैप, पहचान-पत्र भी प्रदान किया जायेगा। शेष एक व्यक्ति को जिसे कमाण्डर के रूप में पहचाना जायेगा, को अलग रंग व प्रकार की यूनिफॉर्म उपलब्ध करवायी जायेगी। प्रत्येक ग्राम पंचायत पर उक्त कार्य सरपंच के माध्यम से किया जाना है। जिला कलक्टर द्वारा यह स्पष्ट किया जा चुका है कि जो जन प्रतिनिधि सर्वश्रेष्ठ कार्य करेगें उनको राज्य स्तरीय पुरस्कार या सम्मान से जिला स्तर पर सम्मानित किया जायेगा। चयन करते समय इन तथ्यों यथा, ग्राम पंचायत में कितने कोरेंटाइन सेंटर रहे, कितने व्यक्तियों को कोरेंटाइन किया गया, भामाशाहों का योगदान, क्वारेन्टाइन सेंटर की व्यवस्थाएं आदि को ध्यान रखा जायेगा। प्रत्येक ब्लॉक पर पांच सरपंच या जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया जायेगा। इस योजना के लिये जिला परिषद् के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. दिनेश राय सापेला को योजना का स्वरूप निर्धारित करने, समन्वय करने और मॉनिटरिंग करने के लिये नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

मेहंदी, रंगोली बनी जनजागरूकता का माध्यम

कविता जोशी

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के कुशल प्रबन्धन व नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने 'राजस्थान सतर्क है।' मंत्र से कोरोना संक्रमण को नियंत्रित रखने में विशेष सफलता अर्जित की है। राजस्थान ही एकमात्र ऐसा राज्य है जहां पर गांव-गांव, ढ़ाणी-ढ़ाणी तक वृहद् स्तर पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा चलाए जा रहे कोविड-19 विशेष जागरूकता अभियान के अंतर्गत कैरी बैग, रंगोली, चित्रकारी, स्लोगन आदि विभिन्न माध्यम से जागरूकता प्रसारित की जा रही है और सभी नागरिक अपनी स्थानीय बोलचाल की भाषा के साथ स्वयं के अलावा अन्य 10 व्यक्तियों को भी सतर्क रहने की शपथ दिलाकर जागरूक किया जा रहा है।

हर व्यक्ति अपने आप में योद्धा होगा तभी इस लड़ाई से जीता जा सकेगा, इसी उद्देश्य के साथ कोरोना वायरस की चेन को तोड़ने के लिए मुंह पर मास्क लगाकर, सोशल डिस्टेंसिंग, सार्वजनिक स्थानों पर खुले में नहीं थूकने, अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकलने को अपनाने पर जोर दिया जा रहा है।

आज प्रदेश के चालीस हजार गांवों तक कोरोना जागरूकता अभियान के अंतर्गत प्रदेश को कोरोना से बचाने के लिए मुख्यमंत्री की पहल पर 21 जून से शुरू किये गये कोविड-19 विशेष कोरोना जागरूकता अभियान से आमजन स्वयं जागरूक होकर समझदारी से काम लेने लगा हैं। अब वे अपने स्वास्थ्य का खुद ही ख्याल रख लोगों को भी अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने में जुटे हुए हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता, आशा सहयोगिनी, सहायिकाओं द्वारा जागरूकता रैली, मेहंदी व रंगोली बनाकर लोगों को जागरूक करने में सराहनीय योगदान को विस्मृत नहीं किया जा सकता। चाहे घर-घर जाकर कोरोना से बचाव के उपाय बताने की बात हो या रैली निकालकर प्रमुख चौराहे पर रंगोली बनाने की बात हो। हर तरह से आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता, आशा सहयोगिनी एवं सहायिकाएं जागरूकता संदेश देने में अपनी पूरी कोशिशों के साथ आमजन को जागरूक करने में जुटी हुई हैं।

सभी पंचायत समितियों, मुख्यालयों, ग्राम पंचायतों, कार्यालयों, नगर निगमों, निकाय क्षेत्रों, आंगनबाड़ी केंद्रों, सीएससी, पीएचसी, विद्यालय, ब्लॉक आदि पर पंचायत स्तरीय समस्त राष्ट्रीय कार्यालयों व संस्थाओं में प्रचार सामग्री चस्पा करने से लेकर जागरूकता की शपथ दिलाने तक सभी कार्यों को बखूबी निभाया जा रहा है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा तैयार बहुरंगी प्रचार सामग्री, सनबोर्ड, सनपैक, स्टीकर, पेम्फलेट, माननीय मुख्यमंत्री महोदय की विशेष अपील, पोस्टर, स्लोगन आदि को सरकारी कार्यालयों और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर प्रदर्शित करने के साथ दीवारों पर पेंटिंग बनाना, संदेश लिखना, घर -घर जाकर जागरूक करने में आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं का विशेष योगदान है।

कोरोना से बचाव के लिए जरूरी है कि कई बार हाथों को धोएं, मुंह पर मास्क लगाकर रहें, 2 गज की दूरी रखें, मास्क लगाए रखें। शहर से गांव की ओर बढ़ते हुए कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखते हुए लोगों को बचाव के तरीके अपनाने, अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकलने, सुरक्षित रहने के लिए आमजन को राज्य सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन की पालना करने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। परिणामस्वरूप प्रदेश के गांव-गांव तक संदेश प्रचारित कर जागरूक किया गया। आज लोग मोबाइल की भाषा को ज्यादा समझने लगे हैं इसको भी ध्यान में रखते हुए मोबाइल की भाषा में भी आम जन को गांव-गांव, ढ़ाणी तक SMS को अपनाने के लिए संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं। SMS यानी सेनिटाइजर, मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग।

कोरोना से बचाव में कारगर होम्योपैथी

डॉ. यासिर मिर्जा

सैमुएल हैनीमेन द्वारा विकसित होम्योपैथी चिकित्सा 'समरूपता के सिद्धांत' पर कार्य करती है। रोग और रोगी के लक्षणों, उसकी गहराई में जाकर इस पद्धति के तहत उपचार का कार्य किया जाता है। स्वाभाविक ही है कि यह ऐसी पद्धति है जिससे रोग का समुचित निदान संभव हो सकता है। इस दृष्टि से होम्योपैथी एक पूर्णत: वैज्ञानिक चिकित्सा पद्धति है। यह दरअसल वह संपूर्ण चिकित्सा पद्धति है जिसमें सभी तरह के रोगों का उनके लक्षणों के आधार पर जड़ से समाधान किया जा सकता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में भी होम्योपैथी विशेष रूप से कारगर है। यही कारण है कि कोरोना से बचाव के लिए इधर जिन पैथियों पर भरोसा किया जा रहा है, उसमें होम्योपैथी की भी महत्ती भूमिका रही है। होम्योपैथी के जरिए ना केवल कोरोना पॉजिटिव मरीजों को ठीक करने में सफलता मिली है बल्कि रोग से पहले ही उपचार की दृष्टि से भी इस पद्धति को कारगर माना गया है।

मानव शरीर की इम्युनिटी बढ़ाने के लिए होम्योपैथी के अंतर्गत जो दवाए दी जाती हैं, उनसे कोरोना संक्रमण को रोके जाने में खासी मदद मिल रही है। आयुष मंत्रालय द्वारा होम्योपैथी की प्रमाणित आर्सेनिक एलगम जैसी दवाओं को कोरोना से बचाव के लिए शामिल किया गया है।

दरअसल चीन के वुहान शहर में दिसम्बर, 2019 से शुरू हुई बीमारी ने अब तक दुनिया के हर कोने तक अपने पैर पसार लिए हैं। इस वैश्विक महामारी में अब तक की सभी बीमारियों के मृत्युदर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

दुनिया के सबसे सक्षम देश, महाशक्तियां भी इस रोग के आगे नतमस्तक हो गये हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक कोरोना वायरस से संक्रमित होने पर 88% फीसदी को बुखार, 66 फीसदी को खांसी एवं कफ, 38 फीसदी को थकान, 18 फीसदी को सांस में तकलीफ, 14 फीसदी को शरीर व सिरदर्द, 11 फीसदी को ठंड लगना, 9 फीसदी में डायरिया के लक्षण दिखते हैं, बहता जुकाम कोरोना वायरस का लक्षण नहीं माना जाता है। कई मामले ऐसे मिले हैं जिनमें कोरोना के कोई लक्षण नजर नहीं आए इसलिए आपको ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है।

लक्षण : इसके लक्षण फ्लू से मिलते-जुलते हैं, संक्रमण के फलस्वरूप बुखार, जुकाम, सांस में तकलीफ, नाक बहना और गले में खराश जैसी समस्या उत्पन्न होती हा।, यह वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। अधिक उम्र के लोग और जिन्हें पहले से ही कोई लम्बे समय से बीमारी चली आ रही है जैसे अस्थमा, मधुमेह, हृदय रोग, एड्स, टी.बी. इत्यादि को जल्दी होने की संभावना रहती है।

बचाव के उपाय : चूंकि अभी तक इस वायरस का उपचार संभव नहीं हो पाया, कोई दवा नहीं बन पायी इसलिए 'बचाव ही उपचार' का सूत्र अपनाएं। स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत ने कोरोना वायरस से बचने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं, इनके मुताबिक हाथों को साबुन से धोना, अल्कोहल आधारित हैडरब का इस्तेमाल, खांसते एवं छींकते समय नाक और मुंह पर रूमाल या टिश्यू पेपर, जिन व्यक्तियों में कोल्ड और फ्लू के लक्षण हों उनसे दूरी बनाकर रखें, अण्डे और मांस सेवन से बचें, जंगली जानवरों के सम्पर्क में आने से बचें। दुनिया के सभी देश कोरोना वायरस को खत्म करने के लिए अपने संस्थानों में शोध कार्य में लगे हैं वहीं सभी प्रकार की पैथियां आयुर्वेद, एलोपैथी, नेचुरोपैथी, यूनानी, होम्योपैथी शोधकर्त्ता एवं डॉक्टर भी अपनी दवाओं से शोधकार्य में लगे हुए हैं।

होम्योपैथी असाध्य बीमारियों के लक्षण, शारीरिक बनावट और मानसिक लक्षणों के आधार पर सही करने के लिए विश्वविख्यात है। इस कोरोनाकाल में और भी उभरकर सामने आ रहे हैं।

होम्योपैथी ने पॉजिटिव कोरोना मरीजों के लक्षणों पर अध्ययन कर उनको दूर करने में सफलता हासिल की है। आयुष मंत्रालय, भारत ने आर्सेनिक एल्बम 30 पॉवर दवा की एडवाइजरी जारी की है। इसके अलावा भी भारतभर में होम्योपैथी चिकित्सकों ने लक्षणों के आधार पर सीपिया 200 पॉवर ब्रायोनिया 30 पॉवर, हिपर सल्फर 30 पॉवर, केम्फट 30 पॉवर जैसी दवाओं का भी उल्लेख किया।

कोविड-19 जागरूकता अभियान

प्रदेशभर में कोरोना से बचाव के लिए चलाए गए जागरूकता अभियान में जिलों में विशेष गतिविधियों का आयोजन हुआ। रंगोली, नरेगा श्रमिकों को शपथ, पोपेट शो, चित्रकला प्रतियोगिताएं, सेल्फी पाइंट आदि बनाकर घर-घर कोरोना संक्रमण से बचाव का संदेश दिया गया।

Postal Regd. No. Jaipur City/413/2020-22
Registered with Registrar of Newspapers of India under R. No. 56175/1991

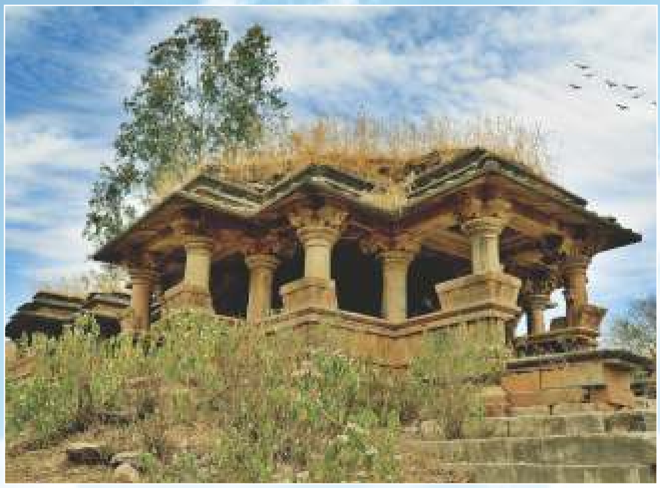

धरोहर

नागदा का शिव मंदिर

उदयपुर शहर से कोई 20 किलोमीटर दूर कैलाशपुरी स्थित मेवाड़ के प्रथम आराध्य एकलिंगजी के पास की छोटी सी पहाड़ी पर बघेले तालाब के किनारे बना है नागदा का प्राचीन शिव मंदिर। निर्माण शैली से यह 9 वीं-10 वीं शताब्दी का प्रतीत होता है। मंदिर में विशाल शिवलिंग है। ठीक वैसा ही जैसा कुम्भलगढ़ में नीलकंठ महादेव के शिवलिंग का शिल्प है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि महाराणा कुम्भा के समय में मंदिर का पुनरुत्थान हुआ होगा। स्थानीय क्षेत्रवासियों में खुमाण रावल का देवरा कहा जाने वाला यह प्राचीन शिव मंदिर मेवाड़ की प्राचीन राजधानी नागदा का विरल पुरावैभव है।

आलेख एवं छाया : राकेश शर्मा 'राजदीप'

#DIPRRajasthan

प्रकाशक व मुद्रक – सूचना एवं जनसम्पर्क आयुक्त, महेन्द्र सोनी द्वारा सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के लिए, शासन सचिवालय, जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
सम्पादक– डॉ. राजेश कुमार व्यास • मैसर्स पॉपुलर प्रिन्टर्स, मोती डूंगरी रोड, जयपुर से मुद्रित, 'राजस्थान सुजस'–पृष्ठ संख्या 60, मूल्य 20 रुपये/ 60,000 प्रतियां